



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]	नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 15, 2019/पौष 25, 1940
No. 23]	NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 15, 2019/PAUSHA 25, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 2019

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए '4, 4 डायमिनो स्टीलबेन 2, 2 डाइस्लफोनिक एसिड (डासडा)' के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा।

फा. सं. 7/22/2018-डी जी टी आर.—1995 में यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (इसके पश्चात् अधिनियम के रूप में भी संदर्भित) तथा सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क की पहचान, आकलन और संकलन और क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (इसके पश्चात् पाटनरोधी अथवा नियमावली के रूप में भी संदर्भित) ने चीन जन. गण. से '4, 4 डायमिनो स्टीलबेन 2, 2 डाइस्लफोनिक एसिड (डासडा)' के आयातों पर दिनांक 22 नवंबर, 2013 के अधिसूचना संख्या 12/1/2012 – डी जी ए डी के माध्यम से लगाये गये निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की। उसे दिनांक 23 जनवरी, 2014 के अधिसूचना संख्या 09/2014 सीमा शुल्क (पाटनरोधी) के माध्यम से लगाया गया था।

2. और जबकि डायस्टफफस मैन्युफेक्चर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया जो संबद्ध वस्तुओं के प्रयोक्ताओं के प्रतिनिधि निकाय के रूप में अपने आप का दावा कर रहा है, ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्कों की समीक्षा आरंभ करने के लिए अनुरोध करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 01 अक्टूबर,

2015 की अधिसूचना संख्या 15/18/2015 – डी जी ए डी के माध्यम से मध्यावधि समीक्षा (एम टी आर) जांच आरंभ की। विस्तृत जांच करने के बाद, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से '4, 4 डायमिनो स्टीलबेन 2, 2 डाइस्लफोनिक एसिड (डासडा)' से आयातों पर दिनांक 26 सितंबर, 2016 की अधिसूचना संख्या 15/18/2015 – डी जी ए डी के माध्यम से पाटनरोधी शुल्क में संशोधन किया। उसे दिनांक 09 नवंबर, 2016 की अधिसूचना संख्या 52/2016 सीमा शुल्क (ए डी डी) के माध्यम से लगाया गया था।

3. जबकि, सीमा प्रशुल्क (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क (5) के संबंध में लगाये गये पाटनरोधी शुल्क को यदि पूर्व में निरस्त न किया गया हो तब इसका प्रभाव इस प्रकार से लगाये जाने की तिथि के पांच वर्षों के समाप्त होने पर नहीं रहेगा और प्राधिकारी से इस बात की समीक्षा करने की अपेक्षा है कि क्या शुल्क के समाप्त होने से संभवतः पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है। उपर्युक्त के अनुसार, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे घरेलू उद्योग की ओर से अथवा उसके द्वारा किए गए एक विधिवत वास्तविक अनुरोध के आधार पर इस बात की समीक्षा की जाये कि क्या शुल्क के समाप्त होने से संभवतः पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है।
4. जबकि, मैसर्स दीपक नाइट्राइट इंडस्ट्री लिमि. (इसके पश्चात् याचिकाकर्ता के रूप में भी संदर्भित) ने पूर्व में लगाये गये पाटनरोधी शुल्कों की निर्णायक समीक्षा आरंभ करने का अनुरोध करते हुए और चीन जन. गण. से आयातों के विरुद्ध शुल्कों के जारी रखने की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया। यह अनुरोध इन आधारों पर किया गया था कि इस उपाय के समाप्त होने के फलस्वरूप उस देश से संभवतः पाटन और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होगी।
5. घरेलू उद्योग की ओर से दायर किए गए पाटन और क्षति की संभावना का प्रथम दृष्टया साक्ष्य के साथ विधिवत सिद्ध किए हुए आवेदन को देखते हुए और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित इस अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. (इसके पश्चात् संदर्भ देश के रूप में संदर्भित) के मूल अथवा वहां से निर्यात किए गए संबद्ध वस्तुओं के संबंध में पाटनरोधी शुल्कों को सतत् रूप से लगाये जाने की समीक्षा करने और इस बात की जांच करना कि क्या उक्त शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से उत्पन्न होने की संभावना है, की जांच करने के लिए दिनांक 26.06.2018 की अधिसूचना संख्या 7/22/2018 – डी जी ए डी के माध्यम से एक निर्णायक समीक्षा जांच आरंभ की।
6. वर्तमान समीक्षा के कार्यक्षेत्र में संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पूर्व की जांचों के सभी पहलू शामिल हैं।

क. प्रक्रिया

7. नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का पालन प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच के आरंभन को अधिसूचित करते हुए आम सूचना को जारी किए जाने के बाद इस जांच के संबंध में पालन किया गया है :
 - i. प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराये गये पते के अनुसार घरेलू उद्योग और भारत में संबद्ध देशों के दूतावास, संबद्ध देश में ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं को जांच आरंभन संबंधी अधिसूचना की प्रति एक भेजी और जांच आरंभन संबंधी अधिसूचना से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण अवगत कराने के लिए उनसे अनुरोध किया।
 - ii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास को और संबद्ध देश में ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति उपलब्ध कराई।
 - iii. भारत में संबद्ध देश के दूतावास से यह भी अनुरोध किया गया था कि ये निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए चीन से निर्यातकों/ उत्पादकों को सलाह दें। उत्पादकों/ निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी इन्हें चीन जन. गण. से ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों के नाम और पते के साथ इन्हें भेजी गई थी।

- iv. प्राधिकारी ने इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को संगत सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातक की प्रश्नावली भेजी :
- i. टस्कर केमिकल (कंगजोउ) कं. लिमि.
 - ii. हुआ गेहोल्लिंग ग्रुप कं. लिमि.
 - iii. यांगमई फेक्सि फर्टिलाइजर इंडस्ट्री
 - iv. लियांगेंग लायन केमिकल कं. लिमि.
 - v. लूआयांग सिटी ईस्ट गार्डन केमिकल कं. लिमि.
 - vi. वीजिंग यांगकुन केमिकल कं. लिमि.
 - vii. झेजियांग इयूकेम केमिकल कं. लिमि.
 - viii. केममेक्स गुआंगजोउ लिमिटेड कंपनी
 - ix. झेजियांग शांग्यू केमिकल कं. लिमि.
 - x. शानक्सी जियांगू केमिकल कं. लिमि.
 - xi. हेबेई हेंग शूई डॉगगेंग केमिकल कं. लिमि.
 - xii. हेगशूई जिनहेंग केमिकल प्रांटेक्ट्स कं. लिमि.
 - xiii. बोटोउ टिएनहे केमिकल कं. लिमि.
 - xiv. यानशी डॉगयूअन केमिकल कं. लिमि.
 - xv. हेबेई हुआ-केम ग्रुप
- v. इसके अलावा हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध पर, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय की अवधि 13.08.2018 तक बढ़ा दी।
- vi. चीन जन. गण. से निम्नलिखित उत्पादक और निर्यातक ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है -
- i. टस्कर केमिकल (कंगजोउ) कं. लिमि.
 - ii. टस्कर केमिकल डॉगगुआंग कं. लिमि.
 - iii. टस्कर टेक्नोलॉजी (बीजिंग) क. लिमि.
- vii. प्राधिकारी ने इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना की मांग करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/ उपभोक्ताओं को अधिसूचना की प्रति अग्रेषित की :
- i. डेकफिल केमिकल्स इण्डिया लिमि.
 - ii. अनिल ऑर्गेनिक्स
 - iii. प्रणव केमिकल्स
 - iv. मेघामणि डेयस एंड इंटरमिडिएट्स एलएलपी
 - v. मैसर्स पारामाउट मिनिरल्स एंड केमिकल्स लिमि.

- vi. मैसर्स एसके डेयसटप्फस एंड ऑर्गेनिक्स केमिकल्स प्रा. लिमि.
- vii. मैसर्स बी ए एस एफ इण्डिया लिमि.
- viii. मैसर्स – ख्याती केमिकल्स प्रा. लिमि.
- viii. निम्नलिखित आयातकों और प्रयोक्ताओं ने प्रयोक्ता की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है, मौखिक सुनवाई में भाग लिया है और उसके पश्चात् लिखित अनुरोध दायर किया है -
 - i. मैसर्स पारामाउट मिनिरल्स एंड केमिकल्स लिमि.
 - ii. मैसर्स एसके डेयसटप्स एंड ऑर्गेनिक्स केमिकल्स प्रा. लिमि.
 - iii. मैसर्स बी ए एस एफ इण्डिया लिमि.
 - iv. मैसर्स – ख्याती केमिकल्स प्रा. लिमि.
- ix. वर्तमान समीक्षा के उद्देश्य से जांच की अवधि (पी ओ आई) अप्रैल, 2017 – मार्च, 2018 (12 महीने) है। हालांकि, क्षति के विश्लेषण की अवधि 2014-15, 2015-16, 2016-17 और जांच की अवधि को शामिल करता है।
 - x. जांच की अवधि और पिछले तीन वर्षों के लिए लेन देन वार आयात संबंधी आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना में संस्कृति महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से प्राप्त किया गया था। प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा और मूल्य की गणना करने के लिए सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों और डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास किया है।
 - xi. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया है।
 - xii. प्राधिकारी ने घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत और उत्पादन की लागत को तय करने के लिए इस नियमावली के अनुबंध III में निर्धारित दिशानिर्देशों के आधार पर यथासंभव सीमा तक किया है।
 - xiii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने दिनांक 12.09.2018 को आयोजित मौखिक सुनवाई में, मौखिक रूप से उनके द्वारा व्यक्त किए गए दृष्टिकोणों को प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर भी प्रदान किया। इन पक्षकारों, जिन्होंने मौखिक सुनवाई में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए, से यह अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित अनुरोध के रूप में प्रस्तुत करें और तत्पश्चात् प्रतिउत्तर संबंधी अनुरोध प्रस्तुत करें। सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर इस प्रकटन विवरण में विचार किया गया है।
 - xiv. जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, दिए गए तर्कों और विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना को उस सीमा तक साक्ष्य के साथ समर्थन दिया गया और उसी सीमा तक वर्तमान जांच के संबंध में इसे संगत माना गया, प्राधिकारी द्वारा इस प्रकटन विवरण में उस पर उपयुक्त रूप से विचार किया गया है।
 - xv. जांच की अवधि के दौरान प्राधिकारी ने इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की सत्यता के संबंध में अपने आप को संतुष्ट किया, जो इस प्रकटन का आधार संभव सीमा तक बनाता है और घरेलू उद्योग और उत्तर देने वाले निर्यातकों द्वारा दिए गए सत्यापित आंकड़ों/ दस्तावेजों को जिस सीमा तक संगत और आवश्यक माना गया। जहां भी लागू हो आवश्यक संशोधन के साथ केवल इस प्रकार से सत्यापित सूचना पर इस जांच के उद्देश्य से विश्वास किया गया है।
 - xvi. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया

है और इस प्रकार की सूचना पर गोपनीय के रूप में और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट न की गई सूचना के रूप में विचार किया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को यह निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध करायें।

- xvii. जहां कहीं हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना की जानकारी देने से इनकार किया है अथवा अन्य प्रकार से उपलब्ध नहीं कराया है अथवा इस जांच में पर्याप्त रूप से बाधा पहुंचाई है, प्राधिकारी ने इस प्रकार के हितबद्ध पक्षकारों को असहयोगी के रूप में माना और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इन जांच परिणामों को रिकार्ड किया।
- xviii. एक प्रकटन विवरण 20 दिसंबर, 2018 को प्रकटन विवरण के संबंध में टिप्पणियां यदि कोई हों, को प्रस्तुत करने के लिए 31 दिसंबर, 2018 तक समय देते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचाराधीन आवश्यक तथ्यों को शामिल करते हुए जारी किया गया था। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन पश्चात् टिप्पणियों पर उचित रूप से विचार किया है।
- xix. इस अंतिम जांच परिणाम में *** गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार की गई सूचना का द्योतक है।
- xx. इस संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा ली गई विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर = 65.33 रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ख.1 घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

8. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के कार्यक्षेत्र के संबद्ध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

i. वर्तमान जांच के उद्देश्य से विचाराधीन उत्पाद वही है जो पूर्व की जांच में था अर्थात् '4, 4 डायमिनो स्टीलबेन 2, 2 डाइस्लफोनिक एसिड (डासडा)'।

ii. जैसा कि पूर्व की जांचों में नोट किया गया, याचिका दायर करने वाले घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद संबद्ध देशों से आयात किए गए उत्पाद की समान वस्तु है।

ख. 2 विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का दृष्टिकोण

9. विचाराधीन उत्पाद अथवा समान वस्तु के कार्यक्षेत्र संबंध में विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया था।

ख. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

10. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद '4, 4 डायमिनो स्टीलबेन 2, 2 डाइस्लफोनिक एसिड (डासडा)' है, जिसे आमतौर पर डी एस डी एसिड के रूप में जाना जाता है।

11. वर्तमान जांच के एक निर्णायक समीक्षा जांच होने तथा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्कों जिसकी सिफारिश प्राधिकारी द्वारा पूर्व में की गई थी, प्राधिकारी इस पर विचार करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का कार्यक्षेत्र वही है जो मूल और बाद की समीक्षा जांचों में है। पूर्व की जांचों में परिभाषित विचाराधीन उत्पाद नीचे दिया गया है :

"वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद 4, 4 डायमिनो स्टीलबेन 2, 2 डाइस्लफोनिक एसिड (डासडा) के रूप में संदर्भित है। इसे 2, 2' (1, 2' इथिलेनेहाइल) बीआईएस (5-एमिनोबेजेनसल्फोनिक एसिड), 4, 4' डायमिनोस्टीबेन-2, 2'- डाइसल्फोनिक एसिड, 2, 2'- ऐथिन - 1, 2- डायलबिस (5- एमिनो बेनजिन सल्फोनिक एसिड), एमसोनिक एसिड और डी एस डी एसिड के रूप में भी जाना जाता है। डासडा एक हल्की पीली रंग की पाउडर/ क्रीम है जिसका उपयोग ओप्टिकल ब्राइटनिंग एजेंट्स, फ्लूरोसेंट ब्राइटनिंग एजेंट्स आदि जैसे डायस्टफ के मिलाने में उपयोग किया

जाता है। संबद्ध वस्तुओं का वर्गीकरण अध्याय शीर्षक 29215990 के अंतर्गत किया गया है यद्यपि कथित रूप से इसका आयात अनेक अन्य प्रशुल्क शीर्षकों जैसे 29214290, **29222190**, **29222990**, **29309099** आदि के अंतर्गत किया जा रहा है। हालांकि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह किसी भी प्रकार से इस जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।”

12. रिकॉर्ड में इस सूचना पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश से निर्यात किए गए विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादन किए गए उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद की तुलना उन लक्षणों जैसे भौतिक और रासायनिक लक्षणों, कार्यों और उपयोगों, उत्पादन विनिर्देशन, इन वस्तुओं का वितरण और विपणन और प्रशुल्क वर्गीकरण के संबंध में विचाराधीन उत्पाद से तुलना की जा सकती है। ये दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग कर रहे हैं।
13. प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के अनुसार उपर्युक्त अनुच्छेदों में यथाउल्लिखित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है।

ग. घरेलू उद्योग और उसका स्थान

14. संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा के लिए यह याचिका दीपक नाइट्राइट लिमि. द्वारा भारत में विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों के रूप में दायर की गई थी।

घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

15. याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग और उसके स्थान के संबंध में नीचे दिए गए अनुसार अनुरोध किया :
 - i. यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से दीपक नाइट्राइट लिमि. (डी एन एल) द्वारा दायर किया गया था। याचिकाकर्ता का कुल भारतीय उत्पादन में बड़ा हिस्सा है।
 - ii. याचिकाकर्ता संबद्ध देश में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक/ निर्यातक से संबद्ध नहीं है।
 - iii. याचिकाकर्ताओं ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की अल्प मात्राओं का आयात किया है।
 - iv. याचिकाकर्ता के दहेज संयंत्र जिसका उपयोग ओ बी ए का निर्माण करने के लिए किया जाता है, द्वारा आयात किए गए थे। विचाराधीन उत्पाद का निर्माण दहेज संयंत्र में नहीं किया जाता है।
 - v. याचिकाकर्ता द्वारा किया गया आयात स्वयं की खपत के उद्देश्य से ही था और यह बिक्री के लिए नहीं था।
 - vi. दहेज संयंत्र द्वारा ओ बी ए का उत्पादन करने के लिए स्वयं की खपत के लिए आयात किए गए हैं। आयात इसलिए किए गए थे क्योंकि याचिकाकर्ता का हैदराबाद संयंत्र जो डासडा का उत्पादन करता है, **2016** में दो महीने के लिए अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया था।
 - vii. दहेज संयंत्र द्वारा 2017 में आयात घरेलू आदेशों और प्रतिबद्धताओं के कारण हैदराबाद संयंत्र से आपूर्ति के अभाव में किया गया था।
 - viii. याचिकाकर्ता नियम 2(ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग" है क्योंकि उसके पास भारतीय उत्पादन का "बड़ा हिस्सा" है और किए गए आयात में भारतीय मांग और कुल आयातों की तुलना में मामूली मात्रा में हुआ है।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का दृष्टिकोण

16. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :
 - i. घरेलू उद्योग ने स्वयं चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं का बहुत अधिक मात्रा में आयात किया है और उसे प्राधिकारी को प्रकट नहीं किया गया था।

- ii. घरेलू उद्योग को यह बताना होगा कि क्यों उन्होंने प्राधिकारी से इस तथ्य को छुपाया है। किया गया आयात बहुत अधिक है, **4609** मी. ट. में से 200 मी. ट. आयात स्वयं घरेलू उद्योग द्वारा किया गया है और यह कुल आयात 4.34 प्रतिशत है।
- iii. इस जांच को घरेलू उद्योग द्वारा आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराने के आधार पर समाप्त किया जाना चाहिए जिसका घरेलू उद्योग, क्षति और संभावना के रूप में उनके दावे पर प्रभाव पड़ता है, घरेलू उद्योग द्वारा इस प्रकार की कार्यवाही ने घरेलू उद्योग के रूप में उनकी पात्रता और याचिका में विभिन्न दावों की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा कर दिया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. वर्तमान आवेदन दीपक नाइट्राइट लिमि. द्वारा संबद्ध देश से विचारधीन उत्पाद के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्कों की समीक्षा करने और उसके जारी रखे जाने की मांग करते हुए भारत में विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों के रूप में दायर किया गया था।
18. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता संबद्ध देश में उत्पादित विचाराधीन उत्पाद अथवा किसी निर्यातक या भारत में विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक से संबंधित नहीं है (प्रत्यक्ष तौर पर अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर)। याचिकाकर्ता द्वारा किए गए आयातों के संबंध में, प्राधिकारी ने यह नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रारंभ में उनके द्वारा किए गए आयातों को प्रकट नहीं किया है और न ही यह स्वीकार किया है कि उन्होंने मौखिक सुनवाई जब हितबद्ध पक्षकारों ने इस तथ्य को प्राधिकारी के ध्यान में लाने, के बाद ही विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। याचिकाकर्ता को पाटनरोधी नियमावली की पूरी जानकारी है और उसे याचिका दायर करते समय ही स्वयं प्राधिकारी के ध्यान में इस तथ्य को लाना चाहिए था। यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि के दौरान चीन जन. गण. से विचाराधीन उत्पाद का *** मी. ट. आयात किया था। याचिकाकर्ता द्वारा किए गए आयात कुल आयात का *** इसके उत्पादन का *** और मांग का *** है।
19. प्राधिकारी रिकार्ड में दी गई सूचना के आधार पर यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता का कुल भारतीय उत्पादन का 84 प्रतिशत उत्पादन होता है और कुल भारतीय उत्पादन का इसका बहुत बड़ा हिस्सा है। उपर्युक्त को देखते हुए और उचित जांच के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक संबद्ध वस्तुओं की स्थायी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं और वह पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं।

घ. गोपनीयता

घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

20. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. निर्यातक ने सूचना जैसे उत्पाद की सूची, वितरण का माध्यम, उत्पादन की प्रक्रिया, उत्पादन फ्लोचार्ट, कच्चे माल का नाम, भारत में निर्यात के संबंध में सूचना, कंपनी की वस्तुओं की बिक्री, बिक्री कीमत ढांचा, संस्थापित संस्था को दर्शाते हुए विवरण, उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना, सहायक कंपनी से संबंधित सूचना, तीसरे देशों को निर्यात के संबंध में सूचना आदि का दावा किया है। प्रश्नावली के उत्तर का अगोपनीय पाठ पूर्णरूप से अपर्याप्त है।
- ii. सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध सूचना को गोपनीय रखा गया है और सूचना का अगोपनीय पाठ भी उपलब्ध नहीं कराया गया है। हितबद्ध पक्षकारों ने दावा की गई गोपनीय सूचना का उचित और पर्याप्त अगोपनीय सार प्रस्तुत नहीं किया है जिससे कि याचिकाकर्ता सार्थक टिप्पणियां देने में सक्षम हो सकें। हितबद्ध पक्षकारों ने केवल खाली प्रपत्र दे दिया है।
- iii. सभी हितबद्ध पक्षकारों से यह अपेक्षा है कि वह दिनांक 07 सितंबर, **2018** के व्यापार सूचना संख्या 10/2018 का अनुपालन करें, हालांकि निर्यातकों और प्रयोक्ताओं ने प्रश्नावली के उत्तरों में अत्यधिक गोपनीयता के कारण उसका स्पष्ट उल्लंघन किया है।

- iv. इस नियमावली के अंतर्गत गोपनीयता संबंधी प्रावधान इस नियमावली के सभी पारदर्शी प्रावधानों को समाप्त करने और विरोधी पक्षकारों के लिए बाधा पहुंचाने के उद्देश्य से जांच के दौरान दी गई सूचना को प्रकट करने से इनकार करने के लिए एक तंत्र मात्र नहीं है। गोपनीय के रूप में सूचना को माने जाने का कोई दावा तथ्यपरक होना चाहिए और गोपनीय के रूप में इसे दी गई सूचना को मानने की इच्छा रखने वाले पक्षकार के अधिकारों और कानूनी हितों के अनुकूल होना चाहिए।
- v. याचिकाकर्ता ने इन याचिका के अगोपनीय पाठ में सभी सूचनाएं उपलब्ध कराई हैं। याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर की गई सूचना का अगोपनीय पाठ वृहत रूप से दिनांक 07 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना संख्या 10/2018 के अनुरूप है। घरेलू उद्योग द्वारा दायर किए गए क्षति संबंधी विवरण निश्चित रूप से या तो वास्तविक आधार पर अथवा सूचीबद्ध आधार पर हैं।
- vi. प्रपत्र ए-एल एक व्यापार संवेदनशील सूचना है और उसका अगोपनीय पाठ नहीं बनाया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने इस नियमावली के अंतर्गत ही गोपनीयता का दावा किया है और इसने दिनांक 07 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना संख्या 10/2018 का अनुपालन किया है।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का दृष्टिकोण

21. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. डी जी टी आर को यह जांच आरंभ नहीं करनी चाहिए थी क्योंकि एन सी वी इन आरोपों को उचित रूप से समझने की अनुमति नहीं देता है।
- ii. हितबद्ध पक्षकार बचाव के अपने अधिकार का पूर्णरूप से उपयोग नहीं कर सकते हैं क्योंकि एन सी वी उचित रूप से सूचीबद्ध नहीं है। गोपनीयता का औचित्य व्यापार सूचना तालिका के अनुसार उचित नहीं है।
- iii. धारा VI (लागत संबंधी सूचना) गायब है और प्रपत्र ए-एल को गोपनीय के रूप में दावा किया है। कोई उचित औचित्य इस सूचना को गोपनीय के रूप में दावा करने के लिए नहीं किया गया है।
- iv. इस याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना व्यापार सूचना 1/2013 और इस नियमावली के नियम 7 में निर्धारित आवश्यकताओं का स्पष्ट उल्लंघन है।
- v. दीपक नाइट्राइट लिमि. (डी एन एल) अत्यधिक गोपनीयता के अन्य हितबद्ध पक्षकारों पर आरोप लगाकर अपने गोपनीयता के दावों को छुपाने की कोशिश कर रहा है। मात्रा संबंधी सूचना को गोपनीय के रूप में दावा किया गया है जबकि यह सूचना पूर्व के मामलों में दी गई है।
- vi. यह कि स्वयं याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और एक अपूर्ण याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने इसके लिए पर्याप्त कारण नहीं दिए हैं कि क्यों गोपनीयता का दावा किया गया था और कुछ सूचना के लिए सारांश क्यों संभव नहीं था। याचिकाकर्ता ने सूचीबद्ध संख्या भी उपलब्ध नहीं कराई है। टस्कर ने गोपनीयता का दावा करने के लिए कारणों को स्पष्ट करते हुए उपर्युक्त नियमावली के अनुसार सभी सूचना उपलब्ध कराई है और औचित्य तालिका भी संलग्न की।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. सूचना की गोपनीयता के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान हैं :

"7. गोपनीय सूचना :

(1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

23. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता के संबंध में किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा उन्हें संगत माने गए अनुरोधों की जांच और तदनुसार उसका समाधान किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता संबंधी दावे को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना पर गोपनीयता के रूप में और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन की गई सूचना के रूप में विचार किया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को यह निदेश दिया गया था कि ये गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध करायें। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया। घरेलू उद्योग के आयातों, कार्य निष्पादन मानदंडों और क्षति संबंधी मानदंडों से संबंधित सूचना सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध कराई गई है। व्यापार संवेदनशील सूचना को प्रथा के अनुसार गोपनीय रखा गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोई सूचना जो सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है, को गोपनीय के रूप में नहीं माना जा सकता है।

ड. विविध मुद्दे

घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

24. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. प्राधिकारी का डॉंगयांग यूनिट के संबंध में एम टी आर में टिप्पणी न केवल यह सुझाव देती है कि निर्यातक के पास डासडा अथा टस्कर डॉंगयांग का एक और उत्पादन यूनिट है बल्कि निर्यातक ने एम टी आर जांच के समय प्राधिकारी से विभिन्न तथ्यों को दबाया था। प्राधिकारी ने पहले ही टस्कर डॉंगयांग के मौजूद होने का सत्यापन किया है।
- ii. यदि इस संयंत्र का निर्माण भी किया जा रहा है तब यह स्पष्ट रूप से चीन में उत्पन्न होने वाली अतिरिक्त क्षमता, चीन में बढ़ने वाली अतिरिक्त क्षमता को दर्शाता है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में, इन क्षमताओं से उत्पादन भारत में विपथित हो जाएंगे।
- iii. याचिकाकर्ता का संयंत्र केवल 28 दिनों के लिए बंद था। यह सही नहीं है कि यह संयंत्र पी सी वी आदेश का पालन नहीं किए जाने के कारण बंद किया गया था। चूंकि सितंबर 16 और अक्टूबर, 16 के महीने में आंधी और बारिश हुई थी इसलिए पी सी वी ने औद्योगिक सम्पदा में सभी स्थापनाओं को और अधिक कठोर प्रशासनिक नियंत्रण का पालन करने के लिए अनुदेश जारी किया। सत्यापन किए जाने के बाद पी सी वी ने आवश्यक संशोधन किए जाने तक उत्पादन को बंद करने के लिए कहा है। डी एन एल ने पी सी वी द्वारा दिए गए निदेश के अनुसार आवश्यक संशोधन के लिए लगभग 60 से 70 लाख रुपए खर्च किए थे, जिसका ब्यौरा निरस्तीकरण आदेश में दिया गया है। उसके बाद डी एन एल ने इस संयंत्र में फिर से उत्पादन शुरू किया।
- iv. रुपए का अवमूल्यन पाटनरोधी शुल्क को जारी नहीं रखने के लिए एक आधार नहीं हो सकता है। यह भी बिना किसी आधार के है कि रुपए के अवमूल्यन से केवल आयात कीमत पर प्रभाव पड़ा था। रुपए के अवमूल्यन का अनेक कारकों पर अपना प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा, यह मानने का कोई आधार नहीं है कि रुपया वर्तमान स्तर पर अवमूल्यित रहेगा।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का दृष्टिकोण

25. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा नीचे दिए गए अनुसार अनुरोध किया गया है :

- i. याचिकाकर्ता ने जांच आरंभन के लिए स्थिति को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है। इस आवेदन में कानूनी और तथ्यपरक आधार नहीं है।
- ii. जैसा कि 2015 की अंतरिम रिपोर्ट में उल्लेख किया गया था कि डॉययांग संयंत्र का निर्माण किया जा रहा है और समूह की समग्र क्षमता बढ़ाने की इसकी कोई योजना नहीं है बल्कि यदि डॉययांग संयंत्र को चीन सरकार की पर्यावरण संबंधी नीतियों के कारण बंद कर दिया जाता है तब डी एस डी एसिड की आपूर्ति की गारंटी एक पूरक संयंत्र के रूप में दी जा सकती है।
- iii. सरकारी नीतियों के कारण चीन में अनेक संयंत्रों को बंद किया गया है। टस्कर ग्रुप ने पर्यावरण नीतियों का मुकाबला करने के लिए दो प्रमुख उपाय किए। सबसे पहले, डॉययांग संयंत्र में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए और अधिक पर्यावरण अनुकूल सुविधाओं में निवेश करना और दूसरा डॉययांग संयंत्र के स्थगित किए जाने की स्थिति में भी डॉययांग संयंत्र का निर्माण का शुरू कर दिया। यह अनुमान लगाया गया था कि जैसे ही डॉययांग संयंत्र को स्थगित किया जायेगा डॉययांग संयंत्र डी एस डी एसिड की आपूर्ति जारी रखेगा।
- iv. प्राधिकारी को इस बात की जांच करने की आवश्यकता है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पी सी बी) द्वारा संयंत्र को बंद किए जाने के कारण कितने उत्पादन का घाटा हुआ था, पी सी बी द्वारा उठाये गये अनुपालन के संबंध में डी एन एल की वर्तमान स्थिति क्या है, क्या प्रदूषण मुद्दे का समाधान करने के लिए, यदि यह मुद्दा भविष्य में फिर उत्पन्न होगा अथवा नहीं तब कंपनी का आकलन करने के लिए, पी सी बी द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं, पर्यावरण संबंधी कानूनों का पालन करने और उत्पादन के लिए विचाराधीन उत्पाद की अनुमत्य मात्रा पूरा करने के लिए कंपनी द्वारा किए गए निवेश के संबंध में दीर्घावधि उपाय किए गए हैं। प्राधिकारी को इन सभी मानदंडों की जांच करने की आवश्यकता है।
- v. डी एन एल संयंत्र को पर्यावरण संबंधी मुद्दों के कारण बंद करने की स्थिति का सामना करना पड़ता है और प्राधिकारी द्वारा उसकी गहराई से जांच किए जाने की आवश्यकता है।
- vi. रुपए के अवमूल्यन से आयात गैर अर्थक्षम हो गया है और यह घरेलू उद्योग को अतिरिक्त संरक्षण प्रदान करता है। इस स्थिति को यदि चीन जन. गण. में संयंत्रों के बंद होने के संदर्भ में और उन कीमतों, जो ठोस आपूर्ति के कारण बहुत अधिक बढ़ने शुरू हो गए हैं, के संदर्भ में भी डासडा पर वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त होने देने में उचितता को दर्शायेगा।
- vii. मूल जांच में याचिकाकर्ता ने यह उल्लेख किया कि यह क्षति की समग्र अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात नहीं किया था, हालांकि लिखित अनुरोध में यह उल्लेख किया गया है कि याचिकाकर्ता ने गलती की थी और उसके बाद उन आयातों का ब्यौरा जो इसने किया था प्रस्तुत किया।
- viii. याचिकाकर्ता ने यह स्वीकार किया है कि इसने संबद्ध वस्तुओं का आयात किया और इसमें कोई ढील नहीं दी जायेगी क्योंकि डी एन एल पाटनरोधी शुल्क का एक पुराना प्रयोक्ता है। इस याचिका में गलत विवरण और प्रपत्र एफ याचिका में दिए गए अन्य सभी विवरणों पर संदेह उत्पन्न करता है। यह स्वीकारोक्ति औचित्यपूर्ण नहीं है क्योंकि डी एन एल ने तभी आयातों को स्वीकार कर लिया था जब प्राधिकारी के समक्ष इन साक्ष्यों को लाया गया था। डी एन एल ने शुल्कों को जारी रखने के लिए आधार बनाने हेतु निम्न कीमतों पर उस आयात को दर्शाने के लिए जांच की अवधि के दौरान आयात किए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. घरेलू उद्योग का पर्यावरण संबंधी मुद्दों के कारण संयंत्र को बंद कर दिए जाने के तर्क के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि दीपक नाइट्राइट लिमि. का उत्पादन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आदेशों के कारण बंद कर दिया गया था। यह उत्पादन तब तक बंद रखा गया था जब तक इस संयंत्र में आवश्यक संशोधन नहीं किए गए थे और सत्यापन किए जाने के बाद यह नोट किया गया था कि उत्पादन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दिए गए संशोधन संबंधी सुझावों का अनुपालन

करने के लिए कुल मिलाकर 28 दिनों तक बंद किया गया था। चूंकि कंपनी का उत्पादन 2015-16 में 28 दिनों के लिए बंद था, अतः प्राधिकारी ने संयंत्र के बंद होने के आधार पर वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए लागत और लाभ में समायोजन किया है।

27. याचिकाकर्ता द्वारा किए गए आयातों के संबंध में, प्राधिकारी ने यह नोट किया कि याचिकाकर्ता ने उनके द्वारा किए गए आयातों को आरंभ में प्रकट नहीं किया था और जब हितवद्ध पक्षकारों ने इस तथ्य को प्राधिकारी के ध्यान में लाये तब मौखिक सुनवाई के बाद ही इसे स्वीकार किया।
28. टस्कर ग्रुप द्वारा स्थापित की जा रही अतिरिक्त क्षमता के तर्क के संबंध में, प्राधिकारी ने यह सत्यापित किया कि डॉयगुआंग में नया संयंत्र जिसका निर्माण किया जा रहा है और इसे 2019 के अंत तक पूरा किया जा सकता है। कंपनी द्वारा दिए गए पूंजीगत व्यय के ब्यौरे अनुसार, यह देखा गया है कि कंपनी ने नए संयंत्र में पहले ही बहुत अधिक निवेश कर दिया है। प्राधिकारी ने यह नोट किया कि निकट भविष्य में डासडा की बिक्री करने और अपनी क्षमता में वृद्धि करने और उत्पादन करने के उद्देश्य से निर्यातक ने बहुत अधिक निवेश किया है। इस कारण से नए पूंजीगत निवेश के साथ डासडा की कुल क्षमता 2020 से 55,000 मी. ट. प्रतिवर्ष होगी।
29. कंपनी द्वारा सत्यापन के दौरान यह भी सूचना दी गई है कि इसने अपने नाम में 16 अक्टूबर, 2018 से परिवर्तन किया है और अब यह टस्कर कैमिकल (डॉयगुआंग) कं. लिमि. के स्थान पर हेबेई टस्कर कं. लिमि. के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अनुरोध किया है कि नाम में परिवर्तन को अंतिम जांच परिणामों में विधिवत शामिल कर लिया जाए। अपने दावे के समर्थन में कंपनी ने सूचना और समर्थन संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराये हैं।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन का निर्धारण

30. सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 9 क (1)(ग) के अनुसार, किसी वस्तु के संबंध में 'सामान्य मूल्य' का तात्पर्य निम्नलिखित है :

व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में छपत के लिए नियत हो, अथवा

जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में मूल्य की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा -

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

31. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिया गया है :

- i. चीन को इस कारण से गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माने जाने की आवश्यकता है कि चीन में कीमतें और लागतें उचित रूप से बाजार शक्तियों को दर्शाती हैं। अनुबंध-1 का पैरा 8 उन मानदंडों का उल्लेख करता है जिन पर बाजार

अर्थव्यवस्था दर्जा दिए जाने के लिए विचार किया जाना चाहिए। इसका आशय यह भी है कि यदि इन शर्तों को पूरा नहीं किया जाता है तब चीन की लागतों और कीमतों को अपनाया नहीं जा सकता है।

- ii. चीन के उत्पादकों को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वातावरण के अंतर्गत कार्य कर रही कंपनियों के रूप में माने जाने की आवश्यकता है और प्राधिकारी अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कार्यवाही कर सकते हैं।
- iii. टस्कर समूह ने दो उत्पादकों अर्थात् टस्कर कैमिकल (डॉंगगुआंग) कं. लिमि. और टस्कर कैमिकल (केनझोऊ) कं. लिमि. की ओर से निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। यह निर्यातक ने एक और उत्पादन यूनिट अर्थात् टस्कर कैमिकल (डॉयांग) कं. लिमि. का निर्माण मुख्य रूप से डी एस डी एसिड के उत्पादन के लिए किया लेकिन टस्कर कैमिकल (डॉयांग) कं. लिमि. की ओर से प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया गया है।
- iv. प्राधिकारी ने उस पर एम टी आर में भी विचार किया। प्राधिकारी ने निर्यातक के नाम परिवर्तन के दावे को अस्वीकार कर दिया और यह माना कि निर्यातक न केवल एक और उत्पादन यूनिट का निर्माण कर रहा है बल्कि इसने वास्तविक तथ्यों को भी दबाया है।
- v. यह सामान्य मूल्य का दावा करने का प्रश्न नहीं है। यह पूर्ण क्यू आर प्रस्तुत करने का प्रश्न है। यदि कोई कंपनी तथ्यों को इस हद तक दबाने का प्रयास करती है कि निर्माण इकाई को पूर्ण रूप से प्राधिकारी के समक्ष नहीं लाया जाता है तब ऐसा विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गई शेष सूचना इतनी विश्वसनीय होगी कि उसे प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया जायेगा।
- vi. प्रश्नावली के उत्तर की पूर्णता अलग अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण है। यदि उत्तर देने वाले निर्यातक सटीक तौर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत दोनों को सिद्ध नहीं कर पाते हैं तब यह माना जा सकता है कि उत्पादक अलग अलग पाटन मार्जिन के लिए पात्र नहीं हैं। वर्तमान मामले में भी टस्कर समूह ने टस्कर कैमिकल (डॉयांग) कं. लिमि. के मौजूद होने के तथ्य को दबाया है और उसके प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं।
- vii. निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रश्नावली का उत्तर स्वीकार नहीं करना चाहिए और प्राधिकारी को अलग अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं करना चाहिए। प्राधिकारी की सु-स्थापित परम्परा के अनुरूप यह है, और जैसा कि उदाहरण के तौर पर कोरिया से प्यूरिफाइट पेट्रोलियम एसिड (पी टी ए), यू एस बी फ्लेसड्राइव, ऐथिटॉन, कास्ट एलमूनियम एलॉय व्हील्स, सोलर सैल्स, हॉट रोल्ड स्टेनलैस स्टील 304 के संबंध में जांचों में लागू किया गया था। प्रश्नावली के उत्तर की पूर्णता प्राधिकारी की एक अनिवार्य अपेक्षा और एक सु-स्थापित रिवाज है।

अन्य हितवद्ध पक्षकारों के विचार

32. अन्य हितवद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन केवल डॉंगुआंग संयंत्र में किया जाता है। डॉंगुआंग संयंत्र निर्माणाधीन है और समूह की समग्र क्षमता बढ़ाने के लिए योजना नहीं बनाई गई है, परंतु यदि चीन सरकार की पर्यावरणीय नीतियों के कारण डॉंगुआंग संयंत्र बंद किया जाता है तो डीएसडी एसिड की गारंटी आपूर्ति के लिए एक पूरक संयंत्र के रूप में है।
- ii. त्साकर द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर के अनुसार, इसकी दो उत्पादन यूनिटें हैं – एक डॉंगुआंग संयंत्र है और दूसरा डॉंगुआंग संयंत्र (निर्माणाधीन) है। उत्तर त्साकर (डॉंगुआंग) द्वारा दायर किया गया है। त्साकर कैमिकल, चांगोऊ तथा त्साकर कैमिकल टैक्रोलॉजी, बीजिंग द्वारा भी उत्तर दायर किया गया है। उनमें से कोई भी विनिर्माता नहीं है परंतु चीन में स्थानीय बाजार में सामानों की आपूर्ति करते हैं।
- iii. त्साकर ने त्साकर डॉंगिंग के संबंध में पूरी संगत सूचना दी है और उल्लेख किया है कि त्साकर कैमिकल (डॉंगिंग) कं. लि. निर्माणाधीन है। चूंकि यह संयंत्र निर्माणाधीन है, अतः कंपनी ने विनिर्माण एवं व्यापार अभी तक शुरू नहीं किया है। अतः अलग से प्रश्नावली का उत्तर दायर करने का प्रश्न ही नहीं उठता।
- iv. एनआईपी के निर्धारण पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती क्योंकि सभी संगत तथ्य सार्थक सार के बिना गोपनीय होने का दावा किया गया है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे अनुबंध-III तथा सतत परिपाटी के अनुसार एनआईपी निर्धारित करें।

प्राधिकारी द्वारा जांच**सामान्य मूल्य**

33. जांच की शुरुआत के स्तर पर, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के अनुसार कार्यवाही की। जांच की शुरुआत पर प्राधिकारी ने चीन जन. गण. में उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह दी कि वे जांच की शुरुआत की सूचना का उत्तर दें और बाजार अर्थव्यवस्था के स्तर के निर्धारण के लिए संगत सूचना उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने चीन जन. गण. सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वे चीन जन. गण. में उत्पादकों/निर्यातकों को संगत सूचना प्रदान करने की सलाह दें।
34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ज्ञात चीनी उत्पादकों/निर्यातकों तथा चीन जन. गण. सरकार को निर्धारित स्वरूप एवं तरीके में सूचना प्रस्तुत करने की आवश्यकता के संबंध में पर्याप्त रूप से अधिसूचित किया गया है और इस संबंध में उन्हें अनुरोध करने के लिए पर्याप्त अवसर भी दिया गया था। इस संबंध में, मैसर्स त्साकर ने इस तथ्य को स्वीकार करते हुए एक पत्र दायर किया कि उन्होंने एमईटी प्रश्नावली दायर नहीं की है क्योंकि उन्हें पूर्व एमटीआर जांच में बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान नहीं किया गया था। अतः वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में वे एमईटी के इस दावे के लिए दबाव नहीं डाल रहे हैं। प्राधिकारी मौजूदा नियमों और कानूनी स्थिति के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करें। किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है।
35. उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर, प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्यवाही करना उपयुक्त मानते हैं। संबद्ध सामानों के लिए सामान्य मूल्य सभी खर्चों और लाभ को शामिल करते हुए घरेलू उद्योग के अनुसार लागत आंकड़ों के आधार पर निर्मित किया गया है।

निर्यात कीमत

36. दायर उत्तरों से यह नोट किया जाता है कि त्साकर समूह में भारत में संबंधित उत्पाद के उत्पादन और निर्यात में शामिल निम्नलिखित संबद्ध कंपनियां शामिल हैं:
- त्साकर केमिकल (डोंगुआंग) कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)
 - त्साकर केमिकल (डोंगुआंग) कं. लि. (उत्पादक - निर्माणाधीन)
 - त्साकर केमिकल (चांगघोऊ) कं. लि. (व्यापारी)
 - त्साकर टैक्रोलॉजी (वींग) कं. लि.
37. उपर्युक्त सभी ने त्साकर केमिकल (डोंगुआंग) कं. लि., जो कि निर्माणाधीन है, को छोड़कर अलग प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं।

पाटन मार्जिन का निर्धारण

38. निर्मित सामान्य मूल्य और निवल निर्यात कीमत के आधार पर, प्रत्येक सहयोगी उत्पादक के लिए भारित औसत आधार पर पाटन मार्जिन निम्नलिखित रूप में निर्धारित किया जाता है:

विवरण	यूओएम	राशि
निर्मित सामान्य मूल्य	रु./मी. टन	***
	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***
निवल निर्यात कीमत	रु./मी. टन	***
	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***
पाटन मार्जिन	रु./मी. टन	***
	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***

विवरण	यूओएम	राशि
पाटन मार्जिन	%	***
	रेंज	5-10

क्षति का निर्धारण एवं कारणात्मक संपर्क

घरेलू उद्योग के विचार

39. घरेलू उद्योग की ओर से निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद, चीन के निर्यातक पाटित कीमतों पर भारत में निरंतर निर्यात करते रहे हैं। इस प्रकार, यह पूरी संभावना है कि इस शुल्क के अभाव में भारत में संबद्ध सामानों का पाटन जारी रहेगा।
- याचिकाकर्ता ने पिछले 10 वर्षों के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन निर्धारित किया है। कच्ची सामग्री में परिवर्तनों के कारण लागतों और कीमतों में काफी अंतरों के मद्देनजर, एक याचिकाकर्ता ने ये मार्जिन मासिक औसतों के आधार पर निर्धारित किए हैं। याचिकाकर्ता ने मासिक सीएनवी और एनआईपी निर्धारित करने के लिए यह दृष्टिकोण अपनाया है, जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाया जाता है। जहां भी और जब भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मासिक तुलना की है। यह देखा जाएगा कि 120 माह में से, जिसके लिए याचिकाकर्ता ने परिकलन किए हैं, पाटन मार्जिन 102 महीनों में सकारात्मक था और क्षति मार्जिन 89 महीनों में सकारात्मक था।
- यह स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि चीनी उत्पादक प्रायः अनुचित कीमतों पर निर्यात करते रहे हैं, परंतु कार्यान्वितिक रूप से उत्पाद का निर्यात किया है और कभी-कभी काफी अधिक कीमतों पर सजग रूप से निर्यात किया है।
- विगत में भी इस जानकारी के बावजूद कि आयात अग्रिम लाइसेंस के तहत किए जा रहे हैं (जहां उपभोक्ता केवल चीनी उत्पादकों से ही सामग्री लेगा), निर्यातक ने अनुचित कीमतें लगाई हैं। यह नोट करना भी व्यावहारिक है कि पाटन मार्जिन 2016-17 तक काफी बढ़ा, परंतु निर्यात कीमत में काफी वृद्धि के साथ उसमें गिरावट आई। यह तथ्य कीमतों में छेड़छाड़ का प्रयास भी सिद्ध करता है।
- यदि पाटन मार्जिन का वांछित प्रभाव होता तो घरेलू उद्योग की स्थिति पाटनरोधी शुल्क लागू रहने की अवधि के दौरान सुधरने की उम्मीद है। तथापि, इसका अर्थ यह नहीं है कि क्षति के बार-बार होने की कोई संभावना नहीं है। अतः यह मूल्यांकन कि क्या क्षति जारी रहेगी अथवा बार-बार होगी, भावी घटनाओं के वास्तविक विश्लेषण के प्रति पाटित आयातों, कीमतों और घरेलू उद्योग पर प्रभाव के अनुमानित स्तरों के आधार पर बनी रहेगी।
- यद्यपि, वर्तमान में घरेलू उद्योग को एक ओर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण क्षति नहीं हो रही है और दूसरी ओर त्साकर द्वारा रखी जा रही वर्तमान कीमतों के कारण क्षति नहीं हो रही है, निर्यातक के विगत व्यवहार पर विचार करते हुए याचिकाकर्ता को पूरा विश्वास है कि त्साकर इतने अनुपयुक्त कम स्तर तक कीमतें कम करेगा कि याचिकाकर्ता को काफी वित्तीय हानियां हों। यह एक अनुमान नहीं है बल्कि कीमतों की विगत प्रवृत्ति से सिद्ध वास्तविकता है।
- याचिकाकर्ता द्वारा दावा किए गए आयात डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के आधार पर हैं और उन्हें बढ़ाया नहीं जा सकता। याचिकाकर्ता ने क्षति का दावा नहीं किया है।
- जहां तक डीएसडीए के प्रचालनों का संबंध है, वे इस स्थान पर डीएनएल के आय विवरण द्वारा शासित होते हैं। याचिकाकर्ता केवल हैदराबाद स्थान में डीएसडीए का यथातथ्यतः उत्पादन करता है। चूंकि, डीएसडीए स्थान के लिए लेखाओं की अलग से लेखापरीक्षा की जाती है, अतः वह अकेले डीएसडीए स्थान के वित्तीय निष्पादन को तैयार रूप में दर्शाता है।
- त्साकर द्वारा निर्यात बाजार में गिरावट बिक्री लागत में गिरावट के अनुपात के भारी विपरीत हैं। परिणामस्वरूप, यहां तक कि याचिकाकर्ता को कीमत उत्पादन लागत में कमी के अनुपात के विपरीत कम करने के लिए मजबूर किया गया है। लागत और आयात कीमत में गिरावट के बीच कोई सह संबंध नहीं है और आयात कीमतें लागत में गिरावट से कहीं अधिक गिरी हैं।
- यह इस कारण है कि त्साकर का घरेलू उद्योग की कीमतों पर नियंत्रण है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें लागत के अनुसार निर्धारित नहीं की जाती हैं, बल्कि कीमत प्रवृत्ति के परिदृश्य के अनुसार निर्धारित की जाती हैं जिस पर मुख्य रूप से त्साकर का नियंत्रण है क्योंकि वह विश्व के डीएसडीए बाजार में प्रभावी व्यापारी है।

- xi. उत्पादन लागत और आयात कीमत की तुलना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि आयात कीमतें उत्पादन लागत में वृद्धि अथवा कमी के अनुरूप नहीं चली हैं। चूंकि त्साकर 2018 में होने वाली निर्णायक समीक्षा से पूर्णतः अवगत था, अतः निर्यातक ने वर्तमान जांच को प्रभावित करने के लिए अपनी कीमतें बनाई। यह निर्णायक समीक्षा जांच को प्रभावित करने और पाटनरोधी शुल्क को वापस करने की मांग करने के लिए चीनी निर्यातकों द्वारा की गई अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई है।
- xii. जिस तरह से चीनी उत्पादकों ने अपनी कीमतों में संशोधन किया है और मूल कच्ची सामग्री को ध्यान में रखे बिना कीमतों में काफी वृद्धि तथा गिरावट का सहारा लिया है, यह सिद्ध है कि जांच की अवधि में भारित औसत आयात कीमत पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने की स्थिति में निर्यातकों के संभावित व्यवहार का निष्कर्ष निकालने के लिए अत्यधिक भ्रामक है।
- xiii. जांच की अवधि के अंतर्गत कीमतों की स्थिति स्पष्ट रूप से उस तरीके की संकेतक है जिसमें चीनी उत्पादक कीमतें बढ़ा और घटा सकते हैं। यदि कीमतें भारतीय रुपए 315 (नवंबर, 2014) से 202 (अप्रैल, 2015); 160 (जून, 2017) से 208 (जुलाई, 2017) और 241 (दिसंबर, 2017) तक घटाई और बढ़ाई जा सकती हैं तो यह मानना उचित नहीं होगा कि चीनी उत्पादक इन कीमतों पर निर्यात कर रहे हैं और निर्यात करने की संभावना है जो कि जांच की अवधि की समाप्ति के दौरान विद्यमान थी।
- xiv. घरेलू उद्योग ने वर्तमान जांच में क्षति का दावा नहीं किया है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क बंद करने से पाटन एवं क्षति की संभावना होगी।
- xv. घरेलू उद्योग मामूली लाभ अर्जित कर रहा है और अत्यधिक लाभ कमाने वाला नहीं है। निवेश पर आय कंपनी की निवल अचल परिसंपत्ति पर परिकलित की जाती है जो कि अत्यधिक मूल्यहास वाली है। संयंत्र पुराना है। याचिकाकर्ता ने सकल अचल परिसंपत्तियों पर निवेश पर आय निकाली है और यह देखा जाएगा कि जीएफए पर आरओआई 22 प्रतिशत से कम है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

40. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. घरेलू उद्योग ने क्षति का दावा नहीं किया है, फिर भी उनका निष्पादन यह दर्शाएगा कि घरेलू उद्योग किसी संभावित क्षति के लिए सुभेद्य नहीं है।
- ii. जांच की अवधि में आयातों में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग ने दावा किया कि चीन की उस अवधि में अतिरिक्त क्षमता था, यदि यह आयातों की स्थिति होती तो बढ़ सकती थी।
- iii. आयात कीमत में गिरावट लागत में गिरावट के अनुरूप है। ये आयात कीमतें घरेलू उद्योग को किसी क्षतिकारक प्रभाव की नहीं थीं जो कि इस तथ्य में सिद्ध है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन जांच की अवधि में सुदृढ़ था।
- iv. चीन जन. गण. का बाजार हिस्सा 36.23 प्रतिशत से थोड़ा सा बढ़कर 37.73 प्रतिशत ही हुआ। तथापि, घरेलू उद्योग का हिस्सा 100 अंक से घटकर 89 अंक तक उनके कैप्टिव प्रयोगों में काफी गिरावट के कारण हुआ न कि आयातों के कारण। वस्तुतः अन्य कंपनियों का हिस्सा इस अवधि में 100 अंक से काफी बढ़कर 197 अंक तक बढ़ गया जो यह बताता है कि आयातों से भारतीय कंपनियों की बिक्री प्रभावित नहीं हो रही।
- v. डीएनएल ने भी जांच की अवधि के दौरान आयात किए और डीएनएल पीएनटी मुद्दों के कारण काफी आपूर्ति नहीं कर पाया जिस पर भी आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के मद्देनजर विचार किए जाने की आवश्यकता है।
- vi. घरेलू उद्योग द्वारा कैप्टिव खपत में गिरावट की विस्तार से जांच किए जाने की आवश्यकता है। हमारी सूचना के अनुसार डीएनएल ओबीए की काफी मात्रा का उत्पादन कर रहा था जिसमें डीएएसडीए का प्रयोग किया जाता है। उस स्थिति में जांच की अवधि में कैप्टिव खपत 100 अंक से घटकर 13 अंक तक हो जाने की स्थिति की जांच किए जाने की आवश्यकता है। हम प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वे ओबीए के उत्पादन और डीएनएल के कच्ची सामग्री के स्रोत के व्यौरों की जांच डीएनएल द्वारा डीएएसडीए के प्रयोग की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए करें। इस प्रकार वास्तविक रूप में घरेलू उद्योग को कोई बाजार की हानि नहीं हुई।
- vii. याचिकाकर्ता की क्षमता पूरी क्षति अवधि के दौरान समान रही। तथापि, 2016-17 और जांच की अवधि में उत्पादन में गिरावट आई। इसे इस तथ्य के मद्देनजर देखे जाने की आवश्यकता है कि डीएनएल का संयंत्र पीसीबी आदेश के कारण कुछ समय के लिए 2016-17 में बंद था। डीएनएल के सामने भी जांच की अवधि के

- दौरान कच्ची सामग्री के मुद्दे (पीएनटी) थे जो डीएनएल के पत्र से सिद्ध है जिसमें कंपनी ने प्रयोक्ताओं से कहा है कि सामग्री की आपूर्ति करने में डीएनएल की असमर्थता पर विचार करते हुए आदेशों को पहले ही बंद करें।
- viii. डीएएसडीए के कैप्टिव प्रयोग में काफी गिरावट डीएनएल द्वारा प्रस्तुत डीएएसडीए से संबंधित क्षति के आंकड़ों पर काफी संदेह उत्पन्न करती है। यदि गिरावट सही है, जैसा कि डीएनएल ओबीए बेचने में समर्थ नहीं था तो ये मुद्दे डीएएसडीए के आयातों के कारण नहीं हो सकते। डीएनएल अब भी डीएएसडीए की बिक्री कर रहा है और ओबीए मार्केट पर नियंत्रण करने के लिए एक उपाय के रूप में डीएएसडीए पर पाटनरोधी शुल्क तथा ऐसी स्थिति में डीएएसडीए के कैप्टिव प्रयोग में गिरावट की गहन जांच की आवश्यकता है।
- ix. जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों की जांच करने पर यह देखा जाएगा कि केवल आयात कीमतों में ही नहीं बल्कि घरेलू उद्योग की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। अप्रैल-जून, 2018 की तिमाही तक जांच की अवधि के बाद की प्रवृत्ति, उसके बाद के महीनों में डीएनएल और चीन जन. गण. से निर्यातक में भी दोनों में कीमत में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- x. त्साकर अत्यधिक लाभ मार्जिन पर प्रचालन कर रहा है और यह नहीं कहा जा सकता कि वे कम कीमतों पर भारत को उत्पाद निर्यात करने के दबाव में हैं।
- xi. याचिकाकर्ता कुछ आर्थिक मानदंडों का मूल्यांकन करने में विफल रहा है। यूनिट कीमत, कुललागत, निवेश, रोजगार और स्टॉक के लिए सूचकांक स्पष्ट रूप से नहीं दिए गए हैं और उनका विश्लेषण नहीं किया गया है।
- xii. आयात मात्रा में वृद्धि से पाटन नहीं हो रहा है परंतु निचले उद्योगों में वृद्धि के कारण भारतीय बाजार की मांग में वृद्धि हो रही है।
- xiii. घरेलू उद्योग की बिक्री समान रही है तथापि अन्य भारतीय उत्पादकों का हिस्सा मांग में वृद्धि के कारण बढ़ा है।
- xiv. बिक्री लागत और बिक्री कीमत के बीच कोई सह संबंध नहीं है।
- xv. डीएएसडीए की कीमतें कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों से बंधी हुई हैं और इसीलिए जांच की अवधि की समाप्ति के दौरान नई ऊंचाईयों पर पहुँची हैं। यह जांच की अवधि के बाद और बढ़ेगी।
- xvi. कीमत कटौती भी सबसे महत्वपूर्ण कारक में से एक है। तथापि, एक मात्र कारक नहीं है। इसे घरेलू उद्योग के अन्य मानदंडों और निष्पादन के साथ देखा जाना है। 2014-15 और 2015-16 में कीमत कटौती नकारात्मक थी और 2016-17 तथा जांच की अवधि के दौरान केवल 1-20 प्रतिशत थी। सकारात्मक कीमत कटौती के बावजूद घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है।
- xvii. यह आधारहीन है कि त्साकर विश्व कीमतों को प्रभावित कर रहा है। त्साकर उच्च स्तरों पर बाजार में अपनी प्रभावी स्थिति का प्रयोग कर रहा है और डीएनएल उससे प्रभावित नहीं है। एक मात्र उत्पादक होने के नाते त्साकर अपनी कीमतें विश्व भर में बढ़ा रहा है जो दी गई जांच की अवधि के बाद की आयात कीमतों में दर्शाया जा सकता है। चीन जन. गण. में संयंत्र के बंद होने के कारण ये कीमतें और बढ़ेंगी।
- xviii. त्साकर चीन जन. गण. में एक मात्र उत्पादक होने के नाते कीमतें बढ़ाने में अपनी प्रभावी स्थिति का प्रयोग करेगा और डीएनएल उच्च कीमतों से प्रभावित नहीं होगा। डीएनएल केवल प्रमुख कच्ची सामग्री डीएएसडीए की आपूर्ति पर नियंत्रण करके भारत में ओबीए बाजार में एकाधिकार बनाने के लिए शुल्क बढ़ाना चाहता है।
- xix. यह विवरण कि त्साकर विचाराधीन उत्पाद की कीमतों को नियंत्रित कर रहा है, आधारहीन है। यदि त्साकर कीमतों पर नियंत्रण कर रहा होता तो डीएनएल ने आवधिक रूप से कीमतें न बढ़ाई होतीं और जांच की अवधि के दौरान क्षति न होते हुए लाभ अर्जित किया होता।
- xx. इसका कोई वास्तविक स्पष्टीकरण नहीं है कि त्साकर डीएएसडीए की मात्रा और कीमतें कैसे बना रहा है। वस्तुतः डीएनएल डीएएसडीए पर पाटनरोधी शुल्क का दुरुपयोग करके ओबीए की कीमतें बना रहा है।
- xxi. जैसा कि स्वीकार किया गया है, डीएनएल पहले ही मामूली लाभ अर्जित कर रहा है और चीन जन. गण. में संयंत्र बंद होने के कारण कीमतें उच्चतर स्तर तक बढ़ रही हैं। कोई भी पाटनरोधी शुल्क लगाने से डीएनएल अत्यधिक लाभ कमाएगा जो कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य नहीं है। उद्देश्य पाटन और क्षति को सही करना है जो कि अब समाप्त हो गई है। ऐसी कोई संभावना नहीं है क्योंकि कीमतें केवल बढ़ेंगी ही।
- xxii. डीएनएल का यह विवरण कि शुल्क के अभाव में वर्तमान क्षति की कमी संभावित स्थिति का संकेतक नहीं है, सही नहीं है। इस स्थिति को चीन जन. गण. ने एक को छोड़कर डीएएसडीए संयंत्रों की बंदी के कारण काफी कीमत वृद्धि के संदर्भ में देखे जाने की आवश्यकता है। बढ़ती हुई मांग से बाजार में सीमित आपूर्ति के कारण कीमतें केवल बढ़ेंगी ही।

- xxiii. डीएनएल यह उल्लेख करता है कि पूर्व मामले से आयात कीमतें बढ़ी हैं। मांग-आपूर्ति अंतराल के कारण आयातों में वृद्धि हुई है। डीएनएल उचित तरीके से सामग्री की बिक्री नहीं करता।
- xxiv. डीएनएल ने खुद ही पीएनटी मुद्दों के कारण आपूर्ति में अपनी असमर्थता की वजह से आदेश पहले ही बंद करने के लिए प्रयोक्ताओं से कहा जो कि बार-बार होने वाली घटना है।
- xxv. आयात कीमतें और डीएनएल की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है जो डीएसडीए के कीमत परिदृश्य में एक विशेष परिवर्तन दर्शाते हैं।
- xxvi. यह तर्क कि भारत को पाटन का लक्ष्य चुना जाएगा, आधारहीन है। उत्पाद के लिए विश्व मांग बढ़ रही है और त्साकर चीन में एक मात्र उत्पादक है, अतः वह कीमतें बढ़ाएगा।
- xxvii. यह दावा कि त्साकर ने कच्ची सामग्री की कीमतों के साथ कीमतें नहीं बढ़ाई, आधारहीन है। जैसा कि त्साकर द्वारा उल्लेख किया गया है, उसने ऊंचे स्तर के लिए कच्ची सामग्री का उत्पादन किया है और इसीलिए डीएसडीए की कीमतें स्थिर की हैं।
- xxviii. यह दावा कि डीएनएल आयातों और कीमत संवेदनशीलता के लिए सुभेद्य है, असत्य है क्योंकि डीएनएल स्वयं ही प्रभावी तरीके से कीमतों पर नियंत्रण करता है। उनका ओबीए स्तर तक एकीकृत उत्पादन है और इसीलिए नियंत्रण कीमतें लाभ देती हैं। डीएनएल सुभेद्य नहीं है और चीन से विचाराधीन उत्पाद का आयात करता है।
- xxix. घरेलू उद्योग स्वीकार करता है कि उसे क्षति नहीं हुई है और मामला पूर्णतः क्षति की संभावना के संबंध में है।
- xxx. आयातों में हाल ही में और पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है। यह गिरावट उस समय होती है जब घरेलू उद्योग चीन में अत्यधिक क्षमताओं का दावा करता है।
- xxxi. आयात कीमतों में गिरावट के अनुरूप है न कि अन्यथा जो इस तथ्य से सिद्ध है कि घरेलू उद्योग की लागत भी जांच की अवधि में कम हुई है। इस प्रकार, कीमत में कमी लागत से संचालित हुई। ये आयात कीमतें घरेलू उद्योग को कोई क्षतिकारक प्रभाव की नहीं थीं जो कि इस तथ्य से सिद्ध है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन सुदृढ़ था।
- xxxii. चीन का हिस्सा केवल 36.23 प्रतिशत से बढ़कर 37.73 प्रतिशत हुआ, तथापि, घरेलू उद्योग का हिस्सा 100 अंक से घटकर 80 अंक हो गया जो कैप्टिव बिक्री में गिरावट के कारण था। अन्य उत्पादकों का हिस्सा 100 से बढ़कर 197 अंक तक हो गया जो यह दर्शाता है कि आयातों से भारतीय कंपनियों की बिक्री प्रभावित नहीं हुई।
- xxxiii. कैप्टिव बिक्री में गिरावट की जांच किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि डीएनएल का ओबीए उत्पादन बढ़ा है। ओबीए के उत्पादन और कच्ची सामग्री के स्रोत के व्यौरों का प्राधिकारी द्वारा मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है।
- xxxiv. डीएनएल की क्षमता निरंतर समान रही है, तथापि उत्पादन कच्ची सामग्री की कमी के कारण कम हुआ, जैसा कि डीएनएल द्वारा दिए गए पत्र से स्पष्ट है। यह संयंत्र एक अवधि के लिए किसी भी आदेश के कारण बंद था। यह उत्पादन और बिक्री में गिरावट का वास्तविक कारण है न कि आयात।
- xxxv. रोजगार बढ़ा है और उत्पादन कम हुआ है जो उत्पादक की अर्थक्षमता दर्शाता है और शुल्क जारी रखने से ठीक नहीं हो सकता।
- xxxvi. लाभप्रदता बढ़ी है और कोई भी हानियां आयातों के कारण नहीं पाई जा सकती क्योंकि संयंत्र बंद थे। आयात कीमतें घरेलू उद्योग द्वारा दी गई कीमतों के तुलनीय थीं, अतः कुछ भी छिपाया नहीं गया है।
- xxxvii. डीएनएल ने 2016-17, जब संयंत्र किसी भी आदेश के कारण बंद था, को छोड़कर पूरी क्षति अवधि के दौरान लाभ कमाया। कम मार्जिन को कैप्टिव खपत और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों में गिरावट के आलोक में देखा जाना चाहिए जो एक स्वप्रभावित क्षति है। इस प्रकार, कम मार्जिन कोई क्षति नहीं दर्शाता। याचिका में प्रस्तुत किए गए आंकड़े कोई कीमत कटौती अथवा कम कीमत पर बिक्री का काफी स्तर नहीं दर्शाते। यहां उत्तरदाता आयातकों की औसत कीमत के आधार पर कीमत कटौती/कम कीमत पर बिक्री भी नकारात्मक होगी।
- xxxviii. विश्लेषण दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को अब क्षति नहीं हो रही है और यह कि स्थिति में भारी परिवर्तन आ गए हैं। घरेलू उद्योग शुल्क बंद किए जाने पर किसी क्षति के लिए सुभेद्य नहीं है। घरेलू उद्योग के निष्पादन के लिए किसी भी आदेश पीएनटी बाधाएं, कैप्टिव प्रयोग में गिरावट, डीएनएल द्वारा आयात जैसे कुछ कारक उत्तरदायी हैं और भविष्य में इन स्थितियों के बार-बार होने को नकारा नहीं जा सकता। यह दर्शाता है कि आयातों और क्षति के बीच कोई कारणत्मक संपर्क नहीं था जो यह भी दर्शाता है कि शुल्क बंद किए जाने की स्थिति में क्षति की कोई संभावना नहीं है।

- xxxix. यह विवरण कि भारतीय और वैश्विक बाजार में त्साकर का कीमतों पर नियंत्रण है, असत्य है क्योंकि त्साकर ने डीएएसडीए की निर्यात कीमत में कोई फेरबदल नहीं किया है। डीएएसडीए की कीमतें कच्ची सामग्री की कीमत पर निर्भर करती हैं और उनमें कच्ची सामग्री की कीमतों के अनुसार ही उतार-चढ़ाव आया था।
- xl. 2017-18 में डीएनएल की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी काफी लाभ अर्जित कर रही है। तथापि, याचिका में यह उल्लेख किया गया है कि केवल मामूली लाभ अर्जित किए जाते हैं। साथ ही, निवेश पर आय निवल अचल परिसंपत्तियों पर निकाली जानी है न कि सकल अचल परिसंपत्तियों पर।
- xli. क्षमता समान रही है, तथापि, संयंत्र उत्पादन उपयोग बढ़ा है। विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन कम हुआ है क्योंकि याचिकाकर्ता गैर-विचाराधीन उत्पाद पर अधिक जोर दे रहा है जो कि 2014 में 100 से बढ़कर जांच की अवधि में 522 हो गया है।
- xlii. याचिकाकर्ता की बिक्री मात्रा बढ़ी है। दो भागों में बांटने की आवश्यकता नहीं है। तथापि, याचिकाकर्ता की कैप्टिव बिक्री और निर्यात में भारी गिरावट आई है जो क्षति का कारण हो सकती है।
- xliii. याचिकाकर्ता की बिक्री मात्रा बढ़ी है। दो भागों में बांटने की आवश्यकता नहीं है। तथापि, याचिकाकर्ता की कैप्टिव बिक्री और निर्यात में भारी गिरावट आई है जो क्षति का कारण हो सकती है।
- xliv. औसत स्टॉक को अलग से नहीं देखा जाना चाहिए। इसका कोई अर्थ नहीं है जब तक कि उत्पादन और बिक्री के संबंध में न देखा जाए।
- xlvi. याचिकाकर्ताओं की लाभप्रदता आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान काफी बढ़ी है। कुल पीवीटी, पीवीआईटी और नकद लाभ में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान समग्र रूप से सुधार हुआ है और इसीलिए आयातों के कारण याचिकाकर्ता को क्षति नहीं हो रही है।
- xlvi. जांच की अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है।
- xlvii. घरेलू उद्योग के समग्र निष्पादन में सुधार हुआ है। उत्पादकता के अलावा सभी कारकों में सुधार हो रहा है, उत्पादकता लगभग समान है और बाजार हिस्सा, जो कैप्टिव खपत में गिरावट के कारण कम हुआ है और अन्य उत्पादकों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है।
- xlviii. कोई भी क्षति अन्य कारकों के कारण हुई है। महानिदेशक को उन अन्य कारकों की जांच करनी चाहिए जो क्षति का कारण हो सकते हैं। इस विश्लेषण को कारणात्मक संपर्क स्थापित करने के लिए लिया जाना चाहिए। इस प्रकार, केवल आयातों के कारण क्षति नहीं मानी जा सकती।

प्राधिकारी द्वारा जांच

41. प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का निम्नलिखित रूप में समाधान करता है।
42. अनुबंध-11 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ... "ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"
43. डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-11 में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती।

44. सीमा प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार, पाटनरोधी शुल्क, जब तक उसे पूर्व में समाप्त न किया गया हो, इस प्रकार से लगाए जाने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा। बशर्ते यदि किसी समीक्षा में केन्द्र सरकार का यह मत हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह समय-समय पर इस प्रकार से लगाए गए शुल्क की अवधि को आगे और 5 वर्ष के लिए बढ़ा सकती है और आगे की ऐसी अवधि इस प्रकार के समय विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी।
45. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II(IV) के अनुसार, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा तथा पाटन मार्जिन आदि जैसे घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले ऐसे तथ्यों पर विचार किया है।
46. इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए विभिन्न अनुरोधों पर विचार करने पर, प्राधिकारी संबद्ध देश से आयातों के कारण पाटन एवं क्षति के संभावित पहलुओं की जांच करने के लिए कार्यवाही करने से पूर्व घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति, यदि कोई है, की जांच करने की कार्यवाही करते हैं।

i. मांग का मूल्यांकन/स्पष्ट खपत

47. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए सभी स्रोतों से भारतीय उत्पादों एवं आयातों की घरेलू बिक्री की मात्रा के रूप में भारत में उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को परिभाषित किया है। इस प्रकार निर्धारित की गई मांग नीचे तालिका में दी गई है:

मांग	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
कैप्टिव सहित घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
चीन जन. गण. - संबद्ध देश से आयात	मी. टन	***	***	***	***
अन्य देशों से आयात	मी. टन	***	***	***	***
कुल मांग	मी. टन	***	***	***	***

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों के लिए मांग 2016-17 तक बढ़ी है और फिर जांच की अवधि में थोड़ी सी गिरावट आई है।

ii. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा

49. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में अथवा पूर्ण दृष्टि से पाटित आयातों में काफी वृद्धि हुई है। आयात मात्रा और बाजार हिस्से के संबंध में, वास्तविक स्थिति निम्नलिखित तालिका में संक्षेप में दी गई है:

विवरण	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
आयात मात्रा					
चीन जन. गण. - संबद्ध देश	मी. टन	3,998	4,674	5,324	4,675
अन्य देश	मी. टन	7	-	-	-

विवरण	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
कुल आयात	मी. टन	4,004	4,674	5,324	4,675
आयातों में बाजार हिस्सा					
चीन जन. गण. - संबद्ध देश	%	99.84	100	100	100
अन्य देश	%	0.16	-	-	-
के संबंध में संबद्ध देशों से आयात					
भारतीय उत्पादन	%	56	57	74	62
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	131	109
भारतीय खपत	%	48	45	48	43
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92	100	90

50. उपर्युक्त तालिका के आधार पर प्राधिकारी निम्नलिखित नोट करते हैं:

- संबद्ध देश से आयातों में लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद 2016-17 तक वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि पूर्व वर्ष से जांच की अवधि में संबद्ध देश से आयात में गिरावट आई है।
- संबद्ध देश का आयातों में 100 प्रतिशत बाजार हिस्सा है।
- खपत के संबंध में आयातों में 2015-16 में गिरावट आई है और 2016-17 में वृद्धि हुई है, उसके बाद जांच की अवधि में उसमें गिरावट आई है।

iv. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

(क) कीमत कटौती

51. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत के साथ तुलना करने पर पाटित आयातों से काफी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव काफी मात्रा तक कीमतों का न्यूनीकरण करने अथवा कीमत वृद्धि रोकने के लिए अन्यथा है, जो अन्यथा काफी मात्रा तक हुई होती। इस संबंध में, उत्पाद के पहुँच मूल्य तथा व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूटों तथा करों के निवल घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई है। प्राधिकारी ने संबद्ध सामानों के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ आयातों की पहुँच कीमत की तुलना की है।

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
आयातों की पहुँच कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	74	63	80
निवल बिक्री वसूली	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	78	73	88
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	0	103	46

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	रेंज	नकारात्मक	0-10	0-10	0-10

52. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से कम है। संबद्ध देश से आयातों के कारण 2015-16 से जांच की अवधि तक घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों कटौती हो रही है। तथापि, 2014-15 अर्थात् आधार वर्ष के दौरान कोई कटौती नहीं है।

(ख) कीमत न्यूनीकरण/ह्रास

53. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का न्यूनीकरण अथवा ह्रास कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव काफी मात्रा तक कीमतों का न्यूनीकरण करने अथवा कीमत वृद्धि रोकने के लिए है, जो अन्यथा काफी मात्रा तक हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया। यह स्थिति निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है:

विवरण	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	87	92
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	78	73	88
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	74	63	80

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयात कीमत क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री लागत से कम है। यह नोट किया जाता है कि बिक्री लागत और बिक्री कीमत में 2016-17 तक गिरावट आई है। बिक्री कीमत में गिरावट बिक्री लागत में गिरावट से अधिक है। अतः घरेलू कीमत का ह्रास कर रहे हैं। जांच की अवधि में बिक्री लागत और बिक्री कीमत, दोनों में पूर्व वर्ष से वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि आयात कीमत का घरेलू कीमत पर न्यूनीकरण एवं ह्रासमान, दोनों प्रभाव हैं।

v. घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मानदंड

55. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में उन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमावली में यह भी उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।
56. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मानदंडों पर निम्नलिखित रूप में विश्लेषण किया जाता है:

(क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

57. घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग निम्नलिखित रूप में रहा:

विवरण	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
संस्थापित क्षमता – संयंत्र	मी. टन	6,600	6,600	6,600	6,600
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन संयंत्र	मी. टन	6,687	7,126	6,378	7,131
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	95	107
विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन	मी. टन	6,545	6,981	5,994	6,389
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	92	98
गैर-विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन	मी. टन	142	145	384	742
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	271	522
क्षमता उपयोग	%	101	108	97	108
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	95	107

58. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता डीएएसडीए (कैप्टिव खपत) और डीएनएसडीए (गैर-विचाराधीन उत्पाद) से भी ओबीए का उत्पादन कर रहा है। कंपनी ने डीएनएसडीए का प्रयोग बढ़ाया है और परिणामस्वरूप आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में ओबीए के उत्पादन के लिए डीएएसडीए का कम प्रयोग घटाया है। डीएएसडीए के संयंत्र उत्पादन और क्षमता उपयोग में ओबीए का उत्पादन करने के लिए डीएएसडीए की गिरती हुई खपत के परिणामस्वरूप गिरावट नहीं आई है।

59. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता पूरी क्षति अवधि में समान रही है, यद्यपि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में मांग में काफी वृद्धि हुई है। विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन पूर्व वर्ष से जांच की अवधि में बढ़ा है, तथापि आधार वर्ष से कम हुआ है। जांच की अवधि में आधार वर्ष से तथा पूर्व वर्ष से क्षमता उपयोग बढ़ा है।

(ख) मांग में बाजार हिस्सा

60. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा निम्नलिखित रहा:

मांग में बाजार हिस्सा	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
कैप्टिव सहित घरेलू उद्योग की बिक्री	%	44.92%	43.84%	40.97%	45.52%
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	6.65%	11.47%	10.86%	11.13%
चीन जन. गण. से आयात	%	48.35%	44.69%	48.18%	43.36%
अन्य देश से आयात	%	0.08%	0.00%	0.00%	0.00%
कुल मांग	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

61. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में थोड़ी सी वृद्धि हुई है। अन्य भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में आधार वर्ष से जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।

(ग) लाभप्रदता, निवेश पूंजी पर आय और नकद लाभ

62. लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नलिखित है:

विवरण	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	87	92
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	78	73	88
लाभ/(हानि)	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	19	(11)	61
लाभ/(हानि)	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	24	(16)	98
पीबीआईटी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	29	(9)	102
नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	31	(3)	110
पूंजीगत निवेश पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	26	(7)	65

63. चूंकि, कंपनी का उत्पादन 2015-16 में 28 दिनों के लिए लंबित था, अतः प्राधिकारी ने संयंत्र की बंदी के कारण वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए लागत और आय में समायोजन किए हैं। इन समायोजनों के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लाभ में आधार वर्ष से जांच की अवधि में गिरावट आई है। पीबीआईटी, निवेश पर आय और नकद लाभ में भी वही प्रवृत्ति रही है जहां 2015-16 में प्रवृत्ति में गिरावट थी और वह 2016-17 में नकारात्मक थी तथा जांच की अवधि में उसमें वृद्धि हुई। तथापि, जांच की अवधि में लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय आधार वर्ष से कम थी।

(घ) मालसूची

64. घरेलू उद्योग की मालसूची निम्नलिखितानुसार है:

विवरण	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	97	56

65. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग में मालसूची में क्षति की अवधि में गिरावट आई है।

(ङ) रोजगार और उत्पादकता

66. रोजगार, उत्पादकता और वेतन के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार है:

विवरण	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	पीओआई
उत्पादकता प्रति दिन	एमटी / दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	92	98
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	102	101

67. उपरोक्त के आधार पर, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की अवधि के दौरान रोजगार और उत्पादकता का स्तर लगभग स्थिर रहा है।

च) पाटन का मात्रा

68. पाटन की मात्रा इस बात का सूचक है कि पाटित किए गए आयात घरेलू उद्योग को किस सीमा तक क्षति पहुंचा सकते हैं। विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देश के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन सकारात्मक है।

छ) पूंजीगत निवेश को बढ़ाने की क्षमता

69. घरेलू उद्योग द्वारा कोई सत्यापित जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है और न ही ऐसी कोई जानकारी रिकॉर्ड पर उपलब्ध है जिससे इस बात का संकेत मिल सके कि संबद्ध देश से पाटित किए गए आयात की उपस्थिति से क्षेत्र में भावी निवेश को क्षति हो सकती है।

क्षति और क्षति मार्जिन की मात्रा

70. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध III के अनुसार प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना पीओआई के दौरान क्षति के मार्जिन के निर्धारण के लिए संबंधित देश से निर्यात के पहुंच मूल्य के साथ की गई है और इस प्रकार आकलित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:

विवरण	रुपये / मीट्रिक टन	\$ / मीट्रिक टन
क्षतिरहित कीमत	***	***
पहुंच मूल्य	***	***
क्षति मार्जिन	***	***
क्षति मार्जिन %	***	***
	नकारात्मक	नकारात्मक

यह नोट किया जाता है कि वर्तमान मामले में क्षति मार्जिन नकारात्मक है।

पाटन और क्षति की निरंतरता और पुनरावृत्ति की संभावना

71. प्राधिकारी ने देखा कि यह एक निर्णायक समीक्षा जांच है और इस जांच का मुख्य ध्यान केंद्र निरंतर पाटन और परिणामस्वरूप क्षति की संभावना की जांच करना है यदि वर्तमान क्षति न होने की स्थिति में पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त करने की अनुमति दी जाती है।

घरेलू उद्योग के विचार:

72. घरेलू उद्योग द्वारा पाटन की निरंतरता और क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना के संबंध में निम्नलिखित तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं –

- i. त्सेकर(कांगझोऊ) लिमिटेड चीन में डीएसडीए का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके पास डीएसडी एसिड का विश्व का सबसे बड़ा उत्पादन बेस है और वर्तमान में विश्व बाजार में इसकी **57%** हिस्सेदारी है। वर्ष **2017** में, **20000** टन परियोजना का प्रचालन किया गया जोकि आगे उद्योग में कंपनी की अग्रणी स्थिति को पुख्ता करती है।
- ii. मार्केट लीडर होने के नाते, कंपनी न केवल भारतीय बाजार में कीमतों को प्रभावित कर रही है, बल्कि चीन में और वैश्विक बाजारों में कीमतों को भी प्रभावित कर रही है। उनकी स्थिति को देखते हुए, सभी डीएसडीए उत्पादक अपने मूल्य त्सेकर की कीमतों के अनुसार तय करने पर बाध्य होते हैं।
- iii. वर्तमान मामले में त्सेकर द्वारा मूल्य में हेरफेर करना ही पाटनरोधी शुल्क लगाने को सही ठहराता है। त्सेकर ने कीमतों में इतनी अधिक मात्रा में और इतनी बार वृद्धि और कमी की है, अतः याचिकाकर्ता को यह विश्वास नहीं है कि कीमतों की वर्तमान प्रवृत्ति जारी रहेगी।
- iv. त्सेकर ग्रुप विश्व में संबद्ध वस्तुओं का सबसे बड़ा निर्माता है। कंपनी के पास पहले से ही अधिशेष क्षमता है, और इसके बावजूद, वह आगे विस्तार कर रही है। निर्यातक के पास उपलब्ध मौजूदा क्षमता **35,000** मीट्रिक टन है और इसमें **15,000** मीट्रिक टन के लिए और विस्तार किया जा रहा है जो कंपनी की कुल क्षमता को **50,000** मीट्रिक टन तक ले जाएगा, जो लगभग वैश्विक मांग के बराबर है।
- v. निर्यातक की कीमतें न केवल भारतीय बाजार को प्रभावित कर रही हैं बल्कि ये चीन और वैश्विक बाजार की कीमतों को भी प्रभावित कर रही हैं। वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के समापन से कंपनी भारत में संबद्ध वस्तुओं की कीमतों को निर्देशित करने और हावी होने में सक्षम हो जाएगी और घरेलू उद्योग को आयात के अनुसार अपनी कीमतें तय करने पर विवश होना पड़ेगा।
- vi. त्सेकर भारतीय, चीनी और वैश्विक बाजार में उत्पाद के मूल्य रुझान को नियंत्रित कर रहा है। अन्य सभी उत्पादकों को त्सेकर द्वारा प्रस्तावित कीमतों के अनुसार तय करने पर मजबूर होना पड़ता है।
- vii. त्सेकर को वर्ष **2018** होन वाली निर्णायक समीक्षा की उचित जानकारी थी, निर्यातकों ने वर्तमान जांच को प्रभावित करने के लिए अपनी कीमतों में हेरफेर किया। यह चीन के निर्यातकों द्वारा निर्णायक समीक्षा जांच को प्रभावित करने और पाटनरोधी शुल्क को हटवाने के लिए यह जानबूझकर की गई कार्रवाई है।
- viii. वर्तमान मामले में पाटन और क्षति की संभावना का निर्धारण केवल पीओआई के दौरान प्रचलित आयात मूल्य पर आधारित नहीं हो सकता है। चीन के उत्पादकों के मूल्य निर्धारण को देखते हुए भारत औसत के आधार पर निकाला गया कोई भी निष्कर्ष अत्यधिक भ्रामक होगा।
- ix. पीओआई में भारत औसत आयात मूल्य से पाटनरोधी शुल्क के समापन की स्थिति में निर्यातकों के संभावित व्यवहार का अनुमान लगाना अत्यंत भ्रामक हो सकता है। पीओआई के भीतर कीमतों की गति स्पष्ट रूप से उस ढंग की ओर संकेत करती है जिसमें चीन के उत्पादक कीमतों में वृद्धि और कमी कर सकते हैं।
- x. आयातकों/उपभोक्ताओं ने पाटनरोधी शुल्क को वापस लेने की मांग करते हुए इस आधार पर मध्यावधि समीक्षा की मांग की कि आयात की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। डीए ने आयात मूल्य में वृद्धि को देखते हुए मध्यावधि समीक्षा शुरू की।
- xi. मध्यावधि समीक्षा जांच की शुरुआत के बाद, आयात मूल्य में एक बार फिर से काफी गिरावट आई। तदनुसार, जबकि प्राधिकारी ने माना कि जांच शुरू करने के लिए पर्याप्त कारण था और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि प्राधिकारी द्वारा विचार की जा रही जांच अवधि में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन नकारात्मक था, प्राधिकारी ने इस आधार पर पाटनरोधी शुल्क को वापस लेने की सिफारिश नहीं की कि बाजार में परिवर्तन विशुद्ध रूप से अस्थायी था और स्थिति पहले से ही इस हद तक खराब हो गई थी कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन एक बार फिर से सकारात्मक थे।

- xii. पिछली जांच अवधि में और साथ ही वर्तमान अवधि में चीन जनवादी गणराज्य से आयात की मात्रा का विश्लेषण प्रदर्शित करता है कि चीन जनवादी गणराज्य से आयात की मात्रा पिछली जांचों की तुलना में बढ़ी है। कुल आयात में चीन का 100% हिस्सा है।
- xiii. संबद्ध देश में उत्पादकों के पास संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने की विशाल क्षमता है। विचाराधीन उत्पाद के लिए चीन की कुल क्षमता 65, 000 मीट्रिक टन है जो वैश्विक मांग से अधिक है। वास्तव में, निर्यातक द्वारा किए जा रहे विस्तार को शामिल करते हुए जोकि 15,000 मीट्रिक टन है, चीन की कुल क्षमता 65,000 मीट्रिक टन से अधिक है। संबद्ध वस्तुओं के लिए चीन की कुल क्षमता 80,000 मीट्रिक टन है। पर्यावरणीय कारणों से कोई भी संयंत्र बंद नहीं किए गए हैं।
- xiv. चीन में निर्माता / निर्यातकों के पास मुक्त रूप से प्रयोज्य उत्पादन क्षमता है। चीन में व्यक्तिगत प्रमुख व्यापारियों की क्षमताएं भारत में संपूर्ण घरेलू मांग से अधिक हैं। मुक्त रूप से प्रयोज्य कुल क्षमता 47,949 मीट्रिक टन है।
- xv. चीन के निर्यातक उनके पास मौजूद अधिशेषों के बावजूद अपनी क्षमता का विस्तार करने की प्रक्रिया में हैं। यह उनकी वार्षिक रिपोर्टों से स्पष्टतः स्थापित होता है।
- xvi. त्सेकर केमिकल ग्रुप की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित है कि समूह ने वर्ष **2014** के अंत तक **35,000** मीट्रिक टन की क्षमता से वर्ष **2015** के अंत तक **डीएसडी एसिड की क्षमता को 55,000 टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने की योजना** बनाई थी, जो **50%** से अधिक के विस्तार को प्रदर्शित करता है,
- xvii. समूह ने वर्ष **2016** की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेख किया कि वे पीआरसी के डोंगिंग, शेडोंग प्रांत में नए उत्पादन संयंत्र बना रहे हैं।
- xviii. घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध जानकारी और एमटीआर जांच पर विचार करते हुए, त्सेकर समूह की क्षमता का आगे **15,000** एमटी और विस्तार किया जाने वाला है जो निर्यातक की कुल क्षमता को **50,000** मीट्रिक टन कर देगा। इसका स्पष्ट अर्थ है कि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क का समापन चीनी निर्यातकों को एक मुक्त और अनुकूल बाजार स्थिति प्रदान करेगा और उन्हें उनकी कीमतों पर भारत में तेजी से निर्यात करने की अनुमति देगा।
- xix. चीन विश्व में डीएसडीए का सबसे बड़ा निर्माता है। त्सेकर केमिकल (कांगजू) लिमिटेड उद्योग का सबसे बड़ा उद्यम है। उनकी विश्व बाजार में हिस्सेदारी **53%** से अधिक है। समय के साथ चीन से निर्यात में वृद्धि हुई है और यह आगे भी बढ़ने की संभावना है।
- xx. चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों का निर्यात उन्मुखीकरण विश्व भर में बहुत अधिक है। वर्ष **2015** में, त्सेकर केमिकल्स की बिक्री का लगभग **43.8%** हिस्सा भारत, जर्मनी, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे अन्य देशों से प्राप्त हुआ था। इसके अतिरिक्त निर्यातक की वर्ष **2016** की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, चीन में त्सेकर ग्रुप के लिए भारत सबसे बड़ा राजस्व अर्जित करने वाला निर्यात बाजार है।
- xxi. निर्यातक की वार्षिक रिपोर्ट के विभिन्न उद्धरण स्पष्ट रूप से उजागर करते हैं कि त्सेकर ग्रुप भारतीय बाजार में निर्यात करने के लिए बहुत उत्सुक है। भारत सरकार द्वारा अग्रिम लाइसेंस छूट दिए जाने के कारण, पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण ने चीन के उत्पादकों को प्रभावित नहीं किया है।
- xxii. चूंकि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में ग्रुप के कारोबार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है और ग्राहकों ने पाटनरोधी शुल्क को अवशोषित कर लिया है, इसलिए पाटनरोधी शुल्क के खत्म होने से घरेलू उद्योग में तेजी से पाटन होगा और घरेलू उद्योग को परिणामस्वरूप क्षति पहुंचेगी। इसके अलावा शुल्क के संबर्द्धन की भी आवश्यकता है क्योंकि स्पष्ट रूप से वर्तमान शुल्कों ने भारत में पाटित उत्पादों के आयात को प्रभावित नहीं किया है।

- xxiii. चीन विश्व का सबसे बड़ा विनिर्माता देश है। त्सेकर केमिकल (कांगजू) लिमिटेड उद्योग का सबसे बड़ा उद्यम है। उसकी विश्व बाजार में **55%** से अधिक हिस्सेदारी है। वर्ष **2017** में, **20000** टन परियोजना को प्रचालन में लाया गया जो आगे उद्योग में कंपनी की अग्रणी स्थिति को मजबूत करता है।
- xxiv. कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अवलोकन से पता चलता है कि डीएएसडीए का वैश्विक उत्पादन वर्ष **2011** में लगभग **41.8** किलो टन से बढ़कर वर्ष **2016** में लगभग **57.7** किलो टन हो गया, जिसमें **6.6%** की वार्षिक चक्रवृद्धि दर हुई है और प्रमुख निर्माता त्सेकर ग्रुप है, जिसकी विश्व बाजार में हिस्सेदारी **53%** है।
- xxv. वर्ष **2012** में चीन का उत्पादन **26500** टन से बढ़कर वर्ष **2016** में **48,400** टन और वर्ष **2017** में **52,300** टन हो गया है। वैश्विक उत्पादन में चीन के उत्पादन की प्रमुख हिस्सेदारी है और समय के साथ इसमें काफी वृद्धि हुई है।
- xxvi. वर्तमान शुल्क की समाप्ति होने पर, चीन से पाटन निश्चित रूप से बढ़ेगा और अंततः घरेलू उद्योग में गहन मात्रा और कीमत की क्षति का कारण बनेगा, जो पाटनरोधी शुल्क के संरक्षण कवर के तहत बहाली की स्थिति में है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने पर, आयात की मात्रा में और वृद्धि होना तय है।
- XXVII. त्सेकर ग्रुप द्वारा हांगकांग के स्टॉक एक्सचेंज को दिए गए आवेदन से पता चलता है कि कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद, निर्यातक के विचार में उत्पाद की कीमत समान बनी हुई है। यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करता है कि चीन के उत्पादक कच्चे माल की कीमतों में बदलाव के साथ अपनी कीमतों को परिवर्तित नहीं करते।
- XXVIII. वर्तमान स्थिति के तहत, विगत में त्सेकर द्वारा उत्पाद के अनियमित मूल्य निर्धारण से स्पष्ट है कि त्सेकर एक बार फिर ऐसे अनियमित मूल्य का निर्धारण करेगा और घरेलू उद्योग को क्षति होगी। अतः, या तो निर्यातक को यह वचन देना चाहिए कि वह वर्तमान कीमतों को स्थिर रखेगा, या यह निष्कर्ष निकाला जाए कि निर्यातक अनियमित मूल्य निर्धारण का सहारा लेना जारी रखेगा।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

73. पाटन की निरंतरता और क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना के संबंध में अन्य इच्छुक पार्टियों ने निम्नलिखित तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं -
- याचिकाकर्ता तथ्यों के आधार पर अपने दावे को पुष्ट करने में विफल रहा है। याचिकाकर्ता द्वारा चीन की अतिरिक्त क्षमता के बारे में किया गया दावा गलत है, उसके पास कोई अप्रमाणित क्षमता नहीं है और शुल्क की समाप्ति के मामले में माल भारत में निर्यात होने की प्रतीक्षा कर रहा है।
 - चीन में केवल एक उत्पादक है जो कार्यात्मक है और अन्य सभी ने पर्यावरण के मुद्दे के कारण प्रचालन बंद कर दिया है, इसलिए अतिरिक्त निर्यातित क्षमता का सवाल ही नहीं उठता है।
 - डीएनएल द्वारा किया गया संभावना विश्लेषण त्रुटिपूर्ण है क्योंकि विगत की कीमतों का भविष्य की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं है। चीन में एक संयंत्र को छोड़कर सभी संयंत्र बंद करने के कारण विश्व स्तर पर एक बदलाव हुआ है। पीओआई अवधि के पश्चात मूल्य में महत्वपूर्ण वृद्धि स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि चीन जनवादी गणराज्य से डीएएसडीए के आयात की कीमत का डीआई पर कोई हानिकारक प्रभाव नहीं होगा।
 - डीएनएल के सभी संभावित क्षति संबंधी तर्क इस आधार पर दिए गए हैं कि पाटनरोधी शुल्क के समाप्ति पर अत्यधिक निर्यात क्षमता भारत की ओर रूख करेगी। चीन जनवादी गणराज्य में पर्यावरण नीतियों के कारण एक संयंत्र अर्थात् त्सेकर को छोड़कर, सभी को बंद कर दिया गया है। डीएनएल के प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है और पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पूरा हुआ है।
 - डीएनएल शुल्क अधिरोपण के बाद पाटन की संभावना को प्रदर्शित करता है तथापि डीएएसडीए के निर्यात की स्थिति में काफी बदलाव देखा गया है और कम आपूर्ति होने के कारण कीमतें पहले से ही बढ़ने लगी हैं।

- vi. तथ्यों से पता चलता है कि पीओआई अवधि के पश्चात डीएएसडीए की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि हुई है और इस तरह की वृद्धि एक मौलिक कारण के लिए है और यह विश्वास नहीं किया जा सकता है कि निकट भविष्य में कीमतें कम हो जाएंगी। कीमत में कई गुना वृद्धि के कारण चीन जनवादी गणराज्य में संयंत्र के बंद होने के कारण चीन जनवादी गणराज्य से डीएएसडीए की आपूर्ति में भारी कमी / तंगी होने वाली है, और ऐसे समय में किसी भी पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की चेतावनी नहीं है।
- vii. उत्पादन में वृद्धि से आयात या क्षतिरहित कीमत में वृद्धि की कोई संभावना प्रदर्शित नहीं होती है। अल्प आपूर्ति की स्थिति में, कीमतें केवल बढ़ेंगी।
- viii. चीन में एक को छोड़कर सभी संयंत्र बंद कर दिए गए हैं, इसलिए ऐतिहासिक रुझान महत्वपूर्ण नहीं हैं। डीएनएल संबद्ध वस्तु का आयात कर रहा है और दावा करता है कि संभावित आवश्यकता को एक आधार के रूप में जारी रखना महत्वपूर्ण समझा जाना चाहिए।
- ix. यह बयान कि त्सेकर अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है गलत है। डोंगगुआंग प्लांट निर्माणाधीन है और क्षमता बढ़ाने के लिए नहीं अपितु चीन सरकार की पर्यावरणीय नीतियों के कारण डोंगगुआंग प्लांट के बंद होने की स्थिति में आपूर्ति जारी रखने के लिए एक पूरक संयंत्र के रूप में बनाया गया है।
- x. डीआई ने दावा किया है कि त्सेकर के पास वर्तमान में लगभग 35000 मीट्रिक टन क्षमता है और वे 20000 मीट्रिक टन के विस्तार की कार्रवाई कर रहे हैं। यदि यह नई क्षमता प्राप्त हो जाती है तो त्सेकर की कुल क्षमता लगभग 55000 एमटी होगी। इसके लिए, डीआई स्वयं स्वीकार करता है कि चीन जनवादी गणराज्य की स्थानीय मांग 30000 मीट्रिक टन से अधिक है और भारत को छोड़कर चीन जनवादी गणराज्य से कुल निर्यात 25000 मीट्रिक टन से 35000 मीट्रिक टन के बीच है, जिससे अभिप्राय है कि त्सेकर के पास आने वाले समय में डीएएसडीए के लगभग 55000 से 65000 मीट्रिक टन तक के लिए एक आसान बाजार होगा और 55000 मीट्रिक टन क्षमता के बावजूद उनके पास 5000 से 10000 मीट्रिक टन की सामग्री का अभाव होगा, यह मानते हुए कि वे हमेशा न्यूनतम 100% उपयोग में काम करेंगे।
- xi. यदि कोई निर्यातक केवल एक उत्पाद का आपूर्तिकर्ता बन जाता है और उसका बाजार पर एकाधिकार होता है, तो वे कीमत में वृद्धि करेंगे, वे अपनी कीमतों को कम नहीं करेंगे।
- xii. त्सेकर स्पष्ट तौर पर वर्तमान क्षमता के साथ चीन की मांग (भारत के अलावा अन्य स्थानीय निर्यात) को पूरा करने के लिए तैयार नहीं है और 20000 मीट्रिक टन की क्षमता वृद्धि के बाद भी, निर्यातक के पास उपरोक्त सामग्री की कुछ कमी होगी।
- xiii. त्सेकर को छोड़कर चीन में सभी उत्पादकों ने प्रचालन बंद कर दिया है, इसलिए चीन में अतिरिक्त क्षमता का प्रश्न नहीं उठता है।
- xiv. चीन में रासायनिक संयंत्र बंद किया जाना एक जाना-माना तथ्य है और डीएएसडीए एक ऐसा उत्पाद है जो पानी को प्रदूषित करता है। चीन में डीएएसडीए संयंत्र जल अपशिष्ट उपचार का अनुपालन नहीं कर पाए हैं और बंद हो गए हैं।
- xv. शांक्सी जियानग्यु केमिकल लिमिटेड का डीएएसडीए संयंत्र अब प्रचालन में नहीं है (संयंत्र को 10,000 मी.ट. / डीएएसडीए का वार्षिक उत्पादन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था) क्योंकि वे कई वर्षों से अपशिष्ट जल का उचित उपचार करने में असमर्थ रहा। डीएएसडीए संयंत्र को वर्ष 2014 में सरकार ने सील कर दिया था।
- xvi. यांशी डोंगयुआन केमिकल्स कं.लि. के पास निर्यात कारोबार के लिए एक अलग कंपनी है, जिसे लुओयांग हानयी केमिकल कंपनी लिमिटेड कहा जाता है और यह 100% संबद्ध कंपनी है। इसमें डीएएसडीए के लिए दोहरी क्षमता है।

- xvii. बोटू तियान्हे कैमिकल कं, लिमिटेड एक व्यापार कंपनी है, उनका कार्य स्थान बोटू शहर, हेबेई प्रांत में है, जहां किसी भी डीएसडीए संयंत्र का निर्माण असंभव है। उसके मुख्य उत्पाद हैं: डाइस्टफ, डाइस्टफ इंटरमीडिएट, और कास्टिंग के फुरान रेजिन। हमारी जानकारी के अनुसार, वे स्थानीय डीएसडीए आपूर्तिकर्ता से डीएसडीए की प्रति वर्ष लगभग 20-30 मीट्रिक टन की खरीद करते हैं।
- xviii. टियांजिन युआनहाई फाइन रासायनिक कं. लिमिटेड एक व्यापार कंपनी भी है। उनका स्थान जियानहाई काउंटी, तियानजिन शहर में है। डीएसडीए, पीएनटीएस और डीएनएसटी के लिए उनकी कुल व्यापार मात्रा 3000 एमटी है। वे इन उत्पादों को अमेरिका, जापान, इटली और अन्य देशों में निर्यात करते हैं। हमारी जानकारी के अनुसार, वे प्रति वर्ष डीएसडीए की सीमित मात्रा का क्रय भी करते हैं।
- xix. प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह केवल निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर निर्यात की संभावना का आंकलन करे, किसी अन्य आधार पर नहीं। डीआई द्वारा अपनी याचिका में दी गई अधूरी निविष्टियां गंभीर तथ्यात्मक त्रुटियों के कारण विवादित हैं।
- xx. यहां तक कि त्सेकर की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित है कि चूंकि चीन में संयंत्रों को बंद कर दिया गया है, इसलिए उनके पास स्थानीय मांग को पूरा करने का सुनहरा अवसर होगा। उस स्थिति में अधिशेष क्षमता अथवा भारत को निर्यात करने की संभावना नहीं है।
- xxi. चीन जनवादी गणराज्य में डीएसडीए संयंत्रों के बंद होने के मद्देनजर मौजूदा मामले से डीएसडीए के आयात की ऐतिहासिक स्थिति का कोई मतलब नहीं है और ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड मामले में, जहां प्राधिकारी ने एमटीआर में ड्यूटी को निरस्त कर दिया था क्योंकि 2-3 वर्ष पूर्व घाटे में चल रहा उद्योग वर्तमान में माल का निवल निर्यातक है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान उसका मुनाफा असामान्य और अकल्पनीय उच्च स्तरों तक पहुँच गया।
- xxii. चीन के पास कोई अधिशेष क्षमता नहीं है। त्सेकर ग्रुप के पास केवल दो संयंत्र हैं, त्सेकर केमिकल (डोंगुआंग) और त्सेकर केमिकल (डोंगिंग) जो निर्माणाधीन है। त्सेकर केमिकल (कांगजू) त्सेकर टेक (बीजिंग) को माल सप्लाई करता है जो आगे चीन में असंबद्ध घरेलू उत्पादकों को क्रय करता है। उन्होंने प्रत्युत्तर भी दर्ज किए हैं।
- xxiii. चीन में सरकार की नीतियों के कारण कई संयंत्र बंद हो गए हैं। त्सेकर ग्रुप ने पर्यावरण नीतियों पर कार्रवाई के लिए दो मुख्य उपाय किए। सर्वप्रथम, डोंगुआंग संयंत्र में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अधिक पर्यावरण के अनुकूल सुविधाओं में निवेश करना, और दूसरा, डोंगुआंग संयंत्र के भी प्रचालन रोकने की स्थिति में डोंगिंग संयंत्र का निर्माण शुरू करना। यह अनुमान लगाया गया था कि डोंगुआंग संयंत्र का प्रचालन निलंबित किए जाने पर, डोंगिंग संयंत्र डीएसडी एसिड की आपूर्ति जारी रखेगा।
- xxiv. उत्पादकों के याचिकाकर्ता की अधिशेष क्षमता संबंधी दावा निराधार है। त्सेकर चीन में एकमात्र निर्माता नहीं है। 15,000 मीट्रिक टन की संयुक्त क्षमता वाले चार अन्य उत्पादक हैं।
- xxv. त्सेकर ग्रुप अपनी पर्यावरण के अनुकूल नीतियों के कारण ही प्रगति कर रहा है। हालाँकि नीतियों ने त्सेकर ग्रुप को भी प्रभावित किया है, क्योंकि सरकारी अधिसूचना के बाद, ग्रुप को कई कोल फायर्ड बॉयलरों को नष्ट करना पड़ा और कई अन्य नष्ट किए जाने की प्रक्रिया में हैं। कंपनी को अन्य कोल फायर्ड बॉयलर को भी अपग्रेड करना पड़ा।
- xxvi. हाल के फैसलों में डीजीटीआर ने उन मामलों में, जहां कोई क्षति नहीं है या क्षति की कोई संभावना नहीं है, जांच शुरू करने से मना किया है या जांच को समाप्त किया है। एनएफवाई, ड्राई सेल बैटरियां, वीएफवाई ऐसे कुछ मामले हैं जहां जांच समाप्त की गई।

XXVII. वर्तमान मामले में, चीन से पाटित आयात के कारण कोई पाटन नहीं किया गया है अथवा कोई क्षति नहीं हुई है। पाटनरोधी शुल्क सतत प्रकृति का नहीं है और शुल्क के विस्तार के लिए कोई विशेष परिस्थिति की मौजूदगी आवश्यक नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

74. प्राधिकारी ने नियमों के अनुलग्नक II (vii) के अनुसार भौतिक क्षति के खतरे से संबंधित मापदंडों पर विचार करते हुए क्षति की निरंतरता या पुनरावृत्ति की संभावना की जांच की। नियमों के अनुबंध II के खंड (vii) में निम्नलिखित उपबंधित है:

क) भारत में पाटित आयातों की वृद्धि की बड़ी दर अत्यंत संबंधित आयात की संभावना को दर्शाती है

75. आयात की प्रवृत्ति इस प्रकार है

विवरण	इकाई	2014-15	2015-16	2016-17	पीओआई*
कुल आयात	एमटी	4,004	4,674	5,324	4,675
कुल चीन	एमटी	3,998	4,674	5,324	4,675

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के बावजूद जांच की अवधि के दौरान गिरावट के साथ वर्ष 2016-17 तक संबद्ध देश से आयात में बढ़ोत्तरी हुई। हालांकि, जांच की अवधि के दौरान आयात का स्तर अधिक है और आधार वर्ष की तुलना में बढ़ा है।

77. पिछली जाँच में संबद्ध वस्तुओं के आयात से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं:

आयात	एम टी	सूचीबद्ध
2008-09	1,030	100
2009-10	2,252	219
2010-11	2,613	254
2011-12	2,769	269
2012-13	4,397	427
2013-14	5,182	503
2014-15	3,998	388
2015-16	4,674	454
2016-17	5,324	517
अप्रैल 17 से मार्च 18	4675	454

78. यह देखा गया है कि प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देश से आयात बढ़ता रहा। यद्यपि 2014-15 और पीओआई के दौरान कुछ कमी आई है।

79. त्साकर केमिकल की वार्षिक रिपोर्ट और उपरोक्त तालिका दर्शाती है कि भारत को इसका निर्यात प्रभावी पाटनरोधी शुल्क से बावजूद प्रभावित नहीं हुआ। यह संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति की स्थिति में, संबद्ध देश से बड़े हुए आयात को देखते हुए पाटित आयात की मात्रा और बढ़ जाए।

ख) **निर्यातक की पर्याप्त मुक्त रूप से प्रयोज्य, या आसन्न, क्षमता में पर्याप्त वृद्धि, अतिरिक्त निर्यात को अवशोषित करने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, भारतीय बाजारों में पर्याप्त रूप से बढ़े हुए निर्यात की संभावना का संकेत देती है।**

80. वास्तविक क्षति का खतरा सुनिश्चित करने के लिए इस मानदंड को मौजूदा अधिशेष क्षमताओं और क्षमता अभिवृद्धि, यदि कोई है, का मूल्यांकन करने की आवश्यकता होती है ताकि भारतीय बाजार में निपटान योग्य मात्रा के परिवर्तन की संभावना का पता लगाया जा सके।
81. प्राधिकारी ने भारतीय बाजार में निपटान योग्य क्षमताओं को ले जाने की संभावना निर्धारित करने के लिए संबद्ध सामानों के निर्यातकों के पास मौजूदा अधिशेष क्षमताओं और क्षमता अभिवृद्धि, यदि कोई है, का मूल्यांकन किया। घरेलू उद्योग ने चीनी उत्पादकों के पास मौजूदा क्षमताओं का साक्ष्य प्रदान किया है जो यह दर्शाता है कि चीन में उत्पादकों के पास भारतीय मांग से अधिक क्षमता है। चीन में मौजूदा क्षमताओं की सारभूत स्थिति निम्नलिखित है:

क्रम सं.	कंपनी का नाम	मौजूदा क्षमता (मी. टन)
1.	शांक्सी जियांग्यू केमिकल कं. लि.	10,000
2.	यांशी डोंगुआन केमिकल कं. लि.	5,000
3.	बोटोऊ तियान्हे केमिकल कं. लि.	3,000
4.	त्साकर केमिकल (डोंगुआंग) कं. लि.	35,000
5.	लुओयांग डोंगुआन केमिकल कं. लि.	5,000
6.	तियानजिन युआनहाई फाइन केमिकल इंडस्ट्री कं. लि.	3,000
7.	डोंगुआन केमिकल कं. लि.	5000
8.	टोटल नॉन कैपेसिटीज	66,000 मी. टन

82. त्साकर ने उल्लेख किया है कि उपलब्ध सूचना के अनुसार एलआईओएन में उत्पादन पर्यावरणीय मुद्दों के कारण 2018 में लंबित हो गया है और रूआई जियांग में उत्पादन 2016 से पर्यावरणीय मुद्दों के कारण बंद हो गया है।
83. इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने शांडोंग प्रोविंस में त्साकर केमिकल डोंगिंग संयंत्र का दौरा किया। जहां तक त्साकर समूह द्वारा संस्थापित की जा रही अतिरिक्त क्षमता के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी ने सत्यापित किया कि डोंगिंग में नया संयंत्र निर्माणाधीन है तथा वह 2019 के अंत तक पूरा किया जा सकता है। कंपनी द्वारा दिए गए पूंजीगत खर्च के ब्यौरों के अनुसार यह नोट किया जाता है कि निर्यातक ने अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए और निकट भविष्य में डीएसडीए का उत्पादन करने तथा उसकी बिक्री करने के लिए पर्याप्त निवेश किए हैं। संयंत्र के सत्यापन के दौरान, कंपनी ने उल्लेख किया कि पर्यावरणीय मुद्दों के कारण डोंगिंग संयंत्र बंद हो सकता है और कंपनी एक विकल्प के रूप में डोंगिंग संयंत्र की संस्थापना कर रही है। कंपनी के अनुसार, यदि 35,000 मी. टन प्रति वर्ष की डीएसडीए क्षमता वाला मौजूदा डोंगिंग संयंत्र पर्यावरणीय मुद्दों के कारण बंद किया जाता है तो कंपनी आरंभिक रूप से 20,000 मी. टन प्रति वर्ष की डीएसडीए क्षमता वाले डोंगिंग में आरंभिक रूप से नया संयंत्र आरंभ करेगी और अपनी क्षमता और अधिक बढ़ाएगी। इसलिए, नए पूंजीगत निवेश से डीएसडीए की कुल क्षमता 2020 से 55,000 मी. टन प्रति वर्ष हो जाएगी।
84. यह नया-नया जोड़ा गया संयंत्र पत्तन के निकट है और यह त्साकर ग्रुप के लिए लाभदायी होने की संभावना है। यह नोट किया जाता है कि त्साकर केमिकल (डोंगुआंग) कं. लि. विश्व में संबद्ध सामान का सबसे बड़ा उत्पादक है और बाजार में प्रमुख है। इसे शामिल करके नई क्षमता उन्हें और अधिक प्रभावी स्थिति में ला सकती है और बाजार में लाभ की स्थिति में रख सकती है।
- ग) **क्या आयात उन कीमतों पर आ रहे हैं जिनका घरेलू कीमतों पर काफी न्यूनीकरण अथवा ह्रासमान प्रभाव पड़ेगा और जिनसे अधिक आयातों के लिए मांग में वृद्धि की संभावना होगी।**

85. भारत में वर्तमान पहुँच कीमत पर लागू पाटनरोधी शुल्क के बिना जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक कीमत कटौती है। यह नोट किया जाता है कि आयातों से लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद, घरेलू कीमतों पर न्यूनीकरण तथा ह्रासमान प्रभाव पड़ रहे हैं।

घ) जांच की जा रही वस्तु की मालसूची

86. चीन के निर्यातकों द्वारा निर्यातक प्रश्नावली में दिए गए व्यौरों के अनुसार मालसूची में आधार वर्ष तथा पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है, यह नोट किया जाता है कि मालसूची उत्पाद की प्रकृति के बावजूद बढ़ती रही है जो कि अत्यधिक मांग संचालित है। यह भी नोट किया जाता है कि मालसूची जांच की अवधि के बाद बढ़ी है।

ङ) कीमत आकर्षकता

87. संयुक्त राज्य अमेरिका में चीनी उत्पादों पर प्रतिबंधों के साथ भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि यह दर्शाती है कि भारत विचाराधीन उत्पाद के लिए एक आकर्षक बाजार रहेगा। वर्ष 2018 के लिए कंपनी की अंतरिम रिपोर्ट (6 माह के लिए) के अनुसार निर्यातक का मुख्य उत्पाद अर्थात् डीएसडीए मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात किया जा रहा है और संयुक्त राज्य अमेरिका में चीन के उत्पादों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त प्रशुल्क संयुक्त राज्य अमेरिका – चीन व्यापार विवाद के कारण हो सकता है। यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने की स्थिति में आयात अन्य देशों की ओर आ सकते हैं।

च) निर्यातोन्मुखता

88. निर्यातक की वार्षिक रिपोर्ट से यह नोट किया जाता है कि त्साकर अत्यधिक निर्यातोन्मुख है। पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने की स्थिति में चीन में अतिरिक्त क्षमताएं मांग में वृद्धि के कारण भारत की ओर आ जाएंगी। निर्यातक की वार्षिक रिपोर्ट 2017 के अनुसार चीनी कंपनियों की निर्यात प्रतिशतता 63.8 प्रतिशत है; भारत का हिस्सा लगभग 10.9 प्रतिशत है। इस ग्रुप का एशिया में ही नहीं बल्कि यूरोप, उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका में भी बिक्री नेटवर्क है।

कारणात्मक संपर्क

89. धारा 9क(5) के तहत, प्राधिकारी को पाटन तथा क्षति की संभावना और इस बात पर ध्यान न रखते हुए शुल्क जारी रखने की आवश्यकता की जांच करना अपेक्षित है कि क्या समीक्षा जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के कोई आयात हुए हैं अथवा नहीं। यह जांच की गई कि क्या पाटनरोधी नियमावली के तहत सूचीबद्ध अन्य मानदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। यह निम्नलिखित रूप में नोट किया जाता है:

क) पाटन कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और मूल्य

90. विभिन्न देशों से आयातों का विवरण यह दर्शाता है कि दूसरे देशों से विचाराधीन उत्पाद के नगण्य आयात हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि दूसरे देशों से आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

ख) मांग में संकुचन तथा/अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

91. क्षति की अवधि में संबद्ध सामानों की मांग बढ़ी है। अतः मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति होने में कोई योगदान नहीं कर सकती।

ग) व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

घ) प्रौद्योगिकी में विकास

93. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः प्रौद्योगिकी में विकास क्षति का कारक नहीं है।

ङ) निर्यात निष्पादन

94. याचिकाकर्ता ने संबद्ध सामानों का निर्यात किया है। तथापि, उन्होंने निर्यात प्रचालनों में क्षति का दावा नहीं किया है। याचिकाकर्ताओं ने घरेलू बिक्री के लिए लागत और क्षति संबंधी सूचना अलग-अलग दी है। अतः घरेलू बिक्री को क्षति निर्यातों के कारण नहीं हो सकती।

च) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा बेचे गए अन्य उत्पादों का निष्पादन

95. घरेलू उद्योग का निष्पादन इस अवधि में बढ़ा है और पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव के कारण माना गया है।
96. तथापि, घरेलू उद्योग ने संबद्ध देश से आयातों के कारण अथवा उपर्युक्त कारकों के कारण किसी क्षति का दावा नहीं किया है।

प्रकटन पश्चात टिप्पणियां**घरेलू उद्योग के विचार**

97. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. जारी किये गये प्रकटन विवरण में क्षति के बार-बार होने की संभावना से संबंधित संगत सूचना के रूप में अनिवार्य तथ्यों का पर्याप्त प्रकटन नहीं है।
- ii. निर्यातकों ने (क) चीन में केवल एक उत्पादक है जो प्रचालनात्मक है, (ख) कोई अत्यधिक निर्यात योग्य क्षमताएं नहीं हैं, (ग) यह विवरण कि त्साकर अपनी क्षमता बढ़ा रहा है, गलत है, (घ) डीएसडीए के आयातों की ऐतिहासिक स्थिति का वर्तमान में कोई अर्थ नहीं है, (ङ) डोंगिंग संयंत्र निर्मित किया गया था, यदि डोंगुआंग संयंत्र भी लंबित है, के बारे में कई भ्रामक दावे किए हैं और विवरण दिए हैं।
- iii. कोई भी उद्यम किसी अवधारित मामले में प्रयुक्त किए जाने के लिए अतिरिक्त बीमा वाली उत्पादन सुविधा को वहन नहीं कर सकता जब पहली सुविधा उत्पादन बंद कर दे।
- iv. निर्यातक अपने दावों के अनुसार चीन में एक मात्र उत्पादक होने के नाते अपने प्रभाव के कारण कीमतें निर्धारित कर सकता है। रिकार्ड से यह देखा जा सकता है कि बाजार कीमतें कैसे कम हुई थीं और त्साकर द्वारा कैसे बढ़ाई गई थीं।
- v. निर्यातक उल्लेख करते हैं कि उनकी भारतीय बाजार में कोई रुचि नहीं है, परंतु पाटनरोधी शुल्क की जांच में फिर भी बहुत चिंतित है जो सिद्धांत के बजाए व्यवहार में अंतर दर्शाता है।
- vi. निर्यातक को तथ्य छिपाते हुए और पिछली एमटीआर जांच में भी भ्रामक विवरण देते हुए पाया गया है। यह एमटीआर अंतिम जांच परिणाम में माना गया है।
- vii. मांग में परिवर्तन के अनुरोध को पूर्व अनुरोधों में किसी उल्लेख के बिना असमय और भारी विलंब के स्तर पर दृढ़ता से किया गया है। याचिकाकर्ताओं द्वारा इस प्रक्रिया पर निर्यात किया गया है क्योंकि इस प्रकार की नई घटना पर टिप्पणी देने के लिए याचिकाकर्ताओं को कोई अवसर प्रदान नहीं किया गया है।
- viii. इसी प्रकार का मांग में परिवर्तन करने का अनुरोध एमटीआर जांच में किया गया था जिसे प्राधिकारी ने यह कहते हुए अस्वीकार किया था कि परिवर्तन केवल नाम का नहीं है।
- ix. प्राधिकारी की परिपाटी के अनुसार, नाम में परिवर्तन के अनुरोध के मामले में घरेलू उद्योग को उसके हितों की रक्षा करने के लिए समुचित अवसर प्रदान करते हुए एक पृथक जांच की जाती है।
- x. निर्यातक द्वारा किया गया यह दावा कि डोंगिंग में 20,000 मी. टन की नई-नई बढ़ाई गई क्षमता मात्र एक विकल्प है, अविश्वसनीय है और साथ-साथ असत्य है। त्साकर ग्रुप (2015) के वैश्विक पेशकश दस्तावेजों में यह उल्लेख है कि डोंगिंग संयंत्र डीएसडी एसिड मार्केट में उसकी अग्रणी स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए स्थापित किया गया था न कि बंद किए जा रहे डोंगुआंग संयंत्र के उत्पादन की प्रत्याशा में।
- xi. त्साकर ग्रुप चीन में ही एक प्रमुख नहीं है, बल्कि विश्व बाजार में भी है और चीनी एवं भारतीय कीमतों को प्रभावित कर सकता है जिनमें अन्य सभी उत्पादकों की कीमतें तदनुसार अनुरूप हैं।
- xii. त्साकर की ये कीमतें यह दर्शाती हैं कि वह उनमें छेड़छाड़ कर सकता है जो शुल्क बढ़ाए जाने के लिए अकेले काफी होनी चाहिए। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि वह शुल्क बढ़ाए जाने की मांग नहीं करेगा यदि वर्तमान उच्च कीमत की प्रवृत्ति जारी रहती है, परंतु इस प्रकार की कोई वचनबद्धता त्साकर द्वारा नहीं दी गई थी।
- xiii. त्साकर ग्रुप पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने पर विश्व बाजार में एकाधिकार प्राप्त कर लेगा। इस कंपनी के पास विश्व बैंक के बराबर क्षमता है और यह अपने प्रभाव एवं कीमत का प्रयोग प्रतिस्पर्द्धा लेने के लिए करेगा।
- xiv. निर्यातक निर्णायक समीक्षा जांच में बाधा से अवगत था और इसीलिए परिणाम पर प्रभाव डालने के लिए उसने कीमतें बढ़ाई थीं। विगत में इसी प्रकार की परिपाटियों का सहारा लिया गया है।

- xv. वर्तमान मामले में, पाटन और क्षति की संभावना संबंधी निर्धारण जांच की अवधि के दौरान विद्यमान आयात कीमत पर पूर्णतः आधारित नहीं हो सकता। चीनी उत्पादक तैयार रूप में कीमतें घटा और बढ़ा सकते हैं, जैसा कि देखा जा सकता है।
- xvi. कीमतों में ऐसे अस्थायी परिवर्तन पैटर्न के रूप में देखे गए थे और प्राधिकारी द्वारा एमटीआर अंतिम जांच परिणाम में विधिवत नोट किए गए थे।
- xvii. सकारात्मक पाटन मार्जिन प्रकटन विवरण में नोट किए गए हैं जो यह सिद्ध करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के बावजूद जांच की अवधि में पाटन जारी रहा। पिछले 10 वर्षों के लिए व्यापक माह-वार विश्लेषण किया गया है जो 102 महीनों में सकारात्मक पाटन मार्जिन और 120 महीनों में से 89 महीनों में सकारात्मक क्षति मार्जिन दर्शाता है।
- xviii. घरेलू उद्योग को जांच की अवधि में क्षति नहीं हो रही है और न ही उन्होंने कोई क्षति का दावा किया है। मानदंडों ने उच्चतर आयात कीमतों के कारण सुधार दर्शाया है और प्राधिकारी द्वारा सुझाए गए शुल्क के कारण पाटन के कारण हुई क्षति समाप्त की गई थी। तथापि, उच्च कीमतें अस्थायी हैं और शुल्क की समाप्ति की स्थिति में अधिशेष क्षमताओं का प्रयोग किया जाएगा।
- xix. क्षति का अभाव शुल्क न बढ़ाने का औचित्य नहीं है। प्राधिकारी को यह निर्धारित करना है कि क्या क्षति "बार-बार" हो सकती है जिसका अर्थ यह है कि जो क्षति पाटनरोधी शुल्क से समाप्त की गई है, वह संभावना के विश्लेषण के आधार पर शुल्क की समाप्ति पर दोबारा हो सकती है।
- xx. चीन का कुल आयातों में 100 प्रतिशत हिस्सा है और आयात पूर्व जांचों में भी बढ़े हैं।
- xxi. संबद्ध देश में उत्पादकों के पास संबद्ध सामानों का उत्पादन करने की भारी क्षमताएं हैं। घरेलू उद्योग ने बंदी के दावों के बाद इन उत्पादकों के स्तर की पुनः जांच की और पाया कि उनमें से किसी की भी वेबसाइट में यह उल्लेख नहीं है कि डीएसडीए उत्पादन सुविधा बंद हो गई है।
- xxii. चीनी उत्पादकों की कुल क्षमता वर्तमान क्षमता विस्तारों पर विचार किए बिना भी भारतीय मांग से अधिक है।
- xxiii. चीन में उत्पादकों/निर्यातकों के पास स्वतंत्र रूप से निपटान योग्य उत्पादन क्षमताएं हैं।
- xxiv. दिए गए साक्ष्य के अनुसार, चीनी निर्यातक उनके पास मौजूदा अधिशेष क्षमताओं के होते हुए भी अपनी क्षमता का विस्तार करने की प्रक्रिया में हैं।
- xxv. चीन विश्व में डीएसडीए का सबसे बड़ा विनिर्माता है। त्साकर केमिकल (चांगघोऊ) लिमिटेड उद्योग का सबसे बड़ा उद्यम है। इनका विश्व बाजार में 53 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।
- xxvi. एकत्रित किए गए और निदेशालय को दिए गए साक्ष्य से यह देखा जा सकता है कि चीन जन. गण. के निर्यातक विश्व भर में अत्यधिक निर्यातोनमुख हैं।
- xxvii. निर्यातक की वार्षिक रिपोर्ट के विभिन्न उद्धरण स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हैं कि त्साकर ग्रुप भारतीय बाजार में निर्यात करने के लिए अत्यधिक व्यग्र है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से चीनी उत्पादक प्रभावित नहीं हुए हैं।
- xxviii. चूंकि, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में इस समूह का व्यापार अधिक प्रभावित नहीं हुआ है और ग्राहकों ने पाटनरोधी शुल्क को खपाया है, अतः पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने से अत्यधिक पाटन होगा और परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होगी।
- xxix. त्साकर केमिकल्स चीन में उत्पादन में वृद्धि दर्शाता है और परिणामस्वरूप वैश्विक रूप से भी। उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि चीन विश्व में सबसे बड़ा विनिर्माता देश है।
- xxx. डीएसडीए का वैश्विक उत्पादन लगभग 2011 में लगभग 41.8 किलो टन से बढ़कर 2016 में लगभग 57.7 किलो टन तक हो गया है जो वार्षिक चक्रवृद्धि दर 6.6 प्रतिशत है और प्रमुख उत्पादक विश्व के बाजार हिस्से का 53 प्रतिशत वाला त्साकर ग्रुप है।
- xxxi. त्साकर ग्रुप द्वारा हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज को दिए गए आवेदन से संगत उद्धरण यह दर्शाते हैं कि कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि के बावजूद निर्यातक के विचाराधीन उत्पाद की कीमत समान रही है।
- xxxii. विचाराधीन उत्पाद के लिए भारतीय बाजार अत्यधिक कीमत संवेदी है। उपभोक्ता पूर्ण विचार वाली कीमत के साथ अपना स्रोत निर्धारित करते हैं।
- xxxiii. पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बावजूद संबद्ध देश से आयातों की मात्रा बढ़ी है।

- xxxiv. निर्यातक यह तर्क दे सकते हैं कि कीमत में गिरावट अथवा कीमत में वृद्धि चुनिंदा रूप से भारतीय बाजार के लिए नहीं है। तथापि, जिस बात पर विचार करने की आवश्यकता है, वह यह है कि डीएएसडीए का उत्पादन केवल दो देशों – भारत और चीन में किया जाता है।
- xxxv. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के कारण, घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में सक्षम था क्योंकि आयात अब तक विनियमित थे और शुल्क छूट श्रेणी में भी किए जाते थे।
- xxxvi. याचिकाकर्ता ने क्षति की अवधि में यूनिट बिक्री लागत, आयातों की पहुँच कीमत और बिक्री कीमत के संबंध में सूचना दी है। यह बात दोहराई जाती है कि त्साकर ग्रुप वैश्विक रूप से और भारत में विचाराधीन उत्पाद की कीमतों का प्रमुख संचालक है। पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण पाटन और क्षति की प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से दर्शाता है।
- xxxvii. कीमत संबंधी मानदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन चीनी उत्पादक द्वारा रखी गई कीमत पर पूर्णतः निर्भर रहता है।
- xxxviii. वर्तमान पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने की स्थिति में और यदि घरेलू उद्योग आयात कीमतों पर बिक्री करने का विकल्प चुनता है तो घरेलू उद्योग उप इष्टतम कीमत पर उत्पाद बेचने के लिए मजबूर होगा।
- xxxix. संभावना का विश्लेषण क्षति मार्जिन पर आधारित नहीं हो सकता क्योंकि क्षति मार्जिन का प्रयोजन उस स्थिति में पाटनरोधी शुल्क की मात्रा निर्धारित करना ही है जहां घरेलू उद्योग को वर्तमान में क्षति हुई है।
- xl. ऐसी स्थिति में जहां निर्दिष्ट प्राधिकारी क्षति न होना पाए, वहां जांच परिणाम संभावना पर आधारित होते हैं और निर्दिष्ट प्राधिकारी क्षति मार्जिन निर्धारित न करें तथा पाटनरोधी शुल्क की उसकी मात्रा की पुष्टि करने पर विचार करें। यह निर्दिष्ट प्राधिकारी की परिपाटी ही है जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उस समय पाटनरोधी शुल्क की मात्रा में संशोधन नहीं किया है जब निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाया कि शुल्क जारी रखना/बढ़ाने की आवश्यकता क्षति की संभावना पर आधारित है।
- xli. शुल्क का स्वरूप निर्धारित मात्रा में होना चाहिए क्योंकि वह स्वरूप शुल्क को प्रभावी बनाता है और विभिन्न परंपरागत कमियों के कारण बचने की संभावना कम होती है। पाटनरोधी शुल्क का इतिहास यह दर्शाता है कि शुल्क के अन्य रूपों से आसानी से बचा जाता है।
- xlii. प्राधिकारी ने अन्य अधिसंख्य जांचों में अमेरिकी डॉलर के रूप में पाटनरोधी शुल्क व्यक्त किया है। रुपए का काफी मूल्यह्रास हुआ है और इसीलिए, निश्चयात्मक शुल्क कृपया अमेरिकी डॉलर में व्यक्त किए जाएं।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

98. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:
- प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों को अलग से पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन प्रदान नहीं किया है। केवल उत्पादकों/निर्यातकों को अलग-अलग दरों के बिना वह दर्शाते हुए एक तालिका दी गई है।
 - प्राधिकारी ने प्रचालन प्रक्रिया में प्रचालन परिपाटी पुस्तिका के अनुसार जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों की जांच नहीं की है। त्साकर की कीमतें जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान बढ़ी हैं और घरेलू उद्योग जांच की अवधि के बाद की अवधि में लाभ कमा रहा है जो यह दर्शाता है कि कोई क्षति नहीं है।
 - क्षमता 2020 तक 55,000 मी. टन हो जाएगी, गलत है। त्साकर उत्पाद क्षमता नहीं बढ़ा रहा है। त्साकर केवल एक विकल्प के रूप में डोंगिंग में संयंत्र स्थापित कर रहा है।
 - त्साकर डोंगुआंग संयंत्र, त्साकर डोंगिंग संयंत्र का प्रचालन आरंभ होने के बाद बंद होगा या नहीं, त्साकर की कुल क्षमता 35,000 टन प्रति वर्ष तक सीमित रहेगी, जैसा कि सत्यापन के दौरान उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों में स्पष्ट किया गया है।
 - कंपनी ने त्साकर केमिकल (डोंगुआंग) कं. लि. से नाम को हेबेई त्साकर केमिकल कंपनी लिमिटेड में बदलने के लिए सत्यापन के दौरान सभी संगत दस्तावेज दिए हैं।
 - महानिदेशक ने विचाराधीन उत्पाद के लिए नियोजित औसत पूंजी पर 22 प्रतिशत की आय की अनुमति दी है और उसे उपयुक्त माना है। महानिदेशक द्वारा निर्धारित एनआईपी अत्यधिक बढ़ी हुई है और वास्तविक स्थिति पर आधारित नहीं है।

- vii. 22 प्रतिशत आय का आधार वर्ष 1987 में तैयार किया गया था, जब ब्याज दर और निगम कर जैसे सभी मानदंड अलग-अलग थे; वर्ष 2018 में 30 वर्ष बाद उपयुक्त नहीं माना जा सकता; इस प्रकार की परिपाटी गलत है, जैसा कि ब्रिज स्टोन टायर मैनुफैक्चरिंग और अन्य बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में सेसटेट द्वारा उल्लेख किया गया है।
- viii. घरेलू उद्योग में पाटन तथा क्षति नहीं है और इसीलिए जांच की अवधि अथवा जांच की अवधि के बाद घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षति की कोई संभावना नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 99.** प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात टिप्पणियां/अनुरोध पूर्व में किए गए अनुरोधों की अधिकांश रूप में पुनरावृत्ति है जिसकी वर्तमान जांच के प्रकटन विवरण अथवा संगत पैराओं में पहले ही उपयुक्त रूप से जांच की गई है और समुचित रूप से तथा उचित रूप से उसका समाधान कर लिया गया है। इसके अलावा, प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों के संबंध में निम्नलिखितानुसार विचार करते हैं :-
- i. इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर इस जांच परिणाम में जहां भी संगत पाया गया, प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
 - ii. नाम में परिवर्तन के संबंध में इन पक्षकारों के तर्क के बारे में यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने चीन में सत्यापन दौरे के दौरान संबंधित दस्तावेजों के साथ-साथ प्रतिवादी निर्यातक के नाम में परिवर्तन संबंधी अनुरोध का विधिवत सत्यापन किया है। सत्यापित आंकड़ों को देखते हुए प्राधिकारी ने निर्यातक के नाम में परिवर्तन संबंधी अनुरोध को स्वीकार किया है।
 - iii. जहां तक पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन और क्षतिरहित कीमत को प्रकट किए जाने का प्रश्न है, प्राधिकारी ने संबंधित पक्षकारों को दिनांक 21 दिसंबर, **2018** के ईमेल के माध्यम से (प्रतिवादी निर्यातक की एनईपी और पहुंच कीमत और घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत) के संबंध में गोपनीय सूचना को प्रकट किया।
 - iv. जांच की अवधि के बाद की अवधि में इस क्षति को न दर्शाने वाले घरेलू उद्योग और जांच की अवधि के बाद की अवधि के आंकड़ों पर विचार किए जाने के तर्क के संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को वर्तमान मामले में कोई क्षति नहीं हो रही है। त्साकर की कीमतों में जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के बाद की अवधि में लाभ हो रहा है जो यह दर्शाता है कि कोई क्षति नहीं हुई है। तीसरे देशों में त्साकर की कीमतों की तुलना भारत से जांच की अवधि में और जांच की अवधि के बाद की अवधि में तुलना की जा सकती है।
 - v. प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रारंभ में उनके द्वारा किए गए आयातों को प्रकटन नहीं किया है और यह स्वीकार किया है कि उन्होंने मौखिक सुनवाई के बाद ही विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है जब हितबद्ध पक्षकारों ने इस तथ्य को प्राधिकारी के ध्यान में लाया। याचिकाकर्ता को पाटनरोधी नियमावली की पूरी जानकारी है और वे याचिका को दायर करते समय ही स्वयं प्राधिकारी के ध्यान में इस तथ्य को लाना चाहिए था।
 - vi. त्साकर समूह द्वारा बढ़ाई जा रही अतिरिक्त क्षमता के तर्क के संबंध में, प्राधिकारी ने यह सत्यापित किया कि डोंगयींग में नए संयंत्र का निर्माण किया जा रहा है और इसे 2019 के अंत तक पूरा किया जा सकता है। हालांकि व्यापारिक उत्पादन में उसके बाद कुछ और समय लग सकता है और उसका निकट भविष्य में कुल क्षमता पर प्रभाव नहीं पड़ सकता है और त्साकर को पर्यावरणीय मुद्दों के कारण अपने मौजूदा संयंत्र को बंद करना पड़ सकता है।
 - vii. प्राधिकारी ने यह नोट किया कि क्षति के मूल्यांकन के लिए संगत अधिकांश आर्थिक मानदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में सुधार हुआ है।
 - viii. जहां तक क्षतिरहित कीमत की गणना के लिए अनुमत्य **22%** लाभ का प्रश्न है, यह स्पष्ट किया जाता है कि नियोजित पूंजी पर **22%** लाभ पर विचार करने की प्राधिकारी की सतत प्रथा है।

निष्कर्ष

100. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपयुक्त जांच परिणामों में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों के संबंध में और पाटन के फिर से होने अथवा उसके जारी रहने तथा परिणामस्वरूप क्षति होने की संभावना का उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि :

- (क) आयात को छिपाकर, याचिकाकर्ता ने एंटी-डंपिंग नियमों के नियम 2 (बी) को दरकिनार करने की कोशिश की है।
- (ख) यद्यपि, पाटन हुआ है, फिर भी पाटनरोधी मार्जिन के स्तर में पूर्व के जांच की तुलना में जांच की वर्तमान अवधि में कमी आई है। विचाराधीन उत्पाद के पाटन के बावजूद, पाटन मार्जिन जांच की वर्तमान अवधि में नकारात्मक पाया गया है।
- (ग) संबद्ध देशों से आयातों को घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर नहीं देखा जा रहा है।
- (घ) घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। विभिन्न आर्थिक मापदंडों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की समग्र आर्थिक स्थिति में जांच की अवधि के दौरान सुधार आया है।

सिफारिशें:

101. यह देखने के बाद कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क 23 जनवरी, **2014** से लागू है, प्राधिकारी का यह मत है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क ने अभीष्ट उद्देश्य को प्राप्त कर लिया है। इस कारण से प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हैं और दिनांक 26 सितंबर, **2016** की अधिसूचना सं. **15/18/2015-डीजीएडी** के माध्यम से सिफारिश की गई और दिनांक 9 नवंबर, **2016** की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. **52/2016-सीमाशुल्क (एडीडी)** के माध्यम से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात पर लागू किए गए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की सिफारिश करते हैं।

आगे की प्रक्रिया

102. केन्द्र सरकार द्वारा इसे स्वीकार किए जाने के बाद इस आदेश के विरुद्ध अपील इस अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**Department of Commerce****(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 15th January, 2019

FINAL FINDINGS

Subject : Sunset Review of Anti-dumping investigation concerning imports of '4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA)' originating in or exported from the China PR.

F.No.7/22/2018-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as AD Rules) recommended imposition of definitive anti-dumping duties were imposed vide Notification No. 14/1/2012 – DGAD dated 22nd November, 2013 on imports of 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA) from China PR. The same were imposed vide Notification No. 09/2014 Customs (ADD) dated 23rd January, 2014.

2. And whereas the Dyestuffs Manufactures Association of India, Mumbai, claiming itself as a representative body of users of the subject goods, submitted an application requesting for initiation of a review of the anti-dumping duties imposed on the imports of the subject goods from the subject country. The Designated Authority, vide Notification No. 15/18/2015-DGAD dated 1st October, 2015, initiated the Mid-term Review (MTR) investigation. After conducting detailed investigation, the Authority revised the anti-dumping duty vide Notification No. 15/18/2015-DGAD dated 26th September, 2016 on imports of 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA) from China PR. The same were imposed vide Notification No. 52/2016 Customs (ADD) dated 9th November, 2016.
3. Whereas in terms of Section 9A(5) the Customs Tariff(Amendment) Act 1995 the antidumping duty imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review, whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In accordance with the above, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
4. Whereas, M/s. Deepak Nitrite Industries Ltd (hereinafter also referred to as the petitioner) filed an application requesting initiation of sunset review of the anti-dumping duties earlier imposed and seeking continuation of duties against imports from China PR. The request was based on the grounds that the expiry of the measure would likely result in dumping from that country and consequent injury to the domestic industry.
5. In view of the duly substantiated application with prima facie evidence of likelihood of dumping and injury filed on behalf of the domestic industry and in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority initiated a sunset review investigation vide Notification No. 7/22/2018-DGAD dated 26.06.2018 to review the need for continued imposition of the anti-dumping duties in respect of the subject goods, originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject countries), and to examine whether the expiry of the said duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
6. The scope of the present review covers all aspects of the previous investigations concerning import of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

A. PROCEDURE

7. Procedure described below has been followed with regard to this investigation, after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority;
 - i. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of the subject country in India, known producers/exporters in the subject country, known importers/users in India, and the Domestic Industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - ii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters in subject country and to the Embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
 - iii. The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from China to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from China PR.
 - iv. The Authority sent Exporter's Questionnaire to elicit relevant information to the following known producers/exporters in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - i. Tsaker Chemical (Cangzhou) Co. Ltd.
 - ii. Hua Geholding Group Co. Ltd.
 - iii. Yangmei Fengxi Fertilizer Industry
 - iv. Lianyungang Lion Chemical Co. Ltd.
 - v. Luoyang City East Garden Chemical Co. Ltd.
 - vi. Beijing Yangcun Chemical Co., Ltd.
 - vii. Zhejiang Euchem Chemical Co., Ltd.
 - viii. Chemmax Guangzhou Limited Company
 - ix. Zhejiang Shangyu Chemical Co., Ltd.

- x. Shanxi Xiangyu Chemical Co. Ltd
 - xi. HeBei HengShui DongGang Chemical Co. Ltd.
 - xii. HengShui Jingheng Chemical Products Co. Ltd.
 - xiii. Botou Tianhe Chemical co Ltd.
 - xiv. Yanshi Dongyuan Chemical Co Ltd.
 - xv. Hebei Hua-Chem Group
- v. Further on the request of interested parties, the Authority extended the time period for submission of Questionnaire responses by the interested parties up to 13.08.2018.
- vi. The following producer and exporter from China PR have filed a response to the exporter questionnaire-
- i. Tsaker Chemical (Cangzhou) Co. Ltd.
 - ii. Tsaker Chemical Dongguang Co. Ltd.
 - iii. Tsaker Technology (Beijing) Co. Ltd.
- vii. The Authority forwarded copy of Notification to the following known importers / consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- i. Daikaffil Chemicals India Ltd.
 - ii. Anil Organics
 - iii. Pranav Chemicals
 - iv. Meghamani Dyes and Intermediates LLP
 - v. M/s Paramount Minerals and Chemicals Ltd.
 - vi. M/s- Eskay Dyestuffs and Ogranics Chemicals Pvt. Ltd.
 - vii. M/s BASF India Ltd.
 - viii. M/s- Khyati Chemicals Pvt. Ltd.
- viii. The following importers and users have filed a response to the User questionnaire, attended the oral hearing and subsequently filed written submissions-
- i. M/s Paramount Minerals and Chemicals Ltd.
 - ii. M/s- Eskay Dyestuffs and Ogranics Chemicals Pvt. Ltd.
 - iii. M/s BASF India Ltd.
 - iv. M/s- Khyati Chemicals Pvt. Ltd.
- ix. The period of investigation (POI) for the purpose of the present review is April, 2017 – March, 2018 (12 months). However, injury analysis period covers 2014-15, 2015-16, 2016-17 and the period of investigation.
- x. Transaction-wise imports data for the period of investigation and preceding three years was procured from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S). The Authority has, relied upon the DGCI&S data and the data of co-operative exporters for calculating the volume and value of imports of the subject goods in India.
- xi. The Authority made available non-confidential version of the evidences presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xii. The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III of the Rules to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods.
- xiii. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-Dumping Rules, the Authority also provided opportunity to the interested parties to present their views orally in an oral hearing held on 12.09.2018. The parties, who presented their views in the oral hearings, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions. Submissions made by all interested parties have been taken into account in this Disclosure Statement.
- xiv. The submissions made by the interested parties, arguments raised and information provided by various interested parties during the course of investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority in this Disclosure Statement.
- xv. The Authority, during the course of investigation, satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by the interested parties, which forms the basis of this disclosure to the extent possible and verified the data / documents given by the domestic industry and responding exporters to the extent considered relevant and

necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of this investigation.

- xvi. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xvii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority considered such interested parties as non-cooperative and recorded these findings on the basis of the 'facts available'.
- xviii. A Disclosure Statement was issued on 20th December, 2018 containing essential facts under consideration of the Designated Authority, giving time up to 31st December, 2018 to furnish comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has considered post disclosure comments received from interested parties appropriately.
- xix. *** In this final findings represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xx. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1US\$= Rs.65.33

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

B.1 Views of the Domestic Industry

8. The domestic industry has made the following submissions with regard to the scope of product under consideration and like article:
 - i. The product under consideration for the purpose of the present investigation is the same as in the earlier investigations, that is, '4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA)',
 - ii. As noted in the previous investigations, the product produced by the petitioning domestic industry is like article to that imported from the subject countries.

B.2 Views of the opposing interested parties

9. No submissions were made by the opposing interested parties with regard to the scope of product under consideration or like article.

B.3 Examination by the Authority

10. The product under consideration in the present sunset review investigation is '4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA)', commonly known as DSD Acid.
11. The present investigation being a sunset review investigation and anti-dumping duties, as earlier recommended by the Authority, being in force on the imports of the subject goods from the subject countries, the Authority considers that the scope of the PUC in the present investigation remains the same as that in the original and subsequent review investigations. The product under consideration defined in the previous investigations is as follows

"The product under consideration in the present investigation is 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (also referred to as DASDA). It is also known as 2, 2'-(1, 2-Ethylenediyl) bis (5-aminobenzenesulfonic acid), 4, 4'-Diaminostilbene- 2, 2'-Disulfonic Acid, 2, 2'-ethene-1, 2-diylbis (5- amino benzene sulfonic acid), Amsonic Acid and DSD Acid. DASDA is a light yellow color powder/cream, which is used in synthesis of dye stuffs, like optical brightening agents, fluorescent brightening agents, etc. The subject goods are classified under chapter heading 29215990, although reportedly being imported under a number of other tariff headings such as 29214290, 29222190, 29222990, 29309099, etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation."
12. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in product under consideration exported from subject country and the product produced by the Indian industry. The subject product produced by the domestic industry is comparable to the Product under consideration in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
13. The Authority holds that the subject product produced by the applicant domestic industry is like article to the Product under consideration as mentioned in the paragraphs above, in accordance with the Anti-Dumping Rules.

C. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

14. The petition for review of anti-dumping duty in force on imports of the subject goods was filed by Deepak Nitrite limited as domestic producers of the product under consideration in India.

Views of the Domestic Industry

15. The Petitioner has made the following submissions with regard to Domestic Industry and Standing:
- The application was filed by Deepak Nitrite Limited (DNL) on behalf of the domestic industry. The petitioner has a major share of the total Indian production.
 - The petitioner is not related to producer/exporter of the product under consideration in subject country.
 - The Petitioner has imported small quantities of the subject goods during period of investigation.
 - Imports were made by Dahej plant of the petitioner, which is used for manufacturing OBA. The product under consideration is not manufactured at Dahej plant.
 - Imports made by the petitioner were only for the purpose of self-consumption and was not used for sale.
 - Imports have been made by Dahej plant for self-consumption to produce OBA. Imports made, since the Hyderabad plant of the Petitioner, which produces DASDA, was shut down temporarily for two months in 2016.
 - The imports in 2017 by the Dahej plant were made in absence of supply from the Hyderabad plant, because of domestic orders and commitments.
 - The Petitioner constitutes “domestic industry” as per Rule 2(b) since they have a “major proportion” of the Indian production and the imports made are negligible in volume when compared to the Indian demand and total imports.

Views of the opposing interested parties

16. The opposing interested parties have made the following submissions:
- The DI themselves have imported a significant quantity of the subject goods from China PR and the same was not disclosed to the Authority.
 - The domestic industry will have to explain that why have they concealed the fact from the Authority. The import made is very substantial, out of 4609 MT 200 MT import has been made by the DI itself and it amounts to 4.34% of the total imports.
 - The investigation should be terminated on the ground of failure of DI to provide essential information which has bearing on their claims as DI, injury and likelihood such action by the DI has put their eligibility as DI and credibility of various claims in the petition in serious question.

Examination by the Authority

17. The present application was filed by Deepak Nitrite limited as domestic producers of the product under consideration in India, seeking review and continuation of anti-dumping duties in force on imports of product under consideration from the subject country.
18. The Authority notes that the petitioner is not related (either directly or indirectly) to an exporter or producer of product under consideration produced in subject country or an importer of product under consideration in India. With regard to imports made by the petitioner, the Authority noted that petitioner had initially not disclosed imports made by them and accepted that they have imported PUC only after oral hearing when the interested parties brought this fact to the notice of the Authority. The petitioner is well versed with the Anti-Dumping Rules and he should have brought this fact to the notice of the Authority at the time of filing of petition itself. It is noted that the petitioner had imported *** MT of product under consideration from China PR during period of investigation. Imports made by petitioner are *** of total imports, *** of its production and *** of demand.
19. The Authority notes, on the basis of information on record the petitioner accounts for 84% for total Indian production and accounts for major proportion of the total Indian production. In view of the above and after due examination, the Authority holds that the applicant satisfies the standing requirements for the subject goods and constitutes domestic industry under Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules.

D. CONFIDENTIALITY**Views of the Domestic Industry**

20. The following submissions have been made by the domestic industry:

- i. The exporter has claimed information like product list, channel of distribution, production process, production flowchart, name of raw material, information regarding exports to India, sales of goods of the company, sales price structure, statement showing installed capacity, information related to cost of production, information related to subsidiary, information with regard to exports to third countries etc. Non-confidential version of the questionnaire response is grossly inadequate.
- ii. Information publicly available has been kept confidential and the non-confidential version of the information has not been provided. Interested parties have not filed proper and sufficient non confidential summary of the information claimed confidential so as to enable the petitioners to give meaningful comments. The interested parties have merely given blank formats.
- iii. All the interested parties are required to comply with the Trade Notice no 10/2018 dated 7th September, 2018, however the exporters and users are in clear breach of the same due to the excessive confidentiality in the questionnaire responses.
- iv. Confidentiality provision under the Rules is not a mere tool to deny disclosure of information provided during investigation in order to kill all transparency provisions of the rules and create a handicap for the opposing parties. Any claim to treat the information as confidential must be bona fide and germane to the rights and legitimate interests of the party wanting to treat the information it provided as confidential.
- v. The petitioner has provided all the information in the non-confidential version of the petition. The non-confidential version of the information filed by the petitioners is largely in consonance with the trade notice no 10/2018 dated 7th September, 2018. Injury statements filed by the domestic industry are invariably either on actual basis or on indexed basis.
- vi. Format A-L is a business sensitive information and non-confidential summary of that cannot be made. Petitioner has claimed confidentiality only within the Rule and is in compliance with trade notice no 10/2018 dated 7th September, 2018.

Views of the opposing interested parties

21. The following submissions have been made by the opposing interested parties:

- i. DGTR should not have initiated the investigation as the NCV does not allow for a reasonable understanding of the allegations
- ii. Interested parties cannot fully exercise right to defense as NCV is not properly indexed. Justification table of Confidentiality is not proper as per Trade Notice.
- iii. Section VI (Costing Information) is missing and Format A-L are claimed confidential. No proper justification has been provided for claiming the information confidential.
- iv. Information provided by the petitioner in the petition is clear violation of the Trade notice 1/2013 and the requirements laid down in Rule 7 of the Rules.
- v. Deepak Nitrate Ltd. (DNL) is trying to hide its own confidentiality claims by accusing other interested parties of excessive confidentiality. Volume information has been claimed confidential whereas the information has been provided in previous cases.
- vi. That the petitioner itself has claimed excessive confidentiality and filed an incomplete petition. Petitioner has not provided sufficient reasons as to why confidentiality was claimed and why summarization was not possible for certain information. The petitioner has not even provided the indexed numbers. Tsaker has provided all the information as per above mentioned Rule and also enclosed the justification table clarifying the reasons for claiming the confidentiality.

Examination of the Authority

22. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

“7. Confidential information:

(1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is

not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."

23. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The information related to imports, performance parameters and injury parameters of domestic industry has been made available in the public file. Business sensitive information has been kept Confidential as per practice. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.

E. MISCELLANEOUS ISSUES

Views of the Domestic Industry

24. The following submissions have been made by the domestic industry:

- i. Observation of the Authority in the MTR with regard to Dongying unit not only suggest that the exporter has one more production unit of DASDA namely Tsaker Dongying but the exporter had suppressed various facts from the Authority at the time of MTR investigation. The Authority has already verified the existence of Tsaker Dongying.
- ii. Even if the plant is under construction, it clearly shows the additional capacity coming up in China, increasing surplus capacity in China. In the event of cessation of anti-dumping duty, the production from these capacities will get diverted to India.
- iii. The plant of the petitioner was closed only for 28 days. It is not correct that the plant was closed due to non-compliance of PCB order. Since there was stormed rain in the month of Sep-16 and Oct-16, PCB issued instruction to all the establishment in the industrial estate for more strict administrative control adherence. Upon verification, PCB have asked to close production till necessary modification are done. DNL had spent nearly Rs. 60 to 70 Lakhs for necessary modification as directed by PCB, the details of which have been stated in revocation order. DNL thereafter restarted the production in the plant.
- iv. Depreciation of rupee cannot be a ground for non-continuation of anti-dumping duty. It is without basis that depreciation of rupees has singularly impacted the import price. Depreciation of rupee has had its own adverse effect on several factors. Moreover, there is no basis to assume that the rupee shall remain depreciated at the present level.

Views of the other interested parties

25. The following submissions have been made by the other interested:

- i. The Petitioner has not brought any evidence to prove the condition for initiation. The Application is short of legal and factual basis.
- ii. As it was mentioned in the interim report of 2015 that the Dongying plant is still under construction and is not planned to increase the overall capacity of Group, but as a supplementary plant to guarantee supply of DSD Acid if Donguang plant is closed down due to environmental policies of Govt. of China.
- iii. Many plants have been closed in China due to Govt. policies. Tsaker group took two main measures to deal with the environmental policies. Firstly, to invest in more environment friendly facilities to control pollution at Donguang plant, and secondly, started to build Dongying plant in case Donguang plant is also suspended. It was anticipated that once Donguang plant is suspended, Dongying plant would continue the supply of DSD Acid.
- iv. The Authority needs to examine what was the production loss due to Pollution Control Board (PCB) plant closing, what is the current position of DNL with regard to compliance raised by PCB, has any long term measures been taken to address pollution issues, assessment of the company if this issue will arise in future or not, investment made by the company to make compliant with environment law, concern's raised by PCB and the permitted quantity for the PUC for production. The Authority needs to examine all the parameters.

- v. DNL plant faces shut downs on account of environmental issues and the same needs deeper investigation by the Authority.
- vi. Depreciation of rupee has rendered imports unviable and it gives an additional protection to the DI. This situation if seen in the context of plant closures in China PR and also the prices which have started to increase significantly owing to tight supplies shall show the fairness in letting current ADD on DASDA to expire.
- vii. The petitioner in the original petition stated that it had not made any imports of the subject goods during the entire injury period, however in the written submission, it is stated that the Petitioner had made errors and thereafter submitted the details of the imports it had made.
- viii. The petitioner has admitted that it imported the subject goods, and no leniency shall be granted as DNL is a seasoned user of ADD. False statements in the petition and Format F raise doubts on all other statements made in the petition. Admission is not bonafide as DNL only admitted the imports when evidences were brought to the Authority. DNL made imports during POI to show some imports at low prices to make grounds for continuation of duties.

Examination by the Authority

26. As regards the argument of plant shutdown of the domestic industry due to environmental issues, the authority notes that production of Deepak Nitrite Limited was suspended due to orders of Pollution Control Board. The production was suspended till the necessary modifications were done in the plant and upon verification it was noted that the production was suspended for 28 days in total to comply with the modification suggested by the Pollution Control Board. Since the production of the company was suspended in 2015-16 for 28 days, the Authority has made adjustment in the cost and return for the financial year 2015-16 on account of closure of the plant.
27. With regard to imports made by the petitioner, the Authority noted that petitioner had initially not disclosed imports made by them and accepted it only after oral hearing when the interested parties brought this fact to the notice of the Authority.
28. As regards argument of additional capacity being set up by Tsaker group, the Authority verified that the new plant in Dongying which is under construction and it may be completed by end of 2019. As per the details of capital expenditure provided by the company it has been observed that company has already made substantial investment in new plant. The Authority noted that exporter has made substantial investment in order to enhance their capacity and to produce and sell the DASDA in the near future. Therefore, with the new capital investment the total Capacity of DASDA will be 55,000 MT p.a. from 2020.
29. It has been reported by the Company during verification that it has undergone change in name, w.e.f., 16th October 2018 as Hebei Tsaker Chemical Company Limited in place of Tsaker Chemical (Dongguang) Co., Ltd. They have requested that the change in name may be duly incorporated in the Final Findings. In support of their claim, the company has provided information and supporting documents.

NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

30. According to Section 9A (1) (c) of the Customs Tariff Act, 1975 'Normal Value' in relation to an article means: -

"comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Views of the Domestic Industry

31. Submissions made by the domestic industry are as follows:

- i. China needs to be treated as non-market economy for the reason that the costs and prices in China do not reasonably reflect the market forces. Para 8 to Annexure-I specifies the parameters which should be considered for grant of market economy status. This also implies that unless these conditions are not fulfilled/ satisfied, the Chinese costs and prices cannot be adopted.
- ii. Chinese producers are required to be treated as companies operating under nonmarket economy environment and the Authority may proceed to determine the normal value on the basis of Para 7 of Annexure-I.
- iii. Tsaker group has filed exporter questionnaire response on behalf of two producers i.e. Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd and Tasker Chemical (Cangzhou) Co. Ltd. The exporter came with one more production unit namely Tsaker Chemical (Dongying) Co Ltd, in 2014 mainly for the production of DSD Acid but no questionnaire response has been filed on behalf Tsaker Chemical (Dongying) Co Ltd.
- iv. The Authority took note of the same in the MTR as well. The Authority rejected the claim of name change of the exporter and held that the exporter is not only coming up with one more production unit but has also suppressed material fact.
- v. It is not a question of claiming normal value. It's question of filing complete QR. If a company can resort to suppression of facts to such an extent that a manufacturing unit is completely not brought before the authority, there is no confidence that rest of the information filed by the company shall be credible enough to be accepted by the authority.
- vi. The completeness of the questionnaire response is vital for determination of individual dumping margin. Unless the responding producer is able to precisely establish both the normal value and export price, it follows that the producer is not entitled for individual dumping margin. In the instant case as well, Tsaker group has suppressed the fact of existence of Tsaker Chemical (Dongying) Co Ltd and has not filed questionnaire response of the same.
- vii. The Designated Authority should not accept questionnaire response and the Authority should not determine individual dumping margin. This is in consonance with the well-established practice of the Authority, and as was applied in investigations concerning, for example, Purified Phthalate Acid (PTA), USB Flashdrive, Acetone from Korea, Cast Aluminium Alloy Wheels, Solar Cells, Hot Rolled Stainless Steel 304. Completeness of questionnaire response is a mandatory requirement and a well-established practice of the Authority.

Views of other interested parties

32. Following submissions have been made by the other interested parties:

- i. PUC is only produced in Dongguang plant. Dongying plant is under construction and is not planned to increase the overall capacity of Group, but as a supplementary plant to guarantee supply of DSD Acid if Dongguang plant is closed down due to environmental policies of Govt. of China.
- ii. As per exporter questionnaire response filed by Tsaker it has two production units one is Dongguang plant and other is Dongying plant (under construction). Response has been filed by Tsaker (Dongguang). Response has also been filed by Tsaker Chemical Cangzhou and Tsaker Technology Beijing. None of them are manufactures but supply the goods to local market in China.
- iii. Tsaker has provided all relevant information about Tsaker Dongying and stated that Tsaker Chemical (Dongying) Co., Ltd. is under construction. Since the plant is under construction, company has not started manufacturing and trading yet, therefore, filing of separate questionnaire response does not arise.
- iv. Determination of NIP cannot be commented upon as all relevant facts have been claimed confidential without a meaningful summary. Authority is requested to determine NIP as per Annexure III and consistent practices.

Examination by Authority

Normal Value

33. At the stage of initiation, the Authority proceeded as per the information given by the petitioner. Upon initiation, the Authority advised the producers/ exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority also requested Government of China PR to advise the producers/ exporters in China PR to provide the relevant information.

34. The Authority notes that the known Chinese producers/ exporters and the Government of China PR have been adequately notified about the requirement of submission of information in the form and manner prescribed and adequate opportunity was also granted to them to make their submissions in this regard. In this regard, M/s. Tsakar filed a letter accepting the fact that they had not filed the MET Questionnaire as they were not granted Market Economy Status in the previous MTR investigation. Hence, in the present Sunset Review investigation, they are not pressing for such claim of MET. The Authority may determine normal value as per existing rules and legal position. None of the producers/exporters have claimed market economy treatment.
35. In view of the above position the Authority considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value. The normal value for the subject goods has been constructed based on the cost data as per domestic industry covering all expenses and profit.

Export Price

36. From the responses filed, it is noted that Tsaker Group comprises of the following related entities involved in the production and exports of the product concerned to India:
- Tsaker Chemical (Donguang) Co Ltd. (Producer/exporter)
 - Tsaker Chemical (Dongying) Co Ltd. (Producer- Under construction)
 - Tsaker Chemical (Cangzgou) Co Ltd. (Trader)
 - Tsaker Technology (Beijing) Co. Ltd.

37. All the above have filed separate questionnaire response except Tsaker Chemical (Dongying) Co Ltd. which is under construction.

Determination of Dumping Margin

38. Based on constructed normal value and net export price, the dumping margin on weighted average basis for each co-operating producers is determined as follows:

Particulars	UOM	Amount
Constructed Normal Value	Rs/MT	***
	US\$/MT	***
Net Export Price	Rs/MT	***
	US\$/MT	***
Dumping Margin	Rs/MT	***
	US\$/MT	***
Dumping Margin	%	***
	Range	5-10

DETERMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Views of the Domestic industry

39. Following submissions have been made on behalf of the domestic industry:
- Despite existing anti-dumping duty, the exporters from China have continued exports to India at dumped prices. Thus, it is very likely that in the absence of such a duty, the dumping of the subject goods in India will continue.
 - The petitioner has determined dumping margin and injury margin for the last 10 years. In view of significant variations in the costs & prices due to changes in raw materials, the petitioner has determined these margins on the basis of monthly averages. The petitioner has adopted such approach for determining monthly CNV and NIP as is adopted by the Designated Authority wherever and whenever the Designated Authority has undertaken monthly comparison. It will be seen that out of 120 months for which the petitioner did calculations, the dumping margin was positive in 102 months and the injury margin was positive in 89 months.
 - This clearly establishes that Chinese producers have most often resorted to exporting at unfair prices, but have exported the product strategically and consciously sometime at significantly high prices.

- iv. In the past also, despite knowledge that the imports were being made under advance license (where the consumer would source the material only from Chinese producers), the exporter has charged unfair prices. It is also pertinent to note that the dumping margin increased significantly till 2016-17 but thereafter declined with significant increase in export price. This further establishes the attempt to manipulate the prices.
- v. If the anti-dumping duty has had the desired effect, the condition of the domestic industry is expected to have improved during the period the anti-dumping duty was in force. However this does not mean that there is no likelihood of recurrence of injury. Therefore, the assessment whether injury will continue, or recur, would entail a counter-factual analysis of future events, based on projected levels of dumped imports, prices, and impact on domestic industry.
- vi. While at present, the domestic industry is not suffering injury due to imposition of antidumping duty on one hand and the present pricing being kept by Tsaker on the other hand, considering the past behavior of the exporter, petitioner is quite sure that Tsaker will reduce the prices to such unreasonably low level that the petitioner suffers significant financial losses. This is not a conjecture, but a reality established by the past trend of the prices.
- vii. Imports claimed by the petitioner is on the basis of DGCIS data and cannot be exaggerated. The petitioner has not claimed injury.
- viii. As far as DASDA operations are concerned, the same are governed by the income statement of at DNL at this location. The petitioner produces de-facto only DASDA at Hyderabad location. Since accounts are separately audited for DASDA location, the same readily show the financial performance of DASDA location alone.
- ix. Decline in export market by Tsaker is far disproportionate to the decline in cost of sales. Resultantly, even the petitioner has been forced to reduce the price far disproportionate to the reduction in cost of production. There is no co-relationship between the decline in cost and import price and import prices have declined far more than decline in cost.
- x. This is due to the reason that Tsaker is commanding the prices of the domestic industry. The selling prices of the domestic industry is not fixed as per cost but as per price trend scenario which is mainly commanded by Tsaker, it being the dominant player in the world DASDA market.
- xi. Comparison of cost of production and import price clearly shows that the import prices have not moved in tandem with the increase/reduction in cost of production. Since Tsaker was well aware of the sunset review falling due in 2018, the exporters doctored their prices to influence the present investigation. This is an intentional action taken by Chinese exporters in order to influence the sunset review investigation and seek withdrawal of ADD.
- xii. The way Chinese producers have modified their prices and have resorted to significant increase and reduction in prices without any regard to the basic raw materials, it is evident that the weighted average import price in the POI is highly misleading to conclude on the likely behavior of the exporters in the event of cessation of anti-dumping duties.
- xiii. The movement of prices within the POI itself is clearly indicative of the manner in which Chinese producers can increase and reduce the prices. If the prices could be reduced and increased from INR 315 (Nov., 2014), to 202 (April, 2015); from 160 (June, 2017) to 208 (July, 2017) and 241 (Dec., 2017). It would be improper to consider that the Chinese producers are exporting and are likely to export at these prices which were prevailing during the end of investigation period.
- xiv. The domestic industry has not claimed injury in the present investigation. However, cessation of anti-dumping duty will lead to likelihood of dumping and injury.
- xv. The domestic industry is earning nominal profit and is not highly profit making. The return on investment is calculated on the net fixed asset of the company which is highly depreciated. The plant is old. The petitioner has worked out return on investment on gross fixed assets and it will be seen that the ROI on GFA is below 22%.

Views of the Other Interested Parties

40. Following submissions have been made by the other interested parties:

- i. DI has not claimed any Injury still their performance would show that DI is not vulnerable to any likely injury.
- ii. In POI the imports have declined and the DI claimed that China had excess capacity in that period had this been the case the imports would have increased.

- iii. Decline in import price is in line with decline in cost. Such import prices were not of any injurious effect to the DI which is evident in the fact that the performance of the DI was robust in the POI.
- iv. Market share of China PR slightly increased from 36.23% to 37.73% only. However, the decline in share of DI from 100 points to 89 points is due to significant decline in their captive uses and not because of imports. In fact, share of other companies increased substantially in this period from 100 points to 197 points which suggest that the imports were not impacting the sales of the Indian companies.
- v. DNL also imported during the POI and DNL could not supply enough due to PNT issues which also needs to be considered in view of the increase in market share of imports.
- vi. The decline in captive consumption by DI needs to be investigated in detail. As per our information DNL was producing significant volume of OBA where DASDA is used. In that case decline of captive consumption from 100 points to 13 points in the POI needs scrutiny. We request the Authority to check the OBA production and raw material source detail of DNL to assess the factual position of DASDA use by DNL. Thus, the DI did not face any market loss in actual terms.
- vii. The capacity of the petitioner remained the same during the entire injury period. However, production declined in 2016-17 and POI. This needs to be seen in view of the fact that plant of DNL was closed in 2016-17 for some time on account of PCB order. DNL also faced raw material issues (PNT) during the POI as evident from the letter from DNL wherein the company has asked users to pre close orders considering DNL's inability to supply the material.
- viii. The significant reduction in captive use of DASDA raises a lot of doubt on the injury data concerning DASDA presented by DNL. If the decline is true as DNL was not able to sell OBA, then such issues cannot be attributed to imports of DASDA DNL is still using DASDA sales and ADD on DASDA as a measure to control the OBA market and declines in DASDA captive use in such a case needs deeper investigation.
- ix. On examination of post POI data it will be seen that not only import prices but DI prices have also increased. Post POI trend up to April-June 18 Quarter, the months after that are showing even higher increase in price, both for DNL and also exporter from China PR.
- x. Tsaker is operating on a very high profit margin and it cannot be said that they are under pressure to export the product to India in lower price.
- xi. Petitioner has failed to evaluate some economic parameters. Indexed points for unit price, total costs, investments, employment, and stocks are not explicitly provided and analyzed.
- xii. Increase in import volume is not dumping, but the increase in demand of Indian market due to growth in downstream industry.
- xiii. Sale of DI has remained the same, however share of other Indian producers have increased due to the increase in demand.
- xiv. There is no correlation between Cost of Sales and Selling Price.
- xv. Prices of DASDA are tied to the international prices of Crude and hence have reached to new highs during the end of POI. It will further increase Post-POI.
- xvi. Price undercutting is amongst the most important factor, however is not the only factor. It has to be seen with other parameters and performance of the DI. Undercutting was negative in 2014-15 and 2015-16 and was only 1-20% during 2016-17 and POI. Despite positive undercutting, DI has improved on performance.
- xvii. It is baseless that Tsaker is affecting the world prices. Tsaker is using its dominant position in market to higher levels and DNL is not affected by the same. Being the only remaining producer, Tsaker is increasing its prices worldwide, which can be reflected in the Post POI import prices provided. The prices will further go up due to the plant closures in China PR.
- xviii. Tsaker being the only producer in China PR will use its dominant position to raise the prices and DNL would not be impacted by the higher prices. DNL only wishes to extend the duty to create a monopoly in the OBA market in India by controlling the supply of a major raw material DASDA.
- xix. Statement that Tsaker is controlling prices of the PUC is baseless. Had Tsaker been controlling the prices, DNL would not have increased the prices periodically and earned profits while not suffering injury during the POI.
- xx. No real explanation as to how Tsaker is doctoring volumes and prices of DASDA. Infact, DNL is doctoring the pricing of OBA by misusing the ADD on DASDA.
- xxi. DNL, as admitted is already earning nominal profits and due to plant closures in China PR, the prices are increasing to higher level. Any ADD would lead to DNL earning exorbitant profits, which is not the aim of

- ADD. The aim is to correct dumping and injury, which has now been removed. There is no likelihood either as the prices will only increase.
- xxii. Statement by DNL that absence of current injury is not indicative of likely situation in absence of duties is not true. The situation needs to be seen in context of the significant price increase lately owing to closure of DASDA plants in China PR except one. The prices will only go higher owing to the limited supply in a market with increasing demand.
- xxiii. DNL states that import volumes have increased since previous case. Imports have increased due to demand supply gap, DNL does not sell the material in a fair manner.
- xxiv. DNL itself asked users to pre-close order owing to their inability to supply due to PNT issues. Plant of DNL was closed in 2016-17 on account of PCB issues, which is a recurring instance.
- xxv. Import prices and prices of DNL have both shot up significantly showing a paradigm shift in pricing scenario of DASDA.
- xxvi. Contention that India will be chosen destination of dumping is baseless. World demand for the product is increasing and Tsaker is the only producer in China, hence it will raise prices.
- xxvii. Claim that Tsaker did not increase prices with prices of Raw material is baseless. As stated by Tsaker, it produced upstream raw material and hence stabilized the DASDA prices.
- xxviii. Claim that DNL is vulnerable to imports and the price sensitivity is untrue as DNL itself commands prices in a dominant manner. They have an integrated production till OBA level and hence control prices to reap benefits. DNL is not vulnerable and imports the PUC from China.
- xxix. DI admits it has no injury and the case is solely about likelihood of injury.
- xxx. The imports have declined recently and in the POI compared to previous year. This decline occurs at a time when the DI claims excess capacities in China.
- xxxi. Decline in prices of import are in line with decline in cost and not otherwise which is evident in the fact that the cost of the DI also declined by the POI. Thus, reductions in price were driven by cost. Such import prices were not of any injurious effect to the DI which is evident in the fact that the performance of the DI was robust in the POI.
- xxxii. Share of China only increased from 36.23% to 37.73%, however the share of DI fell from 100 points to 80 points due the decrease in captive sales. The share of other producers substantially increased from 100 to 197 points which shows that the imports did not affect the sales of Indian companies.
- xxxiii. Decline in captive sales needs scrutiny as OBA production of DNL increased. The OBA production and raw material source detail needs to be assessed by the Authority.
- xxxiv. The capacity of DNL remained the same throughout, however the production fell owing to raw material shortage as indicative from the letter by DNL. The plant was also closed for a period due to a PCB order. This is the real reason for fall in production and sales and not the imports.
- xxxv. Employment has increased and production has decreased which shows the incompetency of the producer and cannot be cured by continuation of duty.
- xxxvi. The profitability increased and any losses cannot be attributed to the imports as there were plant closures. The import prices were comparable to prices offered by DI hence there was no suppression.
- xxxvii. DNL earned profits during the entire injury period except 2016-17 wherein the plant was closed owing to PCB order. The lower margin should be seen in light of fall in captive consumption and imports made by DNL which leads to a self-inflicted injury. Thus, the lower margin does not show any injury. The data submitted in the petition does not show any significant level of price undercutting or underselling. Based on the average price of the responding importers here, the price undercutting/underselling would be even negative.
- xxxviii. Analysis shows that DI is no longer suffering injury and that the situation has gone tremendous changes. DI is not vulnerable to any injury on cessation of duty. Certain factors are responsible for performance of DI like PCB order, PNT constraints, decline in captive use, import by DNL and recurrence of such instances in the future cannot be ruled out. This shows that there was no causal link between imports and injury, which further shows that there is no likelihood in event of cessation of duties.
- xxxix. The statements that Tsaker commands prices in Indian and Global Market are false, as Tsaker has not made any manipulations of export price of DASDA. The prices of DASDA depend on the price of the raw materials and it had fluctuated in accordance with the raw materials prices only.

- xl. As per the Annual Report of DNL in 2017-18, the company is earning substantial profits. However the Petition states that only nominal profits are made. Also, return on investment is to be worked out on Net Fixed Assets, not on Gross fixed Assets.
- xli. Capacity has remained same however the plant production utilization has increased. The production of PUC has decreased because the petitioner is focusing more on non-PUC, which has increased from 100 in 2014-15 to 522 during POI.
- xlvi. Sales volume of the petitioner has increased. Segregation into two segments is not warranted. However, Captive sales and exports of the Petitioner have decreased majorly which can be the cause of injury.
- xlvi. Sales volume of the petitioner has increased. Segregation into two segments is not warranted. However, Captive sales and exports of the Petitioner have decreased majorly which can be the cause of injury.
- xlv. Average stock should not be seen in isolation. It has no meaning unless seen in relation to production and sales.
- xlv. Profitability of the Petitioners has increased significantly during the POI as compared to the base year. Total PBT, PBIT and Cash Profits have improved overall during POI as compared to base year, and hence the imports are not causing injury to the petitioner.
- xlvi. No. of employees has increased during POI.
- xlvii. Overall performance of domestic industry has improved. All factors are improving apart from productivity, which is almost the same and market share, which has declined due to slump in captive consumption and increase in market share of other producers.
- xlviii. Any injury caused is due to other factors. DG should examine other factors which can cause injury. Such non-attribution analysis should be performed to establish causal link. Thus injury cannot be attributed to only imports.

Examination by Authority

41. The injury analysis made by the Authority here under addresses the various submissions made by the interested parties.
42. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure–II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
43. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
44. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.
45. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

46. In consideration of the various submissions made by the interested parties in this regard, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject countries.

i. Assessment of Demand/ Apparent Consumption

47. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. The demand for the product under consideration is given below:-

Demand	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Sales of Domestic Industry including captive	MT	***	***	***	***
Sales of Other Indian Producers	MT	***	***	***	***
Import from China PR - Subject Countries	MT	***	***	***	***
Import from Other Countries	MT	***	***	***	***
Total Demand	MT	***	***	***	***

48. The Authority notes that the demand for the subject goods has increased till 2016-17 and then slightly declined in POI.

ii. Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry

Import volume and Market Share

49. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The table below summarizes the factual position with regard to import volumes and market share:-

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Import Volumes					
China PR - Subject Country	MT	3,998	4,674	5,324	4,675
Other Countries	MT	7	-	-	-
Total Imports	MT	4,004	4,674	5,324	4,675
Market Share in Imports					
China PR - Subject Country	%	99.84	100	100	100
Other Countries	%	0.16	-	-	-
Imports from Subject Countries in relation to					
Indian Production	%	56	57	74	62
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>101</i>	<i>131</i>	<i>109</i>
Indian Consumption	%	48	45	48	43
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>92</i>	<i>100</i>	<i>90</i>

50. Based on the table above the Authority notes the followings:

- Import from the subject country has increased till 2016-17 despite anti-dumping duty being in force. It is noted that there is decline in import from the subject country in the period of investigation compared to the previous year.
- The subject country accounts for 100% of the market share in imports.
- Imports in relation to consumption has declined in 2015-16 and has increased in 2016-17, thereafter it has declined in the period of investigation.

iv. Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry**a. Price Undercutting**

51. With regard to the effect of dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports when compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The Authority has compared landed price of imports with the selling price of the domestic industry for the subject goods.

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Landed price of imports	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>74</i>	<i>63</i>	<i>80</i>
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>78</i>	<i>73</i>	<i>88</i>
Price undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>0</i>	<i>103</i>	<i>46</i>
Price undercutting	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Range</i>	Negative	0-10	0-10	0-10

52. From the above, the Authority notes that the landed price of imports of subject goods from subject country is below the net selling price of the domestic industry. The imports from subject country are undercutting the selling prices of domestic industry from 2015-16 to POI. However there is no undercutting during 2014-15 i.e. base year.

b. Price Suppression/ Depression

53. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>88</i>	<i>87</i>	<i>92</i>
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>78</i>	<i>73</i>	<i>88</i>
Landed Value	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>74</i>	<i>63</i>	<i>80</i>

54. The Authority notes that the import price from subject countries is lower than the selling price and cost of sales of the domestic industry in the injury period. It is noted that the cost of sales and selling price have declined till 2016-17. Decline in selling price is more than decline in cost of sales, hence depressing the domestic price. In the period of investigation the cost of sales and selling price both have increased since previous year. It is noted that the import price has both suppressing and depressing impact on the domestic price.

v. Economic Parameters relating to the Domestic Industry

55. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

56. Accordingly, various economic parameters of the Domestic Industry are analyzed herein below:

a) Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales Volume

57. Production, sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry moved as shown below:

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Installed Capacity - Plant	MT	6,600	6,600	6,600	6,600
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Production Plant	MT	6,687	7,126	6,378	7,131
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>95</i>	<i>107</i>
PUC Production	MT	6,545	6,981	5,994	6,389
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>92</i>	<i>98</i>
NPUC Production	MT	142	145	384	742
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>102</i>	<i>271</i>	<i>522</i>
Capacity Utilisation	%	101	108	97	108
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>95</i>	<i>107</i>

58. The Authority noted that the petitioner is producing OBA from DASDA (captive consumption) and also from DNSDA (non PUC). The company has increased use of DNSDA and consequently reduced the use of DASDA for production of OBA in the POI as compared to base year. The plant production and capacity utilization of DASDA has not declined as the result of declining consumption of DASDA for producing OBA.

59. It is noted above that capacity of the domestic industry has remained same throughout the injury period though there is a significant increase in demand in POI as compared to base year. Production of the product under consideration increased in the period of investigation compared to the previous year, however it has declined in relation to the base year. Capacity utilization has increased in the period of investigation compared to the base year as well as the previous year.

b) Market Share in Demand

60. The market share of the domestic industry moved as shown below:

Market Share in Demand	Units	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Sales of Domestic Industry including captive	%	44.92%	43.84%	40.97%	45.52%
Sales of Other Indian Producers	%	6.65%	11.47%	10.86%	11.13%
Import from China PR	%	48.35%	44.69%	48.18%	43.36%
Import from Other Countries	%	0.08%	0.00%	0.00%	0.00%
Total Demand	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

61. It is noted that the market share of the domestic industry has slightly increased in the period of investigation as compared to the base year. Market share of the other Indian producers has increased in the period of investigation since the base year.

c) Profitability, return on investment and cash profits

62. Performance of the domestic industry with regard to profits, return on investment and cash flow is as follows:

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>88</i>	<i>87</i>	<i>92</i>
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>78</i>	<i>73</i>	<i>88</i>

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Profit / (Loss)	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>19</i>	<i>(11)</i>	<i>61</i>
Profit / (Loss)	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>24</i>	<i>(16)</i>	<i>98</i>
PBIT	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>29</i>	<i>(9)</i>	<i>102</i>
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>31</i>	<i>(3)</i>	<i>110</i>
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>26</i>	<i>(7)</i>	<i>65</i>

63. Since the production of the company was suspended in 2015-16 for 28 days, the Authority has made adjustment in the cost and return for the financial year 2015-16 on account of closure of the plant. After such adjustment the Authority notes that the profits of the domestic industry has declined in the period of investigation since the base year. PBIT, ROI and cash profits have shown the same trend where there was a decline in trend in 2015-16 and it was negative in 2016-17 and has increased in the period of investigation. The profits, cash profits and ROI in the POI were however lower than base year.

d) Inventories

64. Inventories with the domestic industry is as follows:

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>112</i>	<i>97</i>	<i>56</i>

65. It is seen that inventories with the domestic industry has declined over the injury period.

e) Employment and productivity

66. Performance of the domestic industry with regard to employment, productivity and wages is as follows:

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Productivity per day	MT/Day	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>92</i>	<i>98</i>
Employment	Nos	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>102</i>	<i>101</i>

67. On the basis of above, the Authority notes that the levels of employment and productivity have almost remain constant throughout the injury period.

f) Magnitude of Dumping

68. Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry. The analysis shows that the dumping margin determined against the subject country is positive.

g) Ability to raise Capital Investment

69. There is no verifiable information presented by the Domestic Industry and neither available on records that can imply that future investment in the sector can be marred by the presence of dumped imports from subject country.

Magnitude of Injury and injury margin

70. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Particulars	Rs/MT	\$/MT
Non Injurious Price	***	***
Landed Price	***	***
Injury Margin	***	***
Injury Margin %	***	***
	Negative	Negative

It is noted that Injury margin in the present case is negative.

LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

71. The Authority observed that this is a sunset review investigation and the focus of this investigation is to examine the likely scenario of continued dumping and consequent injury if the anti-dumping duties were to be allowed to expire even if there is no current injury.

Views of the Domestic Industry:

72. Following are the submissions made by the Domestic Industry with regard to likelihood of continuation of dumping and consequent recurrence of injury –
- Tsaker Chemical (Cangzhou) Limited is the largest producer of DASDA in China. It has the world's largest production base for DSD acid and accounts for 57% of world market at present. In 2017, 20000 tons project was put into operation which further consolidates the company's leadership position in the industry.
 - Being a market leader, the company is not only affecting the prices in the Indian market but also affecting prices in Chinese and global markets. Given their position, all DASDA producers are forced to align their prices with Tsaker prices.
 - The fact of price manipulation resorted by Tsaker alone justifies extension of ADD in the present case. If Tsaker has increased and reduced prices so drastically and so often, the petitioner holds no confidence that the present trend of prices will continue.
 - Tsaker group is the largest manufacturer of the subject goods in the world. The Company already has surplus capacities, and despite so, making further expansion. The current capacities available with the exporter are 35,000 MT and further expansion is being undertaken for 15,000 MT which takes the total capacity of the company to 50,000 MT, which is almost equal to the global demand.
 - The exporter's prices are not only affecting the Indian market but Chinese and global market as well, cessation of present anti-dumping duties will enable the company to dictate and dominate the prices of the subject goods in India and the domestic industry will be forced to align its prices to the imports.
 - Tsaker is controlling the price trends for the product in Indian, Chinese and global market. All other producers are forced to align their prices to the prices offered by Tsaker.
 - Tsaker was well aware of the sunset review falling due in 2018, the exporters doctored their prices to influence the present investigation. This is an intentional action taken by Chinese exporters in order to influence the sunset review investigation and seek withdrawal of ADD.
 - Determination on likelihood of dumping and injury in the present case cannot be based solely on the import price prevailing during the POI. Any conclusion drawn on the basis of weighted averages shall be highly misleading in view of the pricing behaviour of the Chinese producers.
 - The weighted average import price in the POI is highly misleading to conclude on the likely behaviour of the exporters in the event of cessation of anti-dumping duties. The movement of prices within the POI itself is clearly indicative of the manner in which Chinese producers can increase and reduce the prices.

- x. The importers/consumers demanded a midterm review seeking withdrawal of ADD on the grounds that import prices have significantly increased. The DA initiated midterm review on finding increase in import price.
- xi. After initiation of midterm review investigation, the import price once again declined significantly. Accordingly, even when authority held that there was sufficient justification for initiation of investigation and came to a conclusion that the dumping margin and injury margin in the investigation period considered by the authority were negative, the authority did not recommend withdrawal of ADD on the grounds that change in market were purely temporary and the situation had already significantly deteriorated to extent that were dumping margin and injury margin were once again positive.
- xii. An analysis of the volume of imports from China PR reported in the previous investigation period as well as in the current period shows that volume of imports from China PR have increased from the previous investigations. China constitutes 100% share in the total imports.
- xiii. Producers in subject country have huge capacities to produce subject goods. The total capacity of China for the product under consideration is 65, 000 MT which is more than the global demand. In fact, the total capacity of China is more than 65,000 MT after including the expansion being undertaken by the exporter which is 15,000 MT. The total capacity of China for the subject goods is 80,000 MT. None of the plants are shut down because of environmental reasons.
- xiv. Producers/exporters in China are having freely disposable production capacities. The capacities that the individual major players hold in China are higher than the entire domestic demand in India. The total freely disposable capacity is 47,949 MT.
- xv. Chinese exporters are in the process of expanding their capacity, notwithstanding the existing surpluses with them. The same is readily established from their annual reports.
- xvi. The annual report of Tsaker Chemical Group states that the group planned to grow the capacity of DSD Acid to 55,000 tons per annum by end of 2015 from 35,000 MT as of the end of 2014, representing expansions of more than 50%.
- xvii. The group in its Annual report of 2016 stated that they are building new production plants in Dongying, Shandong province of the PRC.
- xviii. As per information available with the domestic industry and considering the MTR investigation, the capacity of Tsaker group is going to be further expanded by 15,000 Mt which makes the total capacity of the exporter to 50,000 MT. This clearly means that the cessation of the present anti-dumping duties will provide the Chinese exporters a free and favorable market situation and allow them to aggressively export to India at their prices.
- xix. China is the largest manufacturer of DASDA in the World. Tsaker Chemical (Cangzhou) Limited is the industry's largest enterprise. They account for more than 53% of world market. Exports from China have increased over the period and are expected to increase further.
- xx. The exporters from China PR have very high export orientation worldwide. In 2015, approximately 43.8% of the sales revenue of Tsaker Chemicals was derived from other countries such as India, Germany, Japan and USA. Further as per the Annual report of 2016 of the exporter, India is the largest revenue generating export market for the Tsaker Group in China.
- xxi. Various extracts of annual report of the exporter clearly highlight that the Tsaker group is very much keen to export to the Indian Market. The imposition of anti-dumping duty has not affected the Chinese producers, due to advance licence exemption given by the GOI.
- xxii. Since the imposition of anti-dumping duty has not much affected the business of the Group in India and the customers have absorbed the anti-dumping duty, the cessation of anti-dumping duty will lead to intensified dumping and consequent injury to the domestic industry. Also there is a need for enhancement of duties as clearly the present duties have not affected the imports of dumped products into India.
- xxiii. China is the largest manufacturing country in the World. Tsaker Chemical (Cangzhou) Limited is the industry's largest enterprise. They account for more than 55% of world market. In 2017, 20000 tons project was put into operation which further consolidates the company's leadership position in the industry.
- xxiv. Perusal of the annual report of the company shows that the Global production of DASDA has increased from approximately 41.8 kilo tons in 2011 to approximately 57.7 kilotons in 2016, with an annual compound growth rate of 6.6% and the major producer is Tsaker group, with 53% of world's market share.
- xxv. China production has increased from 26500 tons in 2012 to 48,400 tons in 2016 and 52,300 tons in 2017. The production in China constitutes major share in the global production and it has significantly increased over the period.

- xxvi. In case of cessation of the present duty, dumping from China would definitely increase and ultimately cause intensified volume and price injury to the Domestic Industry which is at the recovery stage under the protection cover of the anti-dumping duty. In case of cessation of anti-dumping duty, the volume of imports is bound to increase further.
- xxvii. The application made by the Tsaker group to Hong Kong stock exchange showcases that, despite of increase in raw material prices, the price of product under consideration of exporter has remained same. This clearly shows that the Chinese producers do not align their prices with the changes in raw material prices.
- xxviii. Under present situation, the erratic pricing of the product by Tsaker in the past clearly shows that the Tsaker would once again resort to such erratic pricing and the domestic industry would suffer. Thus, either the exporter should give an undertaking that it would maintain the present prices, or it should be concluded that the exporter would continue to resort to erratic pricing behavior.

Views of the Other Interested Parties

73. Following are the submissions made by the other interested parties with regard to likelihood of continuation of dumping and consequent recurrence of injury –

- i. Petitioner has failed to substantiate its claim based on facts. The claim made by the petitioner about China's excess capacity is false, there is no unutilized capacity and goods are waiting to be exported to India in case of cessation of duty.
- ii. There is only producer in China which is functional and all others have shut down owing to environmental issue so the question of excess exported capacity does not arise.
- iii. Likelihood Analysis by DNL is flawed as historical prices have no significance on the future prices. There has been a paradigm shift globally due to closing down of all but one plant in China. Significant price increase in Post POI period clearly signifies that the price of import of DASDA from China PR will not have any injurious effect to the DI.
- iv. All the likelihood arguments by DNL rest on a ground that excessive export capacity will be diverted to India on cessation of ADD. There are no excessive exportable capacities as all except one plant in China PR, i.e. Tsaker have been closed down due to environmental policies. Performances of DNL have also improved and the purpose of ADD has been met.
- v. DNL shows dumping after levy of duties to show likelihood, however the situation of DASDA export has seen substantial changes and the prices have already started to increase due to short supply.
- vi. The facts shows that the prices of DASDA post POI has increased tremendously and such increases are for a fundamental cause and it cannot be believed that the prices will come down in the near future. There is going to be a scarcity/tight supply of DASDA from China PR owing to plant closure in China PR leading to manifold increase in price and no ADD is warranted to be continued at such a juncture.
- vii. Increase in production does not show any likelihood of increased import or injurious price. In situation of scarce supply, prices will only increase.
- viii. All plants except one have been closed in China, hence historical trends are not important. DNL importing the subject goods and claiming continued imports as a ground for likelihood needs to be seen with utmost importance.
- ix. Statement that Tsaker is expanding its capacity is false. Dongying plant is under construction and is not built to increase capacity but as a supplementary plant to continue supply in case the Dongguang plant is closed due to environmental policies of Government of China.
- x. DI has claimed that Tsaker has got about 35000MT capacity currently and they have an expansion in progress by another 20000MT. Even if that new capacity goes live, total capacity with Tsaker would be about 55000 MT. Against this, the DI itself admits that China PR has a local demand of more than 30000 MT and the total export from China PR except India is in the range of 25000MT to 35000MT¹ which means Tsaker would be having an easy market for about 55000 to 65000MT of DASDA in the time to come and they would still be short of material to the tune of 5000 to 10000 MT even with a capacity 55000 MT assuming that they will always operate at 100% utilization minimum.
- xi. If an exporter becomes only supplier of a good and has monopoly over the market, they would increase the price, they will not reduce their prices.

- xii. Tsaker apparently is under equipped to cater to the Chinese demand (local plus export other than India) with the current capacity and even if the exporter adds on another 20000 MT capacity, still the exporter would have some shortage of material with the above numbers
- xiii. All the producers in China except Tsaker have closed down so the point of excess capacities in China does not arise.
- xiv. Chemical plant closing in China is a well-known fact and DASDA is one of the product which pollutes water. DASDA plants in China have not been able to comply with the water waste treatment and have shut down.
- xv. Shanxi Xiangyu Chemical Co Ltd's DASDA plant is no more operational (plant was designed to produce 10,000 MT/annum of DASDA) since many years as they have been unable to treat wastewater properly. The DASDA plant was sealed by government in 2014.
- xvi. Yanshi Dongyuan Chemicals Co Ltd has a separate company for export business which is called Luoyang Hanyi Chemical Co Ltd and is a 100% affiliate. This is a double count of DASDA capacity
- xvii. Botou Tianhe Chemical Co.,Ltd. is a trade company, their location is in Botou city, Hebei province where it is impossible to build any DASDA plant. Their main products are: dyestuff, dyestuff intermediates, and furan resins of casting. According to our information, they purchase DASDA from local DASDA supplier about 20-30 MT per year only
- xviii. Tianjin Yuanhai Fine Chemical Co.,Ltd. is also a trade company. Their location is in Jinghai county, Tianjin city. Their total trade volume is 3000 MT for DASDA, PNTS and DNST. They export these products to USA, Japan, Italy and other countries. According to our information, they also purchase limited volume of DASDA every year.
- xix. The Authority is requested to conduct the likelihood of exports based on data submitted by the exporter alone and not on any other basis. The sketchy inputs given by the DI in its petition is disputed for serious factual errors.
- xx. Even the annual report of Tsaker says that since plants have been shut down in China they will have golden opportunity to meet the local demand. In that case surplus capacity or diverting the exports to India is unlikely.
- xxi. Historical position of import of DASDA has no meaning in the present case in view of the closure of DASDA plants in China PR and the Graphite Electrodes Case, where the duty was revoked by the Authority in MTR because loss making industry till 2-3 years back is a net exporter of the goods currently and their profits just sky rocketed to unusual and unimaginable high levels during the last few years.
- xxii. No surplus capacity in China. Tsaker group has only two plants, Tsaker Chemical (Donguang) and Tsaker Chemical (Dongying) which is under construction. Tsaker Chemical (Cangzhou) supplies goods to Tsaker Tech (Beijing) who further sells to unrelated domestic producers in China. They have also filed responses.
- xxiii. Many plants have been closed in China due to Govt. policies. Tsaker group took two main measures to deal with the environmental policies. Firstly, to invest in more environment friendly facilities to control pollution at Donguang plant, and secondly, started to build Dongying plant in case Donguang plant is also suspended. It was anticipated that once Donguang plant is suspended, Dongying plant would continue the supply of DSD Acid.
- xxiv. The claim by Petitioner of producers having excessive surplus capacity is baseless. Tsaker is not the only producer in China. There are four others producers with a combined capacity of 15,000 MT.
- xxv. Tsaker Group is growing only because of its environment friendly policies. However the policies have affected the Tsaker Group also, as after the Government Notification, the Group had to demolish a number of Coal fired boilers and others are in process of demolition. The company also had to upgrade other coal fired boilers.
- xxvi. The DGTR in recent decisions has either denied initiation or terminated investigations after initiations in cases where there is no injury or no likelihood of injury. NFY, Dry Cell Batteries, VFY are few cases where the investigations was terminated.
- xxvii. In the current case, there is no dumping from China or injury due to dumped imports. Anti-dumping duty is not meant to be perpetual in nature and there exists no special circumstances to warrant an extension of the duty.

Examination by Authority

74. The Authority examined the likelihood of continuation or recurrence of injury considering the parameters relating to the threat of material injury in terms of Annexure II (vii) of the Rules. Clause (vii) of Annexure II to the rules provides for the following:

- a) **a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation**

75. The trend of import is as follows

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI*
Total Imports	MT	4,004	4,674	5,324	4,675
Total China	MT	3,998	4,674	5,324	4,675

76. The Authority notes that despite imposition of anti-dumping duty the imports from the subject country kept increasing till 2016-17 with a decline during period of investigation. However, the level of imports during period of investigation is significant and has increased as compared to base year.

77. Data regarding imports of the subject goods in the previous investigations is as under:

Imports	MT	Indexed
2008-09	1,030	100
2009-10	2,252	219
2010-11	2,613	254
2011-12	2,769	269
2012-13	4,397	427
2013-14	5,182	503
2014-15	3,998	388
2015-16	4,674	454
2016-17	5,324	517
April' 17 to March' 18	4675	454

78. It is observed that the imports from the subject country kept on increasing despite anti-dumping duty in force. There is also some decrease in 2014-15 and during the POI.

79. The Annual reports of Tsaker Chemical and the above table suggests that its exports to India was not much impacted by the anti-dumping duty in force. It is likely that in the event of cessation of anti-dumping duty, the volume of dumped imports may further increase in view of increased imports from subject country.

- b) **sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports**

80. This parameter for ascertaining the threat of material injury requires evaluation of existing surplus capacities and capacity addition, if any, to explore the possibility of diversion of disposable quantity to Indian market.

81. The Authority evaluated existing surplus capacities and capacity addition, if any, with the exporters of the subject goods to determine possibility of diversion of disposable quantity to Indian market. The domestic industry has provided evidence of existing capacities with the Chinese producers, which shows that the producers in China have capacity way beyond the Indian demand. Summarized position of existing capacities with China is as follows:

S. no.	Name of the Company	Current Capacity (MT)
1.	Shanxi Xiangyu Chemical Co. Ltd	10,000
2.	Yanshi Dongyuan Chemical Co. Ltd	5,000
3.	Botou Tianhe Chemical Co. Ltd	3,000
4.	Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd	35,000
5.	Luoyang Dongyuan Chemical Co. Ltd	5,000
6.	Tianjin Yuanhai Fine Chemical Industry Co. Ltd.	3,000
7.	Dongyuan Chemical Co. Ltd	5000
8.	Total known capacities	66,000MT

82. Tsaker has stated that as per information available the production at LION has been suspended in 2018 due to environmental issue and production at RUI XIANG has been shut down due to environmental issues since 2016.

83. Further, the Authority visited the Tsaker Chemical Dongying Plant in Shandong province. As regards argument of additional capacity being set up by Tsaker group, the Authority verified that the new plant in Dongying which is under construction and it may be completed by end of 2019. As per the details of capital expenditure provided by the

company it is noted the exporter has made substantial investment in order to enhance their capacity and to produce and sell DASDA in the near future. During the plant verification, the company stated that due to environment issues the Dongguang Plant may be shut down and the company is installing Dongying plant as an alternative. As per the company if the existing Dongguang Plant having DASDA Capacity of 35,000 MT p.a. is closed due to environmental issues, the company will initially start with new Plant at Dongying with DASDA Capacity of 20,000 MT p.a. and will further increase its Capacity. Therefore, with the new capital investment the total Capacity of DASDA will be 55,000 MT p.a. from 2020.

84. This newly added plant is nearer to the port and it is likely to be beneficial for Tsaker group. It is noted that Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd is the largest producer of the subject good in the world and is the market leader. By adding up this new capacity may bring them in more dominant position and keep them at advantage in the market.

c) **whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports**

85. At the current landed price in India, there is positive price undercutting during POI without Anti-Dumping Duty in force. It is noted that the imports are depressing and suppressing the domestic prices, despite anti-dumping duty in force.

d) **inventories of the article being investigated**

86. As per the details given in the exporter questionnaire by the exporter from China, the inventories have increased in POI as compared to base year as well as the previous year. It is noted that Inventories have been increasing despite the nature of the product, which is highly demand driven. It is also noted that the inventory has increased post POI.

e) **Price attractiveness**

87. The increase in demand of product under consideration in India, coupled with restrictions on Chinese products in US indicates that India will remain an attractive market for product under consideration. As per company's Interim Report (for 6 months) for 2018, the exporter's main product i.e. DASDA is mainly being exported to the US and in US products from China may be subject to 10% additional tariff due to U.S.-China trade dispute. In that case, products from China may get diverted to other countries.

f) **Export Orientation**

88. It is noted from the Annual report of the exporter that the Tsaker is highly export oriented. In the event of cessation of anti-dumping duty, the excess capacities in China will get diverted to India owing to increase in demand. As per the Annual report 2017 of the exporter the export percentage of the Chinese companies is 63.8%; India accounted for approximately 10.9 %. The group has sales network not only in Asia but also in Europe, North and South America.

Causal Link

89. Under Section 9A (5), the Authority is required to examine the likelihood of dumping and injury and the need for continuation of duties irrespective of whether there have been any imports of the product under consideration during the review investigation period or not. It was examined whether other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It is noted as follows:

a) **Volume and value of imports not sold at dumping prices:**

90. Statement of imports from various countries shows that there are negligible imports of product under consideration from other countries. It cannot, therefore, be said that the imports from other countries have also caused injury to the domestic industry

b) **Contraction in Demand and / or Change in Pattern of Consumption:**

91. The demand of the subject goods has increased over the injury period. Decline in demand could not have, therefore, contributed to the injury to the domestic industry.

c) **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers:**

92. The Authority notes that there is no trade restrictive practice in subject goods which could have contributed to the injury to the domestic industry.

d) **Developments in technology:**

93. The Authority also notes that the technology for production of the subject goods has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury.

e) **Export performance:**

94. Petitioner has exported the subject goods. However, they have not claimed injury in the export operations. Petitioners have provided costing and injury information for domestic sales separately. Hence, injury to domestic sales cannot be attributed to exports.

f) **Performance of other products produced and sold by the domestic industry:**

95. The performance of the domestic industry has improved over the period and has been attributed to the effect of anti-dumping duty.

96. However, the domestic industry has not claimed any injury either on account of imports of the subject country or due to above mentioned factors.

POST DISCLOSURE COMMENTS**Views of the Domestic Industry**

97. The domestic industry inter alia submitted as follows

- i. The Disclosure statement issued does not constitute sufficient disclosure of essential facts as relevant information relating to likelihood of recurrence of injury.
- ii. The exporters have made plenty of misleading claims and statements regarding (a) There is only one producer in China which is functional (b) There are no excessive exportable capacities (c) Statement that Tsaker is expanding its capacity is false (d) Historical position of import of DASDA has no meaning in the present. (c) Dongying plant was built in case Donguang plant is also suspended.
- iii. No venture can afford to have an extra insurance styled production facility only to be used in a presumed case when the first facility ceases production.
- iv. Exporter can dictate prices due to its dominance, being the sole producer in China as per its claims. It can be seen from the records how the market prices were decreased, and then increased by Tsaker.
- v. The exporters states it does not have interest in the Indian market, but is however very concerned with the ADD investigation, which shows a difference practice than the theory.
- vi. The Exporter has been found to be suppressing facts and making misleading statements in the previous MTR investigation also. The same has been held in the MTR Final finding.
- vii. The name change request has been made blatantly at an untimely and hugely delayed stage, without any mentions in the previous submissions. This mockery of procedure is disputed by the Petitioners as there has been no opportunity provided to the petitioners to offer comments on such a new development.
- viii. A similar name change request was made in the MTR investigation, which was denied by the Authority stating that the change was not merely of the name.
- ix. As per the practice of the Authority, a separate investigation is carried out in case of name change request, granting the Domestic industry a proper chance to defend its' interests.
- x. The claim made by the exporter that the newly added capacity of 20,000 MT in Dongying is merely an alternative is unbelievable and false on the face of it. The Global offering paper of Tsaker group (2015) stated the Dongying plant was established to strengthen its leading position in DSD Acid market and not under anticipation of Donguang plant production being closed
- xi. Tsaker Group is not only a leader in China, but also the world market, and can influence Chinese and Indian prices, to which all other producers have to align prices accordingly.
- xii. The volatile pricing of Tsaker shows the manipulation it can do, which should be alone enough for extension of the duty. Petitioners submitted that it will not seek extension if the current high price trend continues, but no such undertaking was provided by Tsaker.
- xiii. Tsaker Group will attain monopoly in the world market if the ADD ceases. The company has a capacity equal to the world demand, and it shall use its dominance and pricing to take out competition.
- xiv. The exporter was aware of the impending SSR and hence doctored prices to influence the outcome. Similar practices have been resorted to, in the past.
- xv. Determination on likelihood of dumping and injury in the present case cannot be based solely on the import price prevailing during the POI. Chinese producers can readily increase and decrease prices, as can be seen.
- xvi. Such temporary change in prices were seen as a pattern, and duly noted in the MTR final finding by the Authority.
- xvii. Positive dumping margin has been noted in the Disclosure Statement, which established that the dumping continued in the POI despite the ADD. A comprehensive month wise analysis has been done for the last 10

- years which shows positive dumping margin in 102 months and positive injury margin in 89 months out of the 120 months.
- xviii. The DI is not suffering injury in the POI and has not claimed any injury either. Parameters have shown improvement because of the higher import prices, and the injury because of the dumping was removed because of the duty recommended by the Authority. However, the high prices are temporary and the surplus capacities will be used in the event of cessation of duty.
 - xix. Absence of injury is no justification of not extending the duty. The Authority has to determine if the injury can 'recur', which means that the injury that has been removed by the ADD, can happen again on removal of the duty, on the basis of likelihood analysis.
 - xx. China constitutes 100% share in the total imports and the imports have increased from the previous investigations as well.
 - xxi. Producers in subject country have huge capacities to produce subject goods. The DI rechecked the status of these producers after claims of closures and found that none of their websites states that the DASDA production facility has been shut down.
 - xxii. Total capacity of the Chinese producers is way more than India demand without even considering the current capacity expansions.
 - xxiii. Producers/exporters in China are having freely disposable production capacities.
 - xxiv. As per the evidence provided, Chinese exporters are in the process of expanding their capacity, notwithstanding the existing surpluses with them.
 - xxv. China is the largest manufacturer of DASDA in the World. Tsaker Chemical (Cangzhou) Limited is the industry's largest enterprise. They account for more than 53% of world market.
 - xxvi. From the evidence collected and provided to the Directorate, it may be seen that the exporters from China PR have very high export orientation worldwide.
 - xxvii. Various extracts of annual report of the exporter clearly highlight that the Tsaker group is very much keen to export to the Indian Market. The imposition of anti-dumping duty has not affected the Chinese producers.
 - xxviii. Since the imposition of anti-dumping duty has not much affected the business of the Group in India and the customers have absorbed the anti-dumping duty, the cessation of anti-dumping duty will lead to intensified dumping and consequent injury to the domestic industry.
 - xxix. Tsaker Chemicals shows increase in production in China and consequently globally. It is clear from the table above that China is the largest manufacturing country in the World.
 - xxx. The Global production of DASDA has increased from approximately 41.8 kilo tons in 2011 to approximately 57.7 kilotons in 2016, with an annual compound growth rate of 6.6% and the major producer is Tsaker group, with 53% of world's market share.
 - xxxi. Relevant extracts from the application made by the Tsaker group to Hong Kong stock exchange showcases that, despite of increase in raw material prices, the price of product under consideration of exporter has remained same.
 - xxxii. The Indian market for the product under consideration is highly price sensitive. The consumers decide their source, with the price being the foremost consideration.
 - xxxiii. Despite anti-dumping duties being in force the volume of imports from the subject country has increased.
 - xxxiv. The exporter could contend that the decline in price or increase in price is not selectively for the Indian market. What is however required to be considered is that DASDA is produced only in two countries – India and China.
 - xxxv. Due to the existing anti-dumping duty, the domestic industry was able to increase its market share, as the imports were regulated so far and were made only in duty exemption category.
 - xxxvi. Petitioner has provided information with regard to unit cost of sales, landed price of imports and selling price over the injury period. It is reiterated that Tsaker group is the major driver of the prices of the product under consideration, globally and India. Analysis of past 10 years data shows a clear trend of dumping and injury.
 - xxxvii. The domestic industry's performance with regard to price parameters is fully dependent on the pricing kept by the Chinese producer.
 - xxxviii. In the event of cessation of current anti-dumping duty and if Domestic Industry chooses to sell at import prices, the Domestic Industry would be forced to sell the product at sub-optimal price.
 - xxxix. The likelihood analysis may not be based on injury margin, as the purpose of injury margin is only to determine quantum of ADD in a situation where the domestic industry has currently suffered injury.
 - xl. In a situation where the Designated Authority finds absence of injury, the finding is based on likelihood, and the Designated Authority may not determine injury margin and consider confirmation of the same quantum of

ADD. This is also the practice of the Designated Authority wherein the Designated Authority has not modified the quantum of ADD when the Designated Authority found that the need for continuation/extension is based on likelihood of injury.

- xli. The form of duty should be of fixed quantum, as the form makes the duty effective and less likely to be evaded due to various structural loop holes. A history of ADD shows that other forms of duty are readily evaded.
- xlii. The Authority has already expressed anti-dumping duty in terms of US\$ in a large number of other investigations. Rupee has depreciated significantly and therefore, the definitive duties may kindly be expressed in US\$.

Views of the other Interested Parties

98. The following submissions were made by producers/exporters/importers/other interested parties

- i. The Authority has not provided separate Dumping Margin and Injury Margin to co-operating producers. Only a table indicating the same without separate and individual rates to producers/exporters has been given.
- ii. The Authority has not examined the post POI data as per the Manual of Operating Practices. The prices of Tsaker have increased during the post POI period and the DI is earning profits in Post POI period, which shows there is no injury.
- iii. Capacity will be 55,000 MT by 2020 is incorrect. Tsaker is not expanding the product capacity. Tsaker is setting up the plant in Dongying as an alternative only.
- iv. Whether or not Tsaker Dongguang Plant will be closed after Tsaker Dongying Plant starts operating, the total capacity of Tsaker will be limited to 35,000 tons per year, as explained by documents made available during verification.
- v. Company has provided all relevant documents during verification for name change of Tsaker Chemical (Dongguang) Co., Ltd. to Hebei Tsaker Chemical Company Limited.
- vi. DG has allowed a return of 22% on average capital employed for the PUC and has assumed the same to be reasonable. The NIP determined by the DG is highly inflated and is not based on real situation.
- vii. Basis of 22% return was designed in the year 1987, when all parameters like interest rate and corporate tax were different; those cannot be termed as reasonable after 30 years in the year 2018. Such a practice is incorrect, as stated in Bridge Stone Tyre Manufacturing & others vs. Designated Authority by CESTAT.
- viii. There is no dumping and injury to DI and hence no likelihood of dumping and injury to DI during POI or post POI.

Examination by Authority

99. The Authority notes that post-disclosure comments/submission made by the interested parties are mostly reiterations of earlier submissions, which have already been examined suitably and adequately and properly addressed in the disclosure statement or relevant paras of the present finding. The authority further considers as follows with regard to issues raised by the interested parties:

- i. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this finding.
- ii. As regards contention of the parties regarding name change, it is noted that the Authority has duly verified the name change request of the responding exporter along with relevant documents during the verification visit in China. In view of the verified documents, the Authority has accepted the name change request of the exporter.
- iii. As regards disclosure of dumping margin, injury margin and NIP, the Authority vide email dated 21st December, 2018 disclosed the confidential information to the respective parties (NEP and Landed Price to the responding exporter and NIP to the domestic industry).
- iv. As regards argument of consideration of post period of investigation data and domestic industry showing no injury in post period of investigation, it is noted that the domestic industry is not suffering injury in the present case. The prices of Tsaker have increased during the post POI period and the DI is earning profits in Post POI period, which shows there is no injury. The prices of Tsaker in third countries is comparable with India in POI and Post POI period.
- v. The Authority also noted that petitioner had initially not disclosed imports made by them and accepted that they have imported PUC only after oral hearing when the interested parties brought this fact to the notice of the Authority. The petitioner is well versed with the Anti-Dumping Rules and he should have brought this fact to the notice of the Authority at the time of filing of petition itself.

- vi. As regards argument of additional capacity being set up by Tsaker group, the Authority verified that the new plant in Dongying is under construction and it may be completed by end of 2019. However, commercial production may take more time thereafter and may not have impact on the total capacity in the near future and Tsaker may have to close its existing plant due to environmental issues.
- vii. The Authority noted that there has been an improvement in the performance of the domestic industry in respect of most of the economic parameters relevant for evaluation of injury.
- viii. As regards 22% return allowed for calculation of NIP, it is clarified that it is the consistent practice of the Authority to consider 22% return on capital employed.

CONCLUSIONS

100. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the likelihood of recurrence or continuation of dumping and consequent injury, the Authority concludes that:
- a) By hiding the imports, the petitioner tried to circumvent provisions of rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules.
 - b) Though dumping is there but the level of anti-dumping margins have decreased in the current period of investigation compared to the previous investigation. Despite the dumping of product under consideration, the injury margin is found to be negative in current period of investigation.
 - c) The imports from subject countries are not being sold below the non-injurious price of the domestic industry.
 - d) The performance of the domestic industry has improved. Analysis of various economic parameters shows overall economic health of the domestic industry has improved during the POI.

RECOMMENDATIONS:

101. Having observed that the existing anti-dumping duty is in existence since 23rd January, 2014, the Authority is of the opinion that existing anti-dumping duty has served the intended purpose. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends ceasing of anti-dumping duty on import of subject good from the subject country recommended vide Notification No.15/18/2015-DGAD dated 26th September, 2016 and enforced vide Customs Notification No. 52/2016-Customs (ADD) dated 9th November, 2016.

FURTHER PROCEDURES

102. An appeal against the order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Director General